Ine Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8]

नई विल्ली, शनिवार, फरवरी 20, 1982 (फाल्गुन 1, 1903)

No. 8]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 20, 1982 (PHALGUNA 1, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अनग संकलन के रूप में रखा जा सके . (Separate paging is given to this Part in order that it may be iled as a separate compilation)

भाग गा--खण्ड 1

[PART III--SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और पहालेखायरीक्षक, संघ लोक पेत्रा आयोग, रेत विभाग और भारत सरकार के संखग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

सं. ए. 12025 (11)/3/78-प्रशा. 111—विरिष्ठता कोटा के अन्तर्गत वर्ष 1979 के लिए अनुभाग अधिकारी की चयन सूची में सम्मिलित करने होतू संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. स. में उनके नामित किए जाने के परिणामस्वरूप श्री थामस ल्गून को 10 दिसम्बर, 1981 के पूर्वाहन में आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधि-कारी के पद पर नियक्त किया जाता है।

दिनांक 2 जनवरी 1982

सं. ए. 12025 (11)/3/78-प्रचा. 111—विरिष्ठता कोटा के अन्तर्गत वर्ष 1979 के अनुभाग अधिकारी की चयन सूची में सम्मिलित करने होत संघ लोक मेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. में उनके नामित किए जाने के परिणामस्वरूप श्री पूरन चन्द को 23 दिसम्बर, 1081 के पर्वाहन से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधि-कारी नियक्त किया जाता है।

यः राः गांधी अवर सचिव (प्रशाः) , संघ लोक सेवा आयोग

नई विल्ली, विनांक 13 जनवरी 1982

सं. ए. 35017/1/81-प्रशा.-।।—संघ लोक मेवा आयोग को संवर्ग में को. स. सं. को अनुभाग अधिकारी श्री सुदर्शन कुमार को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एसद्द्वारा 6-1-1982 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा आगामी आदोशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर तबर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

श्री मृदर्शन ध्रामार लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहाँगे और उनका बेतन समय-समय पर यथासंशोधित वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का. जा. सं. 1(11)-ई.-।।। (बी) दिनांक 7 नवम्बर, 1975 के उपबन्धों के अनुसार विनियमित होंगा।

पी. एस. राणा अन्भाग अधिकारी **कृते** सचिव संघ लोक सेंदा आयोग

मद्रण निद्यालय

नर्ह दिल्ली-11, विनांक 30 जनवरी 1982

सं. बी. (31)/प्रशा.-।।—-मद्रण निर्देशक ने श्री के. एत. भटटाचारजी, अधीक्षक, भारत सरकार फार्म भण्डार, कलकत्ता को 11-12-81 के पूर्वीहन से अगले आदोश होने तक रठ. 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 के देतन सान में उसके कार्यालय में महायक प्रयंधक (प्रशा.) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

(2051)

विनांक 1 फरवरी 1982

सं. एस. (58) प्रशा. -। । --म्यूण निदोशक ने थी चिरांजील सान्याल, अधीक्षक, भारत सरकार फार्म भण्डार, कलकत्ता की 7-12-81 के पूर्वीहन से अगले आवंश होने तक रहे. 650-30-740-35-810-दे रो --35-880-40-1000-दे रो --40-1200 के वेतन मान में उसके कार्यालय से सहायक प्रशंधक (प्रशा.) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

हरिश्चन्द्र शर्मा उप निदंशक (प्रशा)

गृह मंत्रालय

महानिद्देशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नर्ङ दिल्ली-110022, दिनांक जनवरी 1982

सं. ओ. दो. 1586/81-स्थापना—महानिदोशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा. (क्यारी) अर्थना चौधरी को 7-1-1982 के पूर्वाहन से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित निय्तित होने तक उनसें ओ भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीण रिजर्व पृतिस बल सें कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ छए धें नियका किया है।

ए. के. सूरी सहायक निवोधक स्थापना

का. एवं. प्र. स्. विभाग

कोन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो

नर्क दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1982

- सं. एस-161/67-प्रशा.-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस. पी. भारव्याज, अपर विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो जो दिनांक 28-2-82 को 58 वर्ष की आयू प्रप्त कर लेंगे, का सेवा काल दिनांक 1-3-82 से दिनांक 31-8-82 तक 6 महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया है।
- सं. ए-20024/1/80-प्रशा -5--श्री चंद्रिका प्रमाद, सहा-यक लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्त्रेषण व्यरो, जयपुर की संवाए विनांक 8-1-82 के अपराहन से राजस्थान सरकार की वापस सौंपी जाती हैं।
- सं. ए-20023/2/82-प्रशासन-5--निवोधक, केन्द्रीय अन्धेषण ब्यूरो एवं एलिस महानिरीक्षक, विशेष एलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री राजपाल सिंह को दिनांक 22-1-1982 के पूर्वी-हन से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों सो लीक अभियोजक के स्पा संवित्यक्त करते हों।

हीरो ए. कक्षानी प्रकासनिक अधिकारी (स्था.) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी वित्त मंत्रालय

आर्थिक विभाग

चलार्थ पर भ्द्रणालय

नासिक, दिनांक 27 जनवरी 1982

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 अन्तर्गत नियम 5 (1) के अनुसार सेवा समाप्ति की मुखना

केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 का उप नियम (1) के अन्सार, मैं र. विं. चौबल, मुख्य लेखा तथा प्रशासन अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड यह सूचित करता हूं कि भारतीय राजपत्र में यह सूचना प्रकाशन होने के एक माह बाद श्री निवृति बारक तप सुरक्षा रक्षक, टोकन मंख्या डब्ल्यू-डब्ल्यू-176 की मेवा समाप्ति हो जाएगी।

र. त्रिं. चौबल मुख्य लेखा एवं प्रशासन अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार, महाराष्ट्र (।) का कार्यालय बम्बई, दिनांक 27 जनवरी 1982

सं ० ऋ०-प्रशासन-1/सामान्य-31-खण्ड-3/सी-1 (1)/10-महालेखाकार महाराष्ट्र (1), बम्बई ग्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को, उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से श्रागामी श्रादेश तक स्थानापन्न रूप से भेखा श्रधिकारी/लेखा परीक्षा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

| क्रमांक नाम | घिनांक |
|---------------------------------------|----------------------------------|
| 1. श्री एल० एम० देसाई | 28-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री एम० एस० नाबर | 07-01 - 82 (पूर्वाह्म) |
| 3. श्री डी० जे० कुलकर्णी | 12-01-8-2 (पूर्वाह्म) |
| 4. श्री के० वेंकटाचारी | 13-1-82 (पूर्वाह्न) |
| 5. श्री एस० जी० थोरात | . 07-01-82 |
| श्री सी० एल० पटेल | (पूर्वाह्न) 18-01-82 |
| | (पूर्वाह्म) |

(ह्.) आपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन ſ

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्ङनैन्स फैक्टरियां सेवा आर्ङनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. 55/जी/81—राष्ट्रपति महादेय ने श्री सी. बी. वाडगानकर, अस्थायी सहायक प्रबन्धक का त्याग पत्र तारीख 2 सिसम्बर, 1981 (अपराह्न) में मंजर किया।

दिनांक 11 जनवरी 1982

सं. 01/82/जी---वार्थक्य सेवा निवृत्ति आयू (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री एसः जागरामन्, स्थानापन्न सहायक प्रगत्धक (सौ(लक और स्थायी स्टोर होल्डर) तारीख 30 ववस्वर, 1981 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी. के. मेहता सहायक महानिदोशक, आर्डनैन्स फौक्टरियां

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय भारत मीसम विजान विभाग

नर्इ दिल्ली-3, दिनांक 30 जनवरी 1982

मं ए. 12040/1/81-स्था.-।--राष्ट्रपति, निम्न-लिखित व्यक्तियों को भारत मौसम विज्ञान विभाग में 30 सितंबर, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, स्थानापन्न मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री आर. सी. दुब
- 2. श्री आर. के. जैन
- 3. श्रीके. सी. पोरल
- 4 श्रीके. रत्नम

सं. ए. 12040/1/81-स्था.-।—-राष्ट्रपति, निम्न-लिखित व्यक्तियों को भारत मौसम विज्ञान विभाग में 30 सितम्बर, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर अस्थाई रूप में नियक्त करते हैं:--

- 1. श्रीबी. के. बंदापाध्याय
- 2. शीडी. के. यू. आर. भगत

एस. के. दास मौसम विज्ञान के अपर महानिद्शेक

पूर्ति तथा निपटान महानिवशालय (प्रशासन अनभाग-।)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. प्र.-1/1(220)--- उस महानिदोशालग में उप निदेशक (पत्ति) (भारतीय पृति सेवा भूप ए के ग्रेड-11) श्री बी. दोव., निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 30-11-1981 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 1 फरवरी 1982

मं प्र-1/1(711)—इस महानिद्देशालय में स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निद्देशक (ग्रेड-11) श्री बलदेव अनन्द निवर्तमान आय होने पर दिनांक 31-1-1982 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गए।

मं. प्र.-1/1(849)---इस कार्यालय में विशेष कार्य अधि-कारी (सांख्यिकी), भारतीय सेवा के ग्रेड-।। श्री पी. सी. सरकार निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-1-1982 (अपराह्न) से सेवा निवरत हो गये।

> एस'. एल. कपूर उप निदोशक (प्रशासन) कृते महानिद[े]शक, पुर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(म्वान विभाग)

भारतीय अवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. 608 बी/ए-32013/1-निद्याक (भूविज्ञान)/81-19ए---राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (विरिष्ठ) डा. एस. सिन्हा राय जो भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बाहर प्रतिनियुक्ति पर थे, को निद्याक (भूविज्ञान) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ''अगले नीचले नियमों'' के अन्तर्गत 1500-60-1800-100-2000 रु. के वेतनमान में 4-4-81 से प्रोफार्मा पदोन्नित स्वीकार करते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 1982

सं. 656 वी-ए/32014 (9-प्स्तकाध्यक्ष/79-19ए—— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरिष्ठ सहायक पुस्तकाध्यक्ष श्री सनत कुमार चटर्जी को पुस्तकाध्यक्ष के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमान्सार 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000 द रो-40-1200 रु के वेतनमान में, तद्दर्थ आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, मूख्यालय, कलकत्ता के प्स्तकाध्यक्ष श्री के. आर. सहगल के अवकाश रिक्ति के स्थान पर आगामी आदेश होने तक 1-9-1981 में प्रांनित पर नियक्त किया जा रहा है।

पे. स्वामी नाथ महा निदोधक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 23 जनवरी, 1982

सं० सी०-5787/707—र्निम्नलिखित श्रधिकारी, जो श्रधिकारी सर्वेक्षक के पद पर पूर्णतया तदथ श्रनन्तिम श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए गए थे, श्रब उसी पद पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित श्राधार पर स्थानापन्न रूमें नियुक्त किए जाते हैं:——

| क्रम० नाम श्रौर पदनाम सं० | श्रधिसूचना की सं० श्रीर तारीख जिसके श्रन्तर्गत तदर्थ श्रनन्तिम श्राधार पर नियुक्त किए गए | यूनिट/कार्यालय जहां तैनात किए गए हैं - | पदोक्सति की तारीख |
|---|---|--|------------------------|
| सर्व श्री | | | <u></u> |
| 1. श्री शांति रंजन मुखर्जी | . दिनांक 5-7-78 की ग्रधिसूचना सं० सी०-5837/707 | सं० 76 (फोटो) पार्टी (द० पू० स०) भुवनेण्वर | 16-9-81 |
| श्री शमीन्द्र कुमार जुयाल | . दिनांक 17-8-78 की भ्रधिसूचना सं० सी०-5403/707 | सं० 25 पार्टी (पश्चिमोत्तर सर्किल) मसूरी | 15-9-81 (पूर्वाह्न) |

दंहरादान, विनांक 25 जनवरी 1982

सं. मी.-5788/718-ए--श्री प्रेमनाथ, स्थानापन्न अधी-अछ, महामर्वेक्षक कार्यालय को स्थापना एवं लेखा अधिकारी, (सा. सि. सेवा ग्रूप ''बी'') के पद पर मानचित्र प्रकाशन निदंशा-लय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, दोहराब न में 840-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के बेतनमान में दिनांक 31 दिसंबर, 1981 (अपराहन) सं, श्री मनोहर लाल, स्थापना एवं लेखा अधिकारी के सेवांकाल की समाप्ति पर सेवा निवृत्त होने पर उनके स्थान पर स्थानापन्न रूप में नियक्त किया जाता है।

> जी. सी. अपवाल बिगडियर, भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नक्ष दिल्ली-1, दिनांक 30 जनवरी 1982

मं एफ. 8-30/81-एस्ट--श्री तरलोचन सिंह, अधीक्षक को 1 फरवरी 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक श्री बी. आर. शर्मा, प्रशासन अधिकारी, जो 31-1-82 (अपराह्न) से सेवा निवृत हो रहे हैं उनके स्थान पर (बिल्कूल तदर्थ आधार पर स्थानाएन्न प्रशासन अधिकारी) ग्रुप (''बी'' राजपत्रित) निगृक्त किया जाता है। यह तदर्थ निगृक्ति निगमित निगृक्ति के लिए कोई अधिकार या दावा नहीं करने देगी और अगल उच्च ग्रेड में पदोन्नति संबंधी विष्ठता और अहीता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

उनका चेतन 920/- रुपये प्रति माह बेतनमान रह. 840-40-1000- $\frac{2}{3}$. वी. -40-1200 निध्चित किया गया है।

दिनांक 1 फरवरी 1982 .

मं. फ. 12-2/81 (ए-1)/स्थापना—स्त्री बी. एस. कालड़ा मृल हैं सियंत पर दिनांक 1-6-1980 से प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किए गए।

वह अब सेवा से निवृत्त हो गए है।

एस. ए. आई. तिरमिजी अभिलेख निद्देशक

आकाशवाणी महानिद्येशालय

नई विल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1982

मं. 10/7/81-एस-3—आकाशवाणी महानिदशक श्री यू. एस. दिववंदी को क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व) आकाशवाणी, कल-कल्ता के कार्यालय मे 3-10-81 की पूर्वीहन से सहायक इंजीनियर के पद पर अस्थायी क्षमता मे अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

एच. एन. विस्वास प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

रङ[ि] दिल्ली-1, दिनांक 29 जनवरी 1982

मं 4(24)/81-एस-।—महानिदशिक, आकाशवाणी एतव्द्वारा श्री कवल कुमार दुग्गल को 14 दिसम्बर, 1981 में अगले आवेश तक रोडियो कश्मीर, जम्मू में अस्थाई क्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के रूप में नियुक्त करते हैं।

मं. 4 (37)/81-एस-।--महानिद्देशक, आकाशवाणी एटद्द्वारा श्री पी. एन. गोठल, कार्यक्रम निष्पादक (नदर्थ) को 6 जनवरी, 1982 में अगले आदेशों तक अस्थायी क्षमता में नियमित आधार पर आकाशवाणी, रोहतक में कार्यक्रम निष्णा-वक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिद्येशक कृते महानिद्येशक

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग

विस्तार निदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जनवरी 1982

सं. 2-9/81-स्था. (1)—-श्री एन. शिवराम कृष्णन्, सहायक प्रवर्शनी अधिकारी (ग्रंड-2) को विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रालय, कृषि और सहकारिता विभाग में सहायक प्रवर्शनी अधिकारी (ग्रंड-1) समूह बी राजपत्रित (अलिपिक वर्गीय) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में काम करने हेतू पूर्णत: तदर्थ रूप में 16 नवम्बर 1981 में 28 फरवरी 1982 तक प्रोन्नत किया गया।

के. जी. कृष्णामूर्ति निद्येशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निमाण मंत्रालय विपणन एवं निरक्षिण रिदोशालय

प्रधान कार्यालय

फरीबाबाद, दिनांक 28 अनवरी 1982

मं. ए. 19027/1/81-पृ. तृ. —श्री जे. एम. बागले, फोटाग्राफर को इस निवंशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 11-1-1982 (पूर्वाह्न) में पूर्णतया तदर्थ आधार पर 6 महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न, फोटो अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं. ए. 39013/1/81-पृ. तृ.—इस निदेशालय में सहायक विपणन अधिकारी के पद से श्री बी. डी. इ.मी, सहायक विपणन अधिकारी द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र दिनांक 8-1-1982 (अपराहन) से स्वीकृत किया गया है।

बी. एल. मनिहार निदोशक प्रशासन **कृते** कृषि विषणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

केन्द्रीय सम्मिश्र भरती अनुभाग

बम्बर्ड-400085, दिनांक 16 जनवरी 1982

रां. पी ए/76(3)/80 आर ।।। (1)——नियंत्रक, भाभा परमाण अन्संधान केंद्र श्री गोविंद विष्ण् मंडिक, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्य

करने के लिए 18 नवम्बर 1981 पूर्वीह्न से अग्निम आदेशों तक इस अनुसंधान केंद्र में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> ए. शान्ताकुमारा मेनोन उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 29 जनवरी 1982

क. न. प. वि. प./प्रशा/भती / 26(1)/82/एस/ 1863—नरौरा परमाण विद्युत परियोजना के मूख्य परियोजना अभियन्ता, उत्तर रालवे, इड़ाँदा हाउस, नर्झ दिल्ली के अन्भाग अधिकारी (लेखा परीक्षा) श्री नरान्द्र कामार कर्मा की नरौरा परमाण विद्युत परियोजना में सहायक लेखा अधिकारी के प्रतिनियुवत पद पर क. 650-30-740-35-880-इ. रो.-40-960/- के बेतनमार में दिनाक 2 जूलाई, 1980 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुवित की सामान्य क्षती पर अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुवत करते हैं।

क. न. प. वि. प./प्रशा/26 (1)/82/एस/2022— नरौरा परमाणु निद्युत परियोजना, नरौरा के परियोजना निद्येक, विद्युत प्रायोजना अभियंत्रण प्रभाग स्थायी फोरमैन तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्त-वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेड एस. बी., श्री टी. सी. वी. चारी, को दिनांक नदम्बर 26, 1981 अपराहन में अग्रिम आदेशों तक के लिए नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधि-कारी/अभियन्ना ग्रेड एस. बी. के पद पर नियुक्त करते हैं।

> अ. दो. भाटिया प्रशासन अधिकारी

तारापूर परमाणु बिजलीघर महाराष्ट्र, दिनांक 29 जनवरी 1982

आदोश

मं.-टी. ए. पी. एस. \(2 \) 1535 \ 81 -- जबिक श्री पवन कामार श्रीवास्तक, दैज्ञानिक सहायक (बी) के, उन के अन्रोध पर, दिनांक 31-12-1981 के पूर्वलग्न और 3-1-1982 के परलग्न सहित 1-1-1982 में 2-1-1982 तक की छुट्टी मंजर की गई थी;

और जबकि उपराक्त श्री श्रीवास्तव ने उत्पर बताई गई छट्टी की समाप्ति पर कार्य ग्रहण नहीं किया;

और जबिक उपरोक्त श्री श्रीवास्तव को उनके अंतिम जात पते वृदारा श्री एस. एन. श्रीवास्तव, मकान नं.-269/33, विरहाना, लखनऊ, पिन 226004 पर पंजीकृत डाक प्राप्ति स्वीकृति देय द्वारा जापन भेजा जिसमों उन में कार्य पर रिपोर्ट करने को कहा गया था;

और जबकि 4-1-1982 से इस्तीफा दोने का एक तार, जो श्री श्रीवास्तव ब्वारा कानपुर से भेजा हाआ प्रतीत होता था, इस बिजलीघर में दिनांक 11-1-1982 को प्राप्त हाआ;

और जबिक उचित रूप से हस्ताक्षरित पत्र की अन्पस्थिति में इस्तीफे की प्रार्थना पर विचार किया जाना संभव नहीं था अतः।

जनके अंतिम ज्ञान पते पर रिजस्टर्झ खाक प्राप्ति रबीकृति देश त्यस्य एक पत्र दिनांक 15-1-1982 को भेजकर श्री श्रीवास्तव को स्थिति से अवगत कराया गया;

और जबिक डाक अधिकारियों द्वारा दिनांक 8-1-1982 और 15-1-1982 के पत्र इस टिप्पणी के साथ लोटा दिए गए कि पत्र पाने वाला नहीं मिल सका;

और जबकि उपरोक्त श्री श्रीवास्तद कार्य सं लगातार अन्-परिथत रहे हैं;

और जबिक उपरोक्त थी श्रीवास्तव अनिधकृत तौर पर कार्य से अनुपरिश्वत रहने और स्वेच्छा से सेवा छोड़ने के दोषी हैं;

और जबकि अधोहस्ताक्षरी को समाधान है कि नागप्र परमाण बिजनीशर को अपना अता-पता बताए बिना सेवा छोड़ दोने के कारण केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम,

कलकत्ता

1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अनुसार जांच किया जाना सभव नहीं है;

अतः अब अधोहस्ताक्षारी एतव द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवाएं (बगीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 19 (।।) के अन्तर्भत प्रदत्त शियत्तयों का प्रयोग करते हुए तास्कालिक प्रभाव से उपर्शक्त श्री श्रीवास्त्रव को सेवा से बरसास्त करते हुँ।

पी. उण्णीकृष्णन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कृते महानिदेशक नागर विमानन

प्रतिनिर्धः श्री पवन क्मार श्रीवास्तव, द्वारा श्री एस. एन. श्रीवास्तव, मकान नं. 260/33, बिरहाना लसनकः (पिन 226004)।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी, 1982

सं० ए० 32013/2/80-ईसी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी श्रधिकारियों की तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में की गई तद्दर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख में श्रागे 31-12-81 तक की श्रविध तक जारी रखने की मंजूरी दी है तथा उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है:—

| क्रम सं० | नाम | | | | वर्तमान तैनाती स्टे | गन | | जिस स्टेशन पर तैनात किया गया | कार्यभार संभालने की तारीख |
|-------------------------------|---|---------------------|-------------------|------------------------|------------------------------------|------------|----------------------|-------------------------------------|---------------------------------|
| | ार्व श्री | | | | | | <u></u> | | |
| 1. प | ो० के० के० पिल्लै | | | | वै० सं० स्टेशन, बम | बई | | | 2-5-8 |
| | म.० जी० सुदर्शन | • | - | | ना० वि० प्र० के० व | श्लाहाबाद | | | 10-4-8 |
| 3. % | गे० पी० भल्ला | | | | ना० वि० प्र० के० | इलाहाबाद | | | 3-6-8 |
| 4. जे | ० के० चोपड़ा | | • | | वै० सं० स्टेशन, पा | 1 म | | | 2-6-8 |
| 5. π <u>.</u> | म० वी० रामनन | | ٠ | ٠ | 11 | 1) | मद्रास | | 16-4-8 |
| 6. ਯ | ० राजगोपालन | | | | 1) | , , | बम्बई | | 16-4-8 |
| 7. मु | ख्तियार सिह | | | | J1 | " | .गोहाटी [.] | | 23-4-8 |
| 8. श्र | ार० रामामूर्ति | | | - | n | ,,, | पालम | · | 8-4-8 |
| 9. र्स | ी० एन० महादेव | | • | | IJ | ,, | पालम | _ | 8-4-8 |
| 10. ए | म० राधवन | , | · | | ,, | 11 | बम्बई | | 1 6- 4- 8 |
| | ० ए० 12025/ हाथों को न₁गर∜ | | | • | | 1. | 2 | 3 | 4 |
| संगठन होने तक् उन्हें उ | तिथा का नित्तर है में प्रत्येक के नाम क तकनीकी श्रिधि नके नाम के सामने | के सामने कारी के | दी गई ता पद पर | री ख नियुक्त | से श्रन्य झादेश न किया है श्रीर | 2. श्री | ् ए० वी० क्रष्णन् | . ्रे० नि० विकास एकक, सफदरजंग | 31-12-8 (पूर्वाह्म |
| ₹ : | | | | | | | | एयरपोर्ट, | |
| | नाम | , | तैनाती | | कार्याल्य | | | नई दिल्ली । | |
| क्रम | | | स्टेशन | | संभालने | | | | |
| क्रम सं० | | | | _ | की तारीख | | | | |
| | 2 | | 3 | | की तारीख 4 | | | | प्रेम चर्क |

के सामने दी गई तारीख से छः मास की श्रवधि के लिए वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनान किया है ---

| 字。 स ं 。 | नाम | | • | - | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया वैनाती स्टेणन | कार्यग्रहण करने की तारीख |
|--------------------|---------------------------|-----|---|----------|---|---|--|
| | सर्वेश्री | | | | | | ***** |
| 1. | बी० रामक्रष्णन | • | • | ٠ | मद्रास | मद्राम | 2-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 2. | दीपक पाल · | • | • | • | कलकना | कलकत्ता | 30-11-81 (पूर्वाह्न) |
| 3. | दिवेश शिश्वोग | | • | • | कलकत्ता | कलकत्ता | 14-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 4. | डी० बी० सूद | | • | | दिल्ली | दिल्ली | 30-11-81 (पूर्वाह्न) |
| 5. | बी० एस० कोचर | | • | | वाराणसी | रे० नि० ग्रौर विकास एकक, नई दिल्ली | 7-12-81 (पूर्वाह्स) |
| 6. | वी० सी० रेड डी | • | • | • | हैद्रगबाद | हैदराबाद | 28-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 7. | के० चन्द्रचड्न , | . • | • | • | रे० नि० ग्रौ र विकास एकक, न ई दिल्ली | रे० नि० <mark>ग्रौ</mark> र विकास एकक, नई दिल्ली | - 24-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 8- | सी० एल० मलिक | 1 | • | - | वम्बई | -वम्बर् <mark>ड</mark> | 28-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 9. | बी० के० डे | | • | , | रे० नि० भ्रौर विकास एकक, नई दिल्ली | रे० नि० <mark>ग्रौर</mark> विकास एकक, नई दिल्ली | 24-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 10 | के० एन० एस० मणि | • | • | | मद्रास | मद्रास | 28-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 11. | के० श्रार० रामानुजम 🏅 | • | | • | बम्बर्ड . | सम्म ई | 28-1 <i>2</i> -81 (पूर्वाह्म) |
| 12. | म्रो०पी० छाबड़ा ं | | • | - | दिल्ली | ['] विल्ली | 24-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 1 3. | वी० एस० मित्रा | • | • | | रे० निर्माण ग्रीर विकास एकक, नई दिल्ली | ्रे० नि० और विकास एकक. नई दिल्ली | 24-12-81 |
| 14. | π् म० ग्रन्टलदौस ं | • | | | आर विकास एकक, नह दिल्ला मद्रोरा | ावकास एककः नष्ठ दिल्लाः मनुर | (पूर्वाह्म) 31-12-81 . (पूर्वाह्म) |
| 15. | टी० भ्रार० शास्त्री | • | • | | वस्त्रई | वस्यई | 28-12-81 (पूर्वाह्म) |

| • | विनांक 30 जनवरी, 1 | | 1 2 | 3 | 4 |
|-----------------|--|------------------------------------|-------------------------|---------|---|
| विमानन विभाग वे | 31011/4/77 -ईसी० — के निम्नलिखित नी ग्री | धिकारियों को प्रत्येक | 3. एस० सी० गोस्वामी | 29-4-77 | महानिदेशक नागर विमानन, (मुख्यालय) |
| | ते दी गई तारीख में स्थायी रूप में नियु | | 4. स्रार०पी० भर्मा | 29-4-77 | महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) |
| ऋम नाम सं० | स्थायी रूप में | तैनाती स्टेशन | 5. एल० ग्रार० गर्ग • | 29-4-77 | केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो, नई दिल्ली |
| , | नियुक्ति की | | 6. एन० के० पुरी | 15-4-78 | वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली |
| 1 2 | ता रीख | 4 | 7. एल ० एच० खा न | 21-5-78 | वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता |
| | | | 8. एस० ग्रार० ग्रार० | | • |
| सर्वश्री | , | | राव . | 2-11-78 | वैमानिक संचार |
| 1. किशनू टेकच | न्दानी 29-4-77 | वैमानिक संचार | | • | स्टेशन, मद्रास |
| • | | स्टेशन, दिल्ली | 9. पी० के० सिंघल | 4-7-78 | वैमानिक संचार |
| 2. वी० के० काल | लरा 29-4-77 | क्षेत्रीय संचार नियंत्रक, बम्बई | | | स्टेशन, बम्बई |

मं ० ए० 32014/4/80-ई॰सी॰—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दस संचार सहायकों को प्रत्येक के नामों के सामने दी गई तारीख से भ्रौर दिए गए स्टेशन पर सहायक संचार भ्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है :——

| ऋम० नाम सं० | | | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्यग्रहण की तारीख |
|--------------------------------|---|---|----------------------------|-------------------|---------------------------------------|
| सर्वश्री | | | | | |
| 1. भ्रार० एस० भागीरथ | | | . महानिदेशक नागर विमानन | ं दिल्ली | 28-11-81 |
| 2. ए० एन० कुट्टी | | | (मुख्यालय) . श्रहमदाबाद | त्रिवेन्द्रम | (पूर्वाह्न) 19-10-81 |
| 3. वी० बी० दीक्षित | | I | . बम्बई | वस्बर्ध | (पूर्वाह्न) 30-9-81 |
| 3. 910 910 9119M | • | • | • • • • | | (पूर्वाह्म) |
| 4. जे० सी० डे० सरकार | | • | , पटना | पटना | 4-12-81 (पूर्वाह्न) |
| राम सुन्दर | • | - | . ग्वालियर | लखनऊ | 12-10-81 |
| 6. म् स ० एल० सरदाना | | | . दिल्ली | दिल्ली <u></u> | (पूर्वा ह्न) 30-9-81 |
| · | | , | ् बम्बई | बम्बई | (पूर्वाह्न) 30-9-81 |
| 7. एस० भ्रार० देणपांडे | | • | ज्ञस्य २ | | (पूर्वाह्म) |
| 8. एस० एन० लखनपाल | • | | . श्रहमदाबाद | ग्रहमदाबाद | 30-9-81 _(पूर्वाह्न) |
| 9. गज राम सिंह | | - | , दिल्ली | दिल्ली | 30-9-81 |
| 10. डी० एन० सोने | • | • | . बम्बई | बम्बई | (पूर्वाह्न) 30-9-81 (पूर्वाह्न) |

मं० ए० 32013/2/81-ई०सी०---राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छा मास की श्रवधि के लिए। तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गएस्टेशन पर तैनात किया है:--

| क्रम सं० | नाम | | | | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्यभार ग्रहण करने की नारीख |
|-------------|-----------------------------|---|---|---|----------------------------------|--------------------------------|------------------------------------|
| | सर्वश्री | | | _ | | | |
| 1. | म्रार० जी० गाँड | | • | ٠ | ना० वि० प्र० केन्द्र, इलाहाबाद | ना०वि ० प्र० केन्द्र इलाहाबाद | 9-12-8: (पूर्वाह्न) |
| 2. | ए० के० मिश्रा | • | | • | वही | वही - | 9-12-81 (पूर्वाह्न) |
| 3. | टी० एस० कृष्णामूर्ति | | • | • | वही | वही | 9-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 4. | सी० म्रार० दाम गुप्ता | | • | • | वैमानिक संचार स्टेशनर कलकला | वै० सं० स्टेशन, कलकचा | 30-11-81 (पूर्वाह्न) |
| 5. | के० डी० सृखर्जी | | • | | वै० सं० स्टेगन, ग्रगर तला | वै० सं० स्टे गन कलकत्ता | 11-12-81 (भ्रपराह्न) |
| 6. | भार० एन० बनर्जी | | | | वै० मं० स्टेशन कलकत्ता | बै० सं० स्टेशन कलकत्ता | 19-12-81 (पूर्वा ह्न) |
| 7. | बी० भ्रार० राव | • | • | · | वै० सं० स्टेगान बम्बई | वै० सं० स्टेशंन बेलगाव | 16-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 8. | टी० डी० गर्मा | | | | वै० सं० स्टेशन वाराणसी | वै० सं० स्टेशन वाराणसी | 2-1-82 (पूर्वाह्न) |
| 9. | एच० एल० भ्ररोड़ा | | | | वै० सं० स्टेशन केशोड | बै० सं० स्टेशन बम्बई | 28-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 10. | भ्रार० भ्रार० पे | | | • | वै० सं० स्टेशन मंगलूर | बै० सं० स्टेशन बंगलूर | 31-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 11. | श्रार े वी ० इसरानी | 1 | • | | वही | रे० नि० वि० एकक, नई दिल्ली | 31-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 12. | बी० एस० खुराना | | | | वै० सं० स्टेशन, दिल्ली | वै० सं० स्टेशन दिल्ली | 31-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 1 3. | जी० डी० कुलकर्णी | | | | वै० सं० स्टेशन बम्बई | वै० सं० स्टेशन भावनगर | 16-1-82 (पूर्वाह्म) |
| 14 | एम० पी० सामा | | | | ना० वि० प्र० केन्द्र, इलाहाबाद | रे० नि० वि० एकक, नई दिल्ली | 1 6- 1- 8 2 (पूर्वाञ्ज) |
| 15. | मरजीत सिंह | | | | बै० सं० स्टेशन दिल्ली | बै० सं० स्टेशन पालम | 15-1-82 (पूर्वाह्म) |
| 6. | ए० के० डे | • | | | वै० सं० स्टेशन पोर्टब्लेयर | बैं० सं० स्टेशन कलकत्ता | ्र |
| | एम० श्रप्पा राव | | | , | वै० सं० स्टेशन मद्रास | वै० सं० स्टेशन मद्रास | 15-1-82 (भ्रपराह्न) |
| 18 | ^{3.} म० एस० नेपाली | • | | ı | वै० मं० स्टेशन लीलाबाड़ी | वै० सं० स्टेशन कलकत्ता | 28-12-81 (पूर्वाह्न) |

मं ए. 32014/5/80-इंसी---इस कार्यालय की दिनांक 18 नवस्बर, 1981 की अधिसूचना संख्या ए. 32014/5/80-इंसी की फ्रम सं. 5 में ऑशिक संशोधन करते हुए मौजूदा प्रविष्टि की प्रधान पर निम्नलिस्ति पढ़ा जाए:--

| क्रम | सं . | नाम | ती | नाती स्टोशन | Γ |
|------|----------------|-----------|-----------|-------------|-------|
| 5. 8 | भी सूरिन्दरजीत | सिंह वैमा | निक संचार | स्टेशन, | पालम् |

प्रेम चन्द सहायक निद्येशक (प्रशासन)

नर्झ दिल्ली, विनांक 21 जनवरी 1982

सं. ए. 38013/1/ई. ए.—अंत्रीय • निद्येषक, मद्रास के कार्यालय के श्री के. पी. बी. मेनन, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधि-कारी ने निवर्तन आयू प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर विनांक 31-12-1981 से अपने पद का कार्य-भार त्याग दिया है।

दिनांक 25 जनवरी 1982

मं. ए. 31013/6/80-क्री.-।—-राष्ट्रपति ने श्री एस. वेंकास्वामी को दिनांक 24-11-1980 से निदाशक उपस्कर के पद पर स्थायी रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. ए. 38013/1/81-ई. ए.—क्षेत्रीय निवंशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री ए. डी. मिलक, दिल्ली निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी मेवा से निवृत होंने पर दिनांक 31-12-81 से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

स्थाकर गुप्ता उपनिविशक प्रशासन

सं. ए. 32014/1/80-कं. एस.—महानिद्शेक नागर विमानन ने श्री जोजेफ गुरंग को दिनांक 8 जनवरी, 1982 पूर्वाह्न से छः मास की अविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरें जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, क्षेत्रीय निद्शेक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्टी, मद्रास के कार्यालय में भण्डार अधिकारी (समूह ''ल'' पव) के पद एर तद्दर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं . ए. 32014/2/81-ईं. एस. ——श्री शेर सिंह, प्रशा-मनिक अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी संवा से निवृत होने पर दिनांक 31-12-81 (अपरा≢न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> जे .सी. गर्ग सहायक निद्देशक प्रशासन

व्न अन्संधान संस्थान एवं महाविद्यालय

दहरादृत, दिनांक 30 जनवरी 1982

मं. 15/262/77-स्थापना-।—तीन दिन का अर्जित अव-काश 4-5-81 में 6-5-81 तक स्वीकृत होने के पश्चात्, अध्यक्ष. वन अनुसंधान मंस्थान एवं महाविद्यालय, वहरादून ने, श्री आर. वी. प्रसाद, प्रन्तकाध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान, दाहरादान का दिया हुआ त्यागपत्र दिनांक 6-5-81 के अपराहन से स्वीकृत किया है।

आंकार नाथ कौत कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा श्ल्क समाहर्त्तातय

भ्वनेष्ट्र, दिनांक 20 जनवरी 1982

पत्रा. सं. 1-82—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पादन सीमा घूल्क के समाहर्त्तालय कटक प्रमंडल में स्थापित हुए श्री शंस मनवर अली, अधीक्षक, दिनांक 31 दिसम्बर, 1981 दोपहर को इस विभाग में अवसर लिये।

पत्रा. सं. 2⁷82—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शूल्क के समाहर्ता राउरकेला प्रमंडल में स्थापित हुए श्री राजिकशोर सत्पति अधीक्षक दिनांक 31 जन-वरी, 1982, को दोपहर को इस विभाग में अवसर लेगे।

> एसः दास सहायक समाहर्ता (मुख्याः)

बम्बई-400 020, दिनांक 1 फरवरी 1982

फा० सं० 11/3ई (ए) 2/77—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने प्रोन्नित पर श्रपने नामों के ग्रागे दर्शायी गई तारीख से बम्बई केन्द्रीय उत्पादन णुल्क समाहर्तालय-1 में केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के स्थानापन्न अधीक्षक वर्ग "ख" के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है:——

| (लप | 6 | | | |
|-----------|----------------------------|---|---|-----------------------------------|
| ऋम सं० | नाम . | | | कार्यभार ग्रहण करने की तिथि |
| 1 | 2 | | | 3 |
| 1. | श्री जी०ग्रार० शर्मा | F | • | 30-11-81 (पूर्वाह्म) |
| 2. | श्री एन० पी० प्रभ | | • | 21-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 3. | श्री एम० जी० मूलचन्दानी | | • | 2 1-1 2-8 1 (भ्रपराह्न) |
| 4. | श्री टी० एम० सहस्त्रबुद्धे | | • | 23-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 5. | श्री ग्रार० बी० पोतदार | | ٠ | 2 4~ 1 2- 8 1 (श्रपराह्म) |
| 6. | श्री एस० एम० बरगे | - | • | 30-12-81 (श्रपराह्म |
| 7. | श्री एस० एस० मोडक | • | • | 31-12- - (पूर्व') |
| 8. | श्री जी० ए० शनभाग | • | ٠ | 3181 (41) |

| 1 2 | | 3 |
|------------------------|---|---------------------------|
| 9. श्री पी० एस० पाटिल | | . 31-12-81 (पूर्वाह्म) |
| 10. श्रीजी० वी० मोयड़े | • | . 31-12-81 (पूर्वाह्न) |

फा. सं. 11/3 हैं (ए) 2/77-8ी जी. ही. अठलेकर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक समूह ''स्व'', केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्सालय बम्बर्ह-। अधिवार्षिकी पर दिनांक 31-12-1981 (अप.) को सेवा निवृत्त हो गये हैं।

फा. सं. 11/3ई (ए) 2/77 पार्ट-1—-श्री ए. एस. सीतलानी नं, जो सर्वधा तदर्थ आधार पर वेसनमान 650-30-740-35-810-दं रो. -35-880-40-1200 पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी के रूप म नियुक्त थे, अब नियमित आधार पर नियुक्त होने पर दिनांक 20-7-81 पूर्वी. में अपने पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

कर् श्री दिलीपसिंहजी समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बर्झ-।

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदंशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नर्ह दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. 21/81 (सी, सं. 1041/65/81)—श्री महर कुमार ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क बार्ड नियी दिल्ली में अवर सिजव के पद पर कार्यरत थं, राजस्व विभाग के दिनांक 28-10-81 के आदिश सं. 206/81 (फा.सं.ए-22012/81-प्रशा. ।।) द्वारा, स्थानांतरित होने पर निरीक्षण प्रीक्षा निवेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली में सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और स्वर्ण नियंत्रण के अपीलीय न्यायाधिक रण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ में विनांक 11-12-81 (पूर्वाह्न) से, किन्छ दिमागीय प्रतिनिधि, ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभात लिया।

एस बी सरकार निरीक्षण निर्देशक

संगठन एवं प्रबन्ध संवाएं निद्येशालय नर्द विल्ली, विनांक जनवरी 1982

का सं 532/1/82-सं एवं प्र सं नि ——श्री वेब प्रकाश मकाल, कार्यालय अधीक्षक, निरक्षिण एवं लेखा परीक्षा निवधालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शूल्क ने संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निवधालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निद्धाक के पद का कार्य भार दिनांक 21 जनवरी, 1982 से संभान लिया है।

के. जं रामन् निविशक, सं एवं प्र. सं नि .

केन्द्रीय लांक निर्माण विभाग

निर्माण महानिद्येशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जनवरी 1982

- सं. 30/6/79-ई सी. 9--राष्ट्रपित सहर्ष संघ लांक मेवा आयांग की एक नामित श्रीमती मंजू सुहास की नियुक्ति वास्तुविद् के अस्थायी पद पर कं. लो. नि. विभाग में रुपये 1100/-प्रतिमाह वेतन पर रुपये 1100-50-1600 के वेतनमान मे (सामान्य भत्तों महित) दिनांक 22-12-81 (पूर्वाह्न) से सामान्य नियम एवम् शतीं पर करते हैं।
- 2. श्रीमती मंजू सुक्षास को दिनांक 22-12-81 (पूर्वा.) सं 2 वर्ष की अविधि के लिए परीवीक्षा पर रखा गया है।

श्रीमती नीना गर्ग प्रशासन उपनिद्रशक

कॅन्द्रीय विव्युत् प्राधिक रण

नर्इ दिल्ली-110066, दिनांक 15 जनवरी 1982

मं 22/4/81-प्रशासन-। (बी)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकारण एतद्द्वारा निम्निलिमित तकनीकी महायकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेश्यक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में प्रत्येक के सामने लिखी तारील में केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकारण में आगामी आदेश होने तक स्थाना-पन्न क्षमता में नियुक्त करने हैं:—

नाम

कार्यभार सम्भालने की तारीख

1. श्री अशोक राय

26-10-1981 (पूर्वाह्न)

श्री दी. रंगताजुलु

26-11-1981 (अपराहन)

सन्सोष विश्वास अवर सचिव

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और शिव खण्डसारी उद्योग प्राह्मवेट लिमिटोड को विषय में।

पटना, दिनांक 25 जनवरी 1982

सं. (836) पी एस/560/81-82/91—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण मं एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर शिव खण्डसारी उच्चांग प्राइवेट निमिटेंड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजर्स्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विष्टित कर दी जाएगी।

कस्पनी अधिनियम 1956 और शीनापूर कोल्ड स्टोरोज प्राइवेट लिमिटोड के विषय मीं।

पटना, दिनांक 25 जनवरी 1982

मं. (618) पी एस/560/81-82/98—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीस से तीन भास के अवसान पर डीनाप्र कोल्ड स्टारेज प्राह्वेट लिसिटेंड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रिजिस्टर में काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कस्पनी अधिनियम 1956 और पटना टाइसस पब्लिक्शन प्राइवेट लिमिटांड के विषय मी।

पटना, दिनांक 25 जनवरी 1982

मं. (725) पी एस/560/81-82/99—कम्पनी अधिनियन 1956 की थारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसान पर पटना टाइमस पिब्लकेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

ए. वहाब अन्सारी कम्पनी निबंधक, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और नागार्जुन होस्चरीस प्राह्मवेट निमिटोड को विषय में

हैदराबाद, दिनांक 20 जनवरी 1982

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अंतर्गत उच्च न्यायालय आन्ध्र प्रदेश, हौदराबाद के वर्ष 1977 के कम्पनी पैरीमन कमांक 6 के मामले में 3 अप्रैल, 1981 की नागाजुनि होस्चेंगीस आ. लि. के परिसमापन का आदेश दिया गया।

> वी. एस. राज् कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्रप्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स आनंद प्रोसंसर्स अन्ड स्कृति प्रिन्टर्स प्राहविट लिमिटोड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 27 जनवरी 1982

मं 560/1721—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मंसर्म आनन्द प्रोसंसर्म एन्ड स्क्रीन प्रिन्टर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियस, 1956 और मेसर्स घेन्गार्ड बेनीफीट प्राईविट लिमिटोंड के विषय में।

अहमदाबाद, विनांक 27 जनवरी 1982

सं. 560/1775—कम्पनी अधिनियस, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण मे एतब्द्वारा यह सूचना दी जानी हैं कि, इस नारीय में तीन मास के अवसान

पर मेसर्स वेन्गार्ड बेनीफीट प्राईवंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मंसर्स कौश इनवस्टमंन्ट प्राइवेट लिमिटोड को विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 27 जनवरी 1982

सं. 560/2181—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स कैश इनवेस्टमेल्ट प्राई वेट लिसि-टेड का नाम आज रिजस्टर सं काट दिया गया है और उक्त कंपनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स गुजरात फाइबर ग्लास मैन्युफीक्चरिय कम्पनी प्राईवेट लिमिटोड के विषय मीं।

अहमदाबाद, दिनांक 27 जन्वरी 1982

गं. 560/2716—कम्पनी अधिनिय्म, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स गुजरात फाइबर ग्लाम मेन्यु-फैक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिस्टिंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

व्हि. वाय. राणे प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और परम कौम्मी स्टील प्राह बेंट लिमिटोड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 22 जनवरी 1982

मं जी/स्टेंट/560/3565/8875—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर परम कम्मी स्टील प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जिंदल ड्रग्स एण्ड कौमिकल्स प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

जालन्थर, दिनांक 22 जनवरी 1982

सं जी/स्टंट/560/3659/8878——कम्पनी अभिनियम, 1956 के भारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती हैं कि जिंदल ड्राम एण्ड कीमिकल्स प्राईवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शक्तिमैन फिल्मज (पंजाब) प्राइ वट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 22 जनवरी 1982

सं. जी/स्टॉट/560/3688/8880—कामनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-

द्वारा मूचना दी जातो है कि शक्तिक्षैत फिल्मज (पंजाब) प्राइनि वेट लिमिटोड का नाम आज र्राजस्टर से छाट दिया गया है और उक्त काम्पनी विविद्यातम हो भई है।

काम्पनी अधिरिधः, 1956 और तहारा माशन पिक्चर निमिटांड को विषय मां।

जालन्धर, दिनांक 22 जनवरी 1982

मं. जी/स्टंट/560/2936/8882---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्र्वारा यह सुकता दि कि है कि इस नारीख से तीन मास के अध्यान पर बहारा मांशन दिक्चर लिमिटोड का नाम, इसके प्रति-कृत कारण दोर्घात प्रधारा ग्या का र्राजन्य से काट दिया जाएगा और उपक विघटित हार दी जाएगी।

एकं. एनं. मौतिक कस्पनी र्राजस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदोश एवं चण्डीगत

काम्पनी अधिनियम, 1956 और जथपुर टी काम्पनी लिमिटोड के विषय मो।

> जयपुर, दिनांक । फरावरी 1982 आदोश

विज्ञाप्ति संख्या टा/214--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (6) के अनुसरण में यह सूचना दी जाती

है कि जयपुर हो काम्पनी लिफिटिड का नास माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर के आदाश दिनांक 8-12-1981 के अनु-सार रिजस्टर में प्रत्यावितित कार दिया गया है। अब उक्त काम्पनी कार्यरह काम्पनी के रूप में जानी जाएं।

> ्राप्तः पी. द्रिक्षित कम्पनियों का रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

क स्पनी औं धरियम्, 1956 और रोजिना चिट फोड एण्ड फाईनिंस पार्डियेट लिभिटोंड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 1 फरवरी 1982

स. 76/560(3)—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एत्द्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीक्ष से तीन माह के अवसान पर रंजिना चिट पण्ड एण्ड फाईनांस प्राईविट लिमिटांड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कार दी जाएगी।

बी. कोटेस्थर राव कम्पनियों का रजिस्ट्रार, पांडिचेरी प्ररूप आहे. टी. एन्. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं० स्नार० ए० मी० 73/81/82/काकी नाडा स्काड—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर नं० 2655 है, जो मधुरवाडा गांव में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1982

को पूर्वोक्त संमित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियमुक अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बुबने में सुनिधा के लिए। बार/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै मुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती के० सन्यासम्मा पत्नी वी० स्वामी नायडु बेमुला-वल स वेल्लंकी, पोस्ट भी मुनीपटनम प लुक।
 (अन्तरक)
- 2. श्री कृष्णा को० श्रापरेटीय हाउस बिल्डंग सोसाइटी लि० बी० 1624, मधुरानगर, विशाखापटनम-530016।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

संपत्ति बंजर भूमि 3.37 एकड़, वेमुलवलसा गांव, टी० डी० नं० 2655 सर्वे नं० 329 र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3154/81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, विशाखापटनम।

> एस० गोन्त्रिद राजन सक्षम प्राधिट^{री} सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्^{त्र्ण्}) श्रर्जन रेंज, हैदरा^{दि ।}

तारीख: 7-1-1982

प्रकथ ग्राई• टी० एनं• एस•⊸

ब्रायकर अमिनिगम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ब(1) के ब्र**धीन सूचना**

भारत अरकार

कार्यालय महायक आयक र आयक्क (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1982

मं० भ्रार० ए० सी० 74/81/82 काकीनाडा स्काड; --यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 131/3 है, जो रामवारूपाडुगांव, विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1981

को प्रवेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम छरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर मिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

्त:, आर, उस्त प्रवितिशन, हा बारा 269-ग के अनुसरण में, भे उस्त अवितिशम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अध्न, निम्नलिखिन क्यस्नियों, अर्थात् :—

- श्रीमती एम० युक्यालक्ष्मी पत्नी रामकृष्णा राव हैदराबाद ।
- (2) श्रीमती जी० पर्वतवश्वमी पत्नी मृन्दर शर्मा हैदराबाद
- (3) श्रीमती कृष्णाकृमारी पत्नी काम्स्वरा राव, तंगलौर । (अन्तरक
- (1) श्री एन० गोपालक्वष्णस्या पुत्र श्री एन० रामब्रह्म काटर गांव, जिला कृष्णा ।
- (2) श्री एन० रामा मोहना राव पुत्र श्री एन० लक्ष्मय्या जुवलापालम, रेपाले तालुक, जिला गुंटुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षोप।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताझरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अधे होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपति स्रार० एस० न० 131/3 विस्तीर्ण 0.70 सेंट्स, रामावरपाडु गांत्र, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4015/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, विजयवाड़ाः।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नारीख: 7-1-1982

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1982

सं० श्रार० ए० सी० नं० 75/81-82 काकीनाड़ा स्काड—यतः मुझे, एस० गोविन्दराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 152/2 है, जो कनुरु गांव, विजयवाड़ा तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981 को यूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन शिमनिलिक स्युक्तियों भर्षात्:--

- 1. (।) श्रीके गुरु प्रसाप पूज श्री भस्कर राज
- (2) श्रीमती जी० अवायनी पत्नी पार्थमारथी
- (3) कु० के० लक्ष्मी पूजी भास्कर राव, सभी कनूर गाव, विजयवाड़ा तालुक के रहीवासी हैं।

(अन्सरक)

2. श्री के० भास्कर राव पुत्र नागेश्वरा राव श्रध्यक्ष श्री बी० कन्यका परमेण्यरी को० ग्रापरेटीव बिल्डींग सोमायटी लि० नं० 2557, पाटमाटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित, में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 0.95 सेंट्स आर० एस० प्रं० 152/2, कनुरू गांव, विजयवाड़ा नालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5568/81 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, विजयवाडा।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रजन रेंज, हैदराक

ता**रीख** : 7-1-1982

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ***

आयकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के श्रजीत पूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी, 1982

सं० ग्रार० ए० सी॰ नं० 76/81-82/काकीनाड़ा स्काड—
यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन
वामकर ग्राविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त ग्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० मे
ग्राविक है
ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 152/2 है, जो कनुरू गांव,
विजयवाड़ा तालुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची
में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्रा ग्राधिकारी के
कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रावीन तारीख मई 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य में कम

कं। पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्मापृष्ठोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रिक हम से का से का स्वार्थ के से का स्वार्थ के स्वार्थ में वास्त्रिक हम से का स्वार्थ नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के ग्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रस्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिष्ठित्यम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3—466 G I/81

- 1. (1) श्री के॰ गुरु प्रसाद पुत्र मास्कर राव
 - (2) श्रीमती जी० उत्पारानी पत्नी पार्यसारयी
 - (3) कु० के० लक्ष्मी पुत्ती भास्कर राव, सभी कम्र गांव, विजयवाड़ा तालुक के निवासी हैं। (अन्तरक)
- 2 श्री के० भास्कर राव पुत्र नागेश्वरा राव श्रध्यक्षश्री वी० कन्यका परमेश्वरी को० ग्रापरेटीव विल्डीग सोसायटी लि० नं० 2557, पाटमाटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँका सम्पत्ति के श्रर्वन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सन्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अबोक्स्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शक्तें भीर पर्दी का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रक्ष्याय 20-क में यथा परिणाणित हैं, वहीं श्रूषे होगा, जो उस श्रक्षाय में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि विस्तीर्ण 1.00 एकड़ सर्वे नं० 152/2, कमुरू गांव, विजयवाड़ा तालुक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4295/81 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, विजयवाड़ा ।

्म०गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी स**हायक जायकर जायकः (निरक्षिण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

. तारीख: 7-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 7 जनवरी 1982

सं० श्रार० ए० सी०नं० 77/81-82/काकीनाढा स्काड— यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन अरायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर. सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रं∙ से बाधिक है **भौ**र जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 152/2 है, जो कनुर गांव, विजयवाड़ा तालुक में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1981 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य सेकम के दुश्यगान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह बियवास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) 🛊 बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिकित बहेर्य से एक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप के कवित नहीं फिल्लाभका ≗ ल⊸

> ग्रम्तरण से हुई किसी धाय की बायत एक्ट धिक नियम के भ्रधीन कर बेने के भ्रन्तरक के बायस्व में कमी करने या उसमे बचने में युविधा के लिए; भौर/या

> ृकिसी ग्राय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री के० गुरुप्रसाद पुत्र भास्कर राव
 - (2) श्रीमती जी० ऊषारानी पत्नी पार्यसारणी
 - (3) कु०के० लक्ष्मी पुत्री भास्कर राव, सभी करु गांव, विजयवादा तालुक के निवासी हैं।

(अन्तरक)

2. श्री के० भास्कर राव पुत्र नागेश्वरा राव ग्रध्यक्ष श्री वी० कन्यका परमेस्वरी को० ग्रापरेटीव बिल्डींग सोसायटी लि० नं० 2557, पाटमाटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामी स से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 1.00 एकड़ कनुरु गांव, विजयवाड़ा सासुक, राजिस्ट्रीककृत विलेख नं० 4157/81 राजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, विजयवाड़ा (भूमि का सर्वे नं० 152/2)।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच: 7-1-1982

प्रकप बाई • ठी • एन • एस •—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं० ग्रार० ए० सी० नं० 78/81-82 काकीनाड़ा स्काड— यतः मुझे एस० गोविन्द राजन भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रार एस नं 152/2 है, जो कनुरु गांव विजयवाड़ा तालूक में स्थित है (श्रौर इससे उपाव अनुसूचटी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के शिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण किखित में वास्तिक कप से कियत नहीं
किया गया है।——

- (क) अभ्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उनत अफ़िनियम के बबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचन में सुविधा के निए; धीर/या
- (ख) ऐसी किनी अभ्य या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष बग्दरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना काहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण् मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित उपक्रित्यों, अधीत् ह—

- 1. (1) श्री के० गुरु प्रसाद पुत्र भास्करराव।
 - (2) श्रीमती जी० ऊषारानी परनी पार्थसारथी।
 - (3) कु० के० लक्ष्मी पुत्री भास्कर राव, सभी कनूरुगांव, विजयवाड़ा तालुक के निवासी हैं। (अन्तरक)
- श्री के० भास्कर राव पुत्र नागेश्वरा राव अध्यक्ष श्री वी० कन्यका परमेश्वरी को० आपरेटीक्ह बिल्डींग सोसाइटी लि० नं० 2557 पाटमाटा। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 1 - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पडटी करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

असमची

भूमि विस्तीर्ण 1.00 एकड़ सर्वे नं० 152/2, कनुरु गांव, विजयवाड़ा तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4094/81 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी विजयवाड़ा।

एस० गोविन्स राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-1-1982

मोहर 🖯

प्ररूप बाईं.टी.एन्.एस .-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1360/एक्बी/23-II/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 487 है तथा जो प्रीतम सोसायटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज्ञ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रांच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के शिष्ट; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नौलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री शान्तिलाल नन्दलाल भाव। 10-बी, श्रमबावाड़ी एपार्टमन्ट 1; श्रमबावाड़ी सर्कल,1, श्रहमदाबाद-6। (श्रन्तरक)
- श्रीमती रनजनबेन तुलजाझान्कर त्रिवेदी। 48 प्रीतम सोसायटी 1, दांच।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

मिलकत जो प्रीतम सोसायटी—स्लाट नं० 48 यथा विदी मई, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-1-1982

माहर:

प्ररूप आइ². टी. एन्. एस . -----

मायकः प्रभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) प्रजीन रेंज II, प्रहमदाबाद

भ्रष्टुमदाबाव, दिनांक 2 जनवरी, 1982

सं० पी० आर० नं० 1361/एक्बी, 23-11 81-82— अत: मुझे जी० सी० गर्गे आयकर प्रिवित्तयम, 1861 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० नं० 339-भ्रार०, वार्ड नं० 10 है। तथा जो भाग तलाव, सुण में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भौरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, अकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

श्रक्षः ग्रम्म, उक्त प्रक्षितियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः—

- 1. श्री रजाबाली भासलथाई माम्प्राघाला 1, 10/339-ए, मासजिद गली 1, भागा तलाब 1, सुरत। (श्रन्तरक)
- (1) लाखाणी श्रबदुलमजीद श्रबदुलकादर 1,
 (2) श्री लाखाणी मोहमद ईकबाल श्रब्दुलकादर 1,
 रानदेर 1, सुरत।
 (श्रम्तरिती)

को यह सूबता जारो करके पूर्वीक्त सम्पति के <mark>प्रजंत</mark> के लि<mark>ए कार्यवाहियां करता हूँ</mark>।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त उपिकतियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गर्ड्यों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रीधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिकाणित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

नगुज्यो

मिलकत जो नोट नं० 339-ए, वार्ड नं० 10, सूरत यथाविधी में, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी र।

> जी० सी० गर्ग सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-1-1981

मोहर 🛭

प्रारूप आर्च. टी. एन. एस. ----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1982

सं० पी० श्रार० 1362/एक्बी-23- /81-82—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग अग्रयं अग्रयं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० नं० 41/8 पैकी है। तथा जो उम्रा में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यणान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है!—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण मैं, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के ब्रुपीन, निम्निवृद्धित म्युजित्यों, नुश्तिकः— 1. श्री सानजु नुमार ठाकोर भाई नायिक 1, कादम पाली सोसायटी 1, स्रत।

(अन्सरक)

2. जयबन्तीबेन जोरमल भाई मेहता 1, प्रजय जोरमल भाई मेहता महावीर एपार्टमेन्ट नानपुरा सुरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के अम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण: - इसमें प्रयुवन शक्वों श्रीर पदों का, जो उक्त आंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उम्मा एस० नं० 41/8 (पैकी) यथाविधि मई 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयुक्त (निरीक्षण्)** अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-1--1982

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रशितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-थ (1) के ग्रेशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1982

सं० पी० ग्रार० नं० 1363/एक्वी/23-II/81-82---म्रत: मुझे जी० सी० गर्ग **प्रायकर प्रधिनियम, 19**61 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000√- खपेसे प्रजित है भ्रौर जिसकी सं० नं० 90, एस० नं० 92-1 है। तथा जो उधाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्तिको उवित बाजार मूल्य से कम के **पृथ्यमान** प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गंदी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त समात्ति का रुचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भार अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

उद्देश्य से उनत प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:----

(व) ऐसी किसी श्राय या विश्वसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या श्रानकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ प्रकारिती कारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए धा छिपाने में स्विधा ने लिए;

अत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री बुधीया भाई काली भाई खुद ग्रौर कुलमुकतथार:—— बाबुभाई काली भाई 1, नालु भाई काली भाई 1। सका भौई काली भाई 1।
साराबेन काली भाई 1।
काशीबेन काली भाई 1।
नानीबेन काली भाई 1।
उधना भाई के पीछे।
सेधना 1, सुरत।

(अन्स्रक)

2. ग्राध्यक्ष भीर सचिव, बुध को० भ्रो० है० सो० लिमिटेड।
(1) बुधोया भाई काली भाई चौधरी 1। रेलवे
यार्ड के पीछे। उधाना।

(2) ईपवरीलाल भाई पटेल। डेलही गेट 1, दानगी डोरी। सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृत्रों कत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्ति में सकिसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, बढ़ी भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अंत्रस ची

मिलकत जो उधना—काम नं० 90 श्रौर 92-1 (पैकी), यथाविधी मई, 1981 में राजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिका ∷, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 2-1-1982

प्रकथ जाइ. टी. एन. एस.-----

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी, 1982

निद्यम सं० पी० म्रार० नं० 1360/एक्की/23-II/81-82---म्रतः सुक्षे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० नं० 665/1 है। तथा जो ईछापोर 1, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रृतुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः अत, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः-- श्री प्रणलाल रनछोड़जी पटेल । धन्द्रोली, त० चौरयासी 1, सुरत ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री बेंचु भाई उर्फ ध्रमबु भाई बाबाजी भाई पटेल। बानसावा, त०—बोरयासी।
 - (2) श्री मानचा भाई काली दास पटेल। दायका त० चोरयासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- धब्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदां का, जो उक्त जिम्मियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

मिलकत जो एस० नं० 665/1, ईछापुर, यथाविधी में, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्र<mark>्णंन रेंज</mark>-II श्रहमबाबाद

तारी**ख**: 2-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 जनवरी 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1365/एक्बी/23-T1/81-82---श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पैरुजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 2, नोध नं० 4592 है तथा जो साग्रामपुरा, मैन रोड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से किथत नहीं जिल्ला गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती उमीयाबेन, विधवा भगवानदास करसनदास ।
 श्री नटबरलाल भगवानदास, अंगोक कुमार भगवान दास, साग्रामपुरा मैन रोड़ 1, सुरत ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री जगदीण चन्द्र हरीलाल स्वामी, चोगन महोलो, माग्रामपुरा, सुरत ।
 - (2) श्री प्रवीणचन्द्रा हरीलाल १स्थामी, पुनमनगर, भातर जाकन नाका, सूरत।
 - (3) श्री चन्द्र शन्त हरीलाल स्वामी. चोगन महोलो । साग्रामपुरा सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्जा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामिल से 30 दिन की अन्निथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

मिलकत जो नोध नं० 4592, वार्ड नं० 2, साग्रामपुरा, में, 1981 में राजस्ट्री की गई है।

> जी . सी . गर्प सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। , ब्रह्मदाबाद

तारोख: 2-1-82

प्ररूप आहु . ट्री. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृष्टना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांभ 2 जनवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।,, की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० नोध नं० 4050, वार्ड नं० 2, है । तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक एप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-- नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थान:——

1. श्री मनसूखलाल दयाभाई 4/4080, जानपा बाजार मैन रोड, भूरत।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री उमेशचन्द्रा छबीलदास केरीवाला
 - (2) श्री दिलीप कुमार छबीलदाम केरीवाला।
 - (3) श्री सुबोध कुमार छबीलवास केरीवाला ।
 - (4) श्री प्रकाश चन्द्रा छबीलदास केरीवाला। सामपा बाजार, मैन रोड । सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोध नं० 4080, वार्ड नं० 4 (के भाग) सूरत, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजिं-।।, अहमदाबाद

तारीख: 28-12-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं० पी० ग्रार० नं० 1367/एक्वी/23-II/81-82— श्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव नंव 211 (पैकी) प्लाट नंव 12, है तथा जो उधना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, उधना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रन्देश प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किए निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात:——

- श्री मोहमद हासम सेख ग्रमरतनगर, उधना, सूरत।
 (अन्तरक)
- 2. सर्वश्री ईसभाइल ग्रहमद मुल्ला।

 मोहमद मोलवी मोहमद सर्यंद श्रीर हाजी युसुफ ईसमाइल वैद—

 कुलमुकतवार:

 मुलेमान ईक्राहीम दीनवार,
 ईसोप ईक्राहीम दीनवार,
 मोहमद उमार ईक्राहीम दीनवार,
 मोहमद इसमाइल दीनवार,
 श्रहमद ईक्राहीम दीनदार,
 श्रहमद ईक्राहीम दीनदार,
 श्रहमद ईक्राहीम दीनदार,
 श्रहमद ईक्राहीम दीनदार,
 श्रहमद ईक्राहीम दीनदार, मोहमद मुसा इन्नाहिम दीनदार और मोहमद हुसैन इक्राहिम दिनपार रानक्केर सूरत।

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो कम सं० 211 (पैकी) प्लाट 12, उधना यथाविधी मर्घ, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

नारीख: 4-1-1982

मोहरु 🛭

प्ररूप माई•टी•एन•एस•--

आयकर निवित्तम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के प्रजीत सुनता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज1-1, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं० पी० ग्रार० नं० 1368/एक्वी-23-II/81-82-प्रतः, मुझे, जी० सी० गर्ग, आयकर ग्रिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास

करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व• से यधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 2288/5 है तथा जो 37-जी फार्म में जैसे वर्णित किया गया है उसमें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उथित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक
(अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे
ग्रासरण के लिए तय पामा वया प्रतिकल, निम्नलिखिन
उद्देग्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित
नहीं किया वया है । । ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनियम, 'या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

स्व, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री दीपकंकुमार उर्फ दीपक भाई दुर्लभभाई, गायती जुहु स्कीम, रोड नं० 5, बम्बई।

(अन्तरक)

- 2. श्री प्रमोटर, श्रामीमल श्रापार्टमेंट को-स्रोप-हाऊमिंग सोसाईटी,
 - (1) श्री सुरेन्द्रा शान्तिलाल सेठ, कापडीया प्लेट्स, ंउम्रा जाकट नाका, सूरत।
 - (2) दीपक कान्तीलाल शाह, हरीपुरा, मेन रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्रति हे अर्जेर ह पंजंब में कोई भी आजेप ।--

- (क) इन पूजना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्वावर सम्मित्त में दितवद किसी पम्प स्पक्ति द्वारा, समोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वय्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के ध्रम्याय 20-क में परिकाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची '

मिलकत जो एस० नं० 2288/5, 37-जी फार्म में जैसे वर्णित किया गया है मई 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रज-११, अहमबाबाद

तारीख: 4-1-1982

भोहर:

प्रकप भाई वी एन एस -----

श्रायक्षर भ्रष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
.. श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1369/एक्डी०/23-II/81-82----श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

म्रायकर म्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोद नं० 3713, वार्ड नं० 7, रामपुरा है तथा जो मेन रोड, सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16 के ग्रधीन मई 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है घोर श्रन्तरित (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं शुष्क किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा का लिए; और्या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री मीताराम, उर्फ मगनलाल खुशाल दास, वाराछाशेरी, स्गनाथपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

- (2) सर्व श्री (1) शंकर भाई खुशाल भाई देसाई, 75, हंस सोसाईटी, वाराष्ठा रोड, सूरत।
 - (2) कन्ह्रैयालाल नारायणभाई देसाई, 75 हंस सोसाईटी, वाराछा रोड, सूरत ।
 - (3) भरतकुमार रनळाड्याम देसाई, 75, हंस सोसाईटा, वाराछा रोड्, सूरत
 - (4) नवीनचन्द्र नारायणदास, देसाई 75 हंस सोसाईटी, वाराछा रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हुमेगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूखी

मिलकस जो नोद नं० 3713, वार्ड नं० 7, रामपुरा, मेन रोड, सूरत, यथाविधि मई 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिका सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष श्रर्जन रोज-II, श्रहमदाबा

तारीख: 4-1-1982

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाट

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 1370/एकवी/23–H/81–82–- श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० नं० 70, प्लाट नं० 117, सी० एस० नं० 2 है तथा जो नवागाम, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1981

को। पूर्विकत संपत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रितिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्रीम, निम्निसित् स्पन्तियों, क्यूनि :--

(1) श्री बचु भाई मगनलाल जारीवाला, श्रीमती निरमलाबेन बचु भाई जारीवाला, श्री जगदीस ,, ,, ,, श्री अशोक ,, ,, ,, 8/1914, गोपीपुरा, दाउदजी, स्ट्रीट, सूरत।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती भानुमतीबेन केशवलाल,
 - (2) श्री कोरोतकुमार चन्द्रलाल कानगरीबाला,
 - (3) श्रीमती प्रभावती बेन चिमन लाल बेगमपुरा, हाथी कालिया, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिलकत जो एस० नं० 70, प्लाट नं० 117, सी० एस० नं० 2, नवागाम, यथाविधि, मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-1-1982

मोहर 🔡

प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० अ।र० नं० 1 37 ।/एकवी०/2 3-II/81-82-ऋतं मुझे जी० सी० गर्ग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० नोद नं० 4491, वार्ड नं० 4, शिवदास है तथा जो जावेरी शेरी, सूरत में स्थित है (ग्रौर इसमें जपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविह कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मृस्तरण से हुई किसी माप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ट अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिथा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- ्(1) श्रीमती जान्ताबेन ईणकरलाल देसाई, हमन्त, ईणवरलाल देसाई, जियदास जात्रेरी जेरी, सागरामपुरा, सूरत

(ग्रन्तरक)

- (2) सब श्री (1) बाल्भाई छोटाभाई पटेल.
 - (2) प्रजीणचन्द्रा बाल्भाई पटेल,
 - (3) हरेशकुभार बालुभाई पटेल,
 - (4) बिपिन चन्द्रा बालुभाई पटेल, रामपुरा, मेन रोड, सुरत ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मित्ति में नर्जन के बम्बरभ में कोई भी बाक्सक्त--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ! — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

मिलकत जो नोद नं० 4491, बाई नं० 4 शिवदास जावेरी शोरा,साग्रामपुरा, सुरत यथाविधि में,1981 मई रिजस्टी की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, ब्रहमदावाद

तारीख: 4-1-1982

से अधिक है

प्ररूप श्राई० टी० एन● एस०--

प्रायंकर प्रश्वितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रश्नीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 335, प्लाट नं० 9, है तथा जो काटारगाम, जमीन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के बृक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विक्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रविक्ष है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीब ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित सदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (6) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायिरव में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ह ग्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

ग्रतः अबः, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रंथित् :--- श्री रंगलिदास हरिकणनदास
जारीवाला के लिए,
ए-3, कुमभारणेरी,
गाले मन्डी,
सूरत ।
कुलमुख्तथार :---(1) शान्तालाल
रंगीलदास का, (2) कान्तीलाल
रंगीलदास का,
(3) मदन रंगीलदास का,
श्री गमन लाल रंगीलदास,

(अन्तरक)

(2) सब श्री (1) सुरेण चन्द्रा नटबरलाल शाह, (2) बानकीमचन्द्रा नटबरलाल साहाद्री अपार्टमैन्ट तामालीयाबाद रोड, सूरता

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूजींक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाणन को तारीख से 45 विन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की मनिध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, शक्षोहस्ताकरों के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण:--इसम प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मिलकत जो टी० पी० एस० 4, एफ० पी० 5, ए-2, 5-बी०, आर० एस० नं० 335, प्लाट 9 काटारगाम मई 1981 में यथाविधि रजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारी**ख** : 4-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहरदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० ग्रांर० नं० 1373/एकवी० 23-II/81-82--श्रतः मुझे जी०सी० गर्ग

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारों हो यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर तस्थीत, दिएका उतित बाजार राज्य 25,000 / रा. से अधिक **है**

भौर जिसकी मं० नोद नं० 895, वार्ड नं० 7, रामपुरा है तथा जो काडिया गेरी, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इञ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्रांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री जममभाई कारानशी भाई बी०नं० 19, राम कृष्णा सोमाईटी, लाम्बे हनुमान, सुरत ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री हिकिम मोहमद सैयद रशीद श्रजमेरी, बारानपूरी, भागल, वेजिटेबल मार्केट के पास सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पुर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है [1]

अन्सूची

मिलकत जो नोदनं० 895, वार्डनं० 7, नूरी मुहस्ला काडिया शेरी, सूरत यथाविधि मई, 1981 में रिजस्ट्री की गई है ।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

ता**रीय** : 4-1**-**1982 म्हर:

5-466GI/81

प्ररूप् आहर्र. टी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-१।, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निवेश सं०पी० श्रार० नं० 1374/एकवी० 23-II/81-82---श्रतः मुझे जी०सी० गर्ग

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नोद नं० 923/ए-3, वार्ड नं० 3, है तथा जो वार्ड नं० 1, श्रदागरा महोलो, सूरत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन मई, 1981

को पूर्वों क्त सम्पिति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अय, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री वेणीलाल नगीनदास सुखरामवाला, 4/10. मली फालिया, हरीपुरा, सूरत । हसमुखलाल सुखरामवाला, 4/76, गाली पुलिया, हरीपुरा फा सूरत, । विनोदचन्द्रा नगीनदास सुखरामवाला, 5/1214, भवानीवाड, हरीपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दाबेन, रंगीलदास, भाईमंद, ग्रम्बाजी रोड, नानी छीपवाड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्तीकरणः ---इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

मिलकत जो नोद नं० 923/ए-3, बार्ड नं० 1, म्रदाग्रा महोलो, सूरत यथाविधि मई, 1981 में रजिस्टी की गई है।

> जी. सी.. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

तारीख: 4-1-1982

प्ररूप चाई• टी• एन•एस•---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-य (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज्-।।, अहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1375/एक बी० 23-11/81-82 ---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सम्भा प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि प्यावर नमानि जित्तका उचित वाजार मूल्य 25,000 कि से प्रधिक है

श्रीर जिसकी नोद नं० 1536, वार्ड नं० 11, सोदागरवाड है तथा जो नानावत, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय सूरन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1981

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया एशा है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिला नाय की यावत, उक्त शिध-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्यिधा में लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष अधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में मुख्या के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखा व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) अवलभत अनुककुमा धीरजलाल कापाडिया का रकाकर्ता और दोस्त श्री धीरजलाल छोटालाल कपाडिया, रामजीनी पोल, नानावत, सूरत।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री फिरोजुद्दीन ग्रहमद भाई सीपवाला,
 - (2) श्री शसीम श्रहमद फिरोजुद्दीन सीपवाला
 - (3) श्री करीम मुतीया फिरोजुद्दीन सीपवाला,
 - (4) श्री बीलकोमावःणु शमीम ग्रहमद सीपवालां, रानी तालाब, मेन रोड, सूरता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूजीना सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त मन्यति । अभेग ह अभ्वत्य में कोई भा शाक्षेप:---

- (क) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन को जनकि या तत्पम्बन्धों व्यक्तियों पर भूवना का गामी को 30 दिन की प्राधि, जो भी प्रविध साद में नगण्य होती हो, के मोतर पूर्वीक्त अक्तियां में के कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजात में प्रकाशन की नारीख से 45 दिए ले भीतर उक्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी प्रस्य क्यक्ति तारा अधीहरताक्षरी के पास निश्चित में किए जा नकेंगे।

र्यध्योकरण र--वसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, को उक्त सिध-तिपन, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो नोद नं० 1536 वार्ड नं० 11, सोदागरवाड, सूरत यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज्-।।, अहमदाबाद

तारीख: 4-1-1982

प्रसप भाई•टी•एन•एस•---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1376/एकवी०/23—II/81-82 ——श्रतः मुझे जी०सी० गर्ग

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है

स्रौर जिसकी सं० नं० 43, विलेज सारगासन है। तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से श्राधिक है घीर श्रम्तरक (धन्तरकों) घीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रम्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्षेत्र से कथित नहीं किया गया है

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसं ग्राय की बाबत उक्त ग्राध-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसा धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ∓न ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः ग्रब, उवत ग्रिवितयम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, खक्त ग्रिवितयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिवीन निम्मतिषित क्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री गोपालजी गामीरजी वाघेला, सारगासान, ता० गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री गिरीश भाई चीनुभाई शाह, द्रुपटी सोासाईटी, फलावर स्कूल केपीछे, भाता, सारकेज रोड, श्रहमदाबाद। (2) श्री रसिकलाल शाणभाई दलाल, शान्तीनगर सोसाईटी श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्न स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पढ़ों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 43, गांव सारगासन तालुक गांधी नगर यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद ।

तारी**ख** : 5-1-1982

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

आय**कर अ**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) **से ग्र**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेण सं०पी० श्रार० नं० 1377/एकवी०/23—[1/81-82 ——श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

धायकर प्रधितियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारो को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित्र खाजार मूल्य 25,000/- ए० में प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० न० 74 गांव वाबोल है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ स्नुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्री-करण स्रधिनियम, 198 (1908 का 16) के स्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक का मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य घारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा घकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अत्र, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रजापति शकरभाई जीनाभाई, वाबोल, जिला गांधीनगर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० पटेल, घणशयाम को० हाऊ० सोसाईटी 34, वीराटनगर, गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (४) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रतित्र ता तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुजना के राजन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बढ़ किसी धन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताजरी के गास जिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वब्दो हरगः ---इसर्ने प्रपुतन गन्दों श्रीर पदों का, जो उत्त प्रधितियन, के प्रध्यात 20-क में परिमाणि। हैं, वहां अर्थ होता जो जन ग्रध्यात्र में विद्या गया है।

अनसर्ची

मिलकत जो एस० नं० 74, वाबोल यथाविधि मई, 1981 में र्राजस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

तारीखा: 5-1-1982

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ${f z}$ र्जन रेंज ${f H}$, म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं०पी० श्रार० नं० 1378- एकवी० 23-II/81- 82--श्रतः मुक्ते, जी०सी० गर्गे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 58/2 गांव सारगासन है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 * 61) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री वाघेला प्रतापजी कुबेरजी वाघेला जावारजी कुबेरजी, सारगासान, गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रममोटर्स-श्वी कर्मचारी को 0-श्रो०-हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, श्री मुलुभाबेचारजी राठोड, सेक्टर नं० 22, गांधीनगर।

(अन्तर्भिरती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

मिलकत जो एस० नं० 58/2 सारगासन यथाविधि मई 1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ш, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं०पी०श्चार० नं० 1378-बी/एक्यी-23 $-\Pi/81$ -82 --श्चतः मुझे, जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एस वनं 56, सारगासन है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाह निगार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं, कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्वे देय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक कृप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमा करन या उससे बचन में स्विधा के लिए; औद्य/मा
- (ध) ऐसी जिल्ली आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्लों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 आ 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा स्वारत्य.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री णान्तीदास जीवाभाई गढ़वी ताखाभाई जीवाभाई गढ़वी, उमेदबा जीवाभाई गढ़वी, सारगासन, गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) प्रमोटर—श्री कार्मचारी को-थ्रो-हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, श्री मुलुभा बेघारजी राठोड, सैकटर नं० 22, गांधी नगर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी के वित्तर्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अभाहस्ताक्षरी के किस जिल्हा में किए उन सकरी।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

मिलकत जो एस० नं० 56, मारगासन यथाविधि **मई**, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीखाः 5-1-1982

भोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

क्राय बर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरोज II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं० पी० श्रार्थ नं० 1379/ एकवी /23 -II/81 -82 थतः मुक्ते, जी० सी० गर्गं,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर गत् 'उक्त प्रशितियम कहा गया है), की घारा 269-प के अधोर मजन प्राधिकारों को यह विख्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० बी-20, सैक्टर 21, जिला सोपिंग है सेन्टर, तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मई, 1981

को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यया पूर्वीका नमाति का उचित बाजार मूल्य, उत्तरे दृश्यमान प्रतिकल में, ऐम दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के क्षोच ऐमें प्रत्नरण के लिए तर पाया गया प्रतिकल, निम्तलिखित खदेश में उक्त प्रत्नरण निवित्त में शास्त्रविक छन से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अहः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मैं, उका अधिनियम की बारा 269-ध की उपधारा(1) के प्रधीन, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथात्:—~ (1) श्रीमती बीरवाला गोपालजी भाट्ट, बी-20, जिला सोपिंग सेन्टर. सेक्टर 21, गांधीनगर

(अन्तरक)

(2) श्री भरतक्रुमार कान्तीलाल पान्डया, सेक्टर 22, ब्लाक 14/3, गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तत्नम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त मब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राधि-नियन के अध्याय 20- को परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अतस्ची

मिलकत जो सैक्टर 21, बी-20, जिला सोपिंग सेन्टर, गांधीनगर यथाविधि में 1981 मई रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीखा : 5→1-1982

प्रकप आहं. टी. एन. एस.-------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II-श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

भायकर प्रिमिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं एस नं 200 है तथा जो तिथल, बतसाड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय बलसाड में रिजस्ट्री-करण श्रिष्ठितमा 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्टीन मई. 1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान एतिफल को लिए अन्तरित की गई है और ग्रुफ्त यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिणत ग्रिष्ठक है ग्रीर ग्रुक्तरिक (श्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफत तिम्निलिखन उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त मधिनियम के मधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्व . में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अग्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भाषिनियम, या घन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को, मैं, उक्त बिधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नुसहीर बेहरामजी दमासीया निथल, बलमाड ।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री मतेक भाई ग्रात्माराम खुद ग्रीर कर्ना एच पूएक।
 - (2) श्री रमेण ग्रात्माराम खुद ग्रौर एच यू एफ का कर्ना,

टेलीफोन एक्सचेंग के सामने वलसाइ ।

- (3) श्रीमती हसुमति हिमतलाल णाह,
- (4) श्रीमती बनीताबेन मनुभाई णाह टेलीफोन एक्सचेंज के सामने बलसाड।
- (5) श्री मनीण ईशवरलाल कपाडिया, खुद श्रीर एच यू एफ का कर्ता, नेनी माहेडवाड, वालमाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीक्स व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडिशासरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो 'उक्त ग्रीधिनियम', के भश्याय 20-क में परिमाचित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उन भश्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

मितकत जो तिथाल, एस० न० 200, यथाविधि, मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आहे ही. एन. एस. ----

अभयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-খ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० श्रार० नं० 1381/एकवी० 23-XI/81-82---श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपयों से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 5/टी० पी० 512/6—ए है तथा जो श्रम्नामा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बलसाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित अमुक्तियों कृष्ति :— (1) श्री मंगलदास प्राईवेट लिमिटेड, द्वारा उनका मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मधुकर चिमनलाल सेठ ब्लाक नं0 2, दीप्ती सोमाईटी, श्रक्रुली रोड, कानदिवाली, (पूर्व) बांबे।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल सागरमल कोठारी, एमार मेटल इंडस्ट्रीज का सोल प्रोपराईटर, 'ग्रम्बा भुवन', 6, सान्ताकूज (पूर्व) बाब-400055

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उत्कर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो अश्वामा एस० न० 5/1-पी श्रीर 5-16/पी यथाविधि में, 198 में रजिस्दी की गई है।

्जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजैंन रेंज II, श्रहमदाबाद ।

तारीखाः 5-1-1982

मोहर 🗄

प्रस्प मार्थः, टी. एत्. एस.-----

नायकर निध्निय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1382/एकसी/23-11/81-82

----ग्रतः मुझे जी०सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 441, सी० एस० नं० 3137 है। तथा जो देसारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानदेवी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1981

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिक्स, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियर की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात :—— (1) श्री छोट भाई लल्लू भाई मिस्ती, श्री मगत भाई लल्लू भाई मिस्ती, श्री जयन्ती लाल लल्लू भाई मिस्ती, श्री धैनसुख भाई लल्लू भाई मिस्ती, जन्मकानत लल्लू भाई मिस्ती बिल्लीमोरा महादेव,

(अन्तरक)

- (2) रतना का-म्रा०है-सांसाईटी का प्रमुख
 - (1) श्री महेशचन्द्रा गजेन्द्र,

बाचीक ।

(2) श्री मायनकुमार ग्राटिबन्द भाई चोकपी, महादेवनगर इनडस्ट्रियल, जिल्लीमोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील में 45 प्रदान की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित≁ बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो देसेरा एस० नं० 441, सी० एस० न० 3137 यथाविधि में, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आही. टी. एन . एस . -----

ग्रायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

षारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० घार० नं० 1383/एकवी/23-II/81-82-ग्रतः मुझे जी०मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं।

जिसका सं० 11 थ्रार 11/1 है जो गानदेवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान देवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1981

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रिक्षिन नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के शिव्द में कभी करते या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठितयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अञ्चरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः भय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निर्णालत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती रतनाबाई केसावडी नासारवाणी महता की पत्नी, गान देवी पासीवाई गानदेवी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनुभाई शिवाभाई श्रमीन श्रानन्द की०श्रा०हा० सोसाइटी बिल्लीमोरा ता गानदेवी, जिल्ला बलसाड

(ग्रन्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दित की सबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी सबधि बाद बें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास शिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणाः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्यागण। हा

अनुस्ची

मिलकत जो गानदेवी एस० नं० 11 श्रीर 11/1 यथाविधि में, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1982

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1384/एकवी/23-2/81-82---श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 301/म, 301/सी, है। तथा जो 304-वी 301-डी० सारीबजरंग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), रजिस्द्वीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गानदेवी में रजिस्द्वीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वांक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यंक्ति संपन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से एमे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

ं कतः जबः, उक्तः अधिनियमं कौ धारा 269-गं को, अनुसरणं में , में , उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--

- (1) श्री चमपकलाल हीरा चन्द शाह, रेलवे स्टेशन के सामने (पूर्व) श्रमलसाड।
- (2) श्री ग्रब्यस्क बच्चे भरतकुमार चमपकलाल गाह का संरक्षक श्रौर पिता श्री जमपकलाल हीराचन्द गाह,
 - (3) चन्द्राबेन चमपकलाल गाह, रेलवे स्टेशन के सामने (पूर्व), अमलसाड ।

(अन्तरक)

2 योगीनगर को-श्रो-हा-सोसाइटी का प्रमुख श्री रनछोड़ भाई सुखाभाड पटेल, पोस्ट श्राफिस के सामने, महादेवनगर, बिलीमोरा,

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- . (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पक्तीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सारीबुजरंग एस० नं० 301/ए० + 301/ मी+305-बी 301/-डी० (पैकी) यथाविधि मर्ड, 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- II, श्रहमदाबाद

नारीख : 5-1-1982

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1385/एक्वी/23-II/81-82

—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000 / रत. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 379/1/2 पैकी है। तथा जो देसारा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय गानदेवी में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उददोश्य से उक्त अम्सरण में सिसित गस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जयन अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर मिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों वर्षात्:---

(1) श्री हरीलाल बलवनतराधि वेसाई, गोमती जीवन भाई इनतवाला, नानभाई लल्लू भाई इनतवाला हरीलाल लल्लू भाई इनतवाला, रामनलाल लल्लू भाई इनतवाला, जागुभाई लल्लूभाई इनतवाला, ग्रौर नं० 2, 3, 4, 5, 6 के कुल इमुक तथा श्री हरगो-विन्द भाई लल्लू भाई इनतवाला। देसारा, ता०--गानदेवी ।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती गायत्री परिवार बिल्लीमोरा के भागीवारों :-
 - (1) श्री बाबुभाई ए दानुदेकर,
 - (2) श्री विजय बी दायुद्देकर
 - (3) श्रीमती मंगलाबेन वी पूना
 - (4) सुरेश दिगम्बर मेहता, बांबे
 - (5) श्रीमती रणनी बेन दिगम्बर, बांबे
 - (6) महेश सदाशिव जोशी, गोरेगांव, बांबे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीवासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अगुसूची

मिलकत जो वेसेरा-एस० न० 379/1/2 पैकी यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्गे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1982

प्ररूप आह".टी.एन.एस. -----

स्रायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-[], श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० ब्रार० नं० 1386/एक्टी/23-IL/81-82 ब्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० नं० 112, 113, 139, 143, 144,145 (पैकी) है। तथा जो गानदेवी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, गानदेवी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उनन अधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनियम, या धन-कर श्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रत: ग्रब, उनत ग्रिधिनियम, का धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् धु-- (1) श्री ठाकोरभाई खान्दुभाई देसाई, ग्रजरेन फालिया, सामराधार्डी, गानदेवी।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री मुभाषचन्द्रा धीरु भाई देसाई, तारनगाम—ता० गानदेवी,
 - (2) सुमन्तराय खान्दुभाई देसाई देगाम ता० चिखाली, जिला बलसाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही यर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत जो एस० नं० 112, 113, 139, 143, 144 ग्रौर 145 (पैकी) गानदेवी, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज II, ग्रहमधाबाद

तारीख : 5-1-1982

मोहर 🥫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी / 1982

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 1387/एकवी०/23-II/81~82 —-ग्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/रु. से अधिक है

थौर जिसकी सं० एस० नं० 23, मकतामपुर है तथा जो भड़ौच में स्थित है (थौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में थौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भड़ौच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों करें, जिन्हें भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मुकतानन्द बिरुडर्स का भागीदार,
भूपेन्द्राभाई रामजीभाई पटेल,
भडीच ।

(अन्ट्रक)

(2) श्री योगेशभाई पन्नालाल गाह, बी०नं० 70, भगुपुर मोसाईटी, भडौच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में दो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

मिलकत जो एस० नं० 23 (पैकी) मकतामपुर, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्टी की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

नारीखाः 5—1—1982

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 1388/एकवी०/23-IJ/81-82 ----मत: सुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सार्गित जिसका जीवत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 552, गांव होनड है तथा जो तालुक चिखाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायलिय चिखाली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई, 1981

को पृत्यों कत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक क्य में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृविधा का सिए; और/या
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती मणीबेन, विश्ववा बलवंतराय परागजी देसाई, होन्ड ता०——चिखाली जिला बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) प्रमुख छोटाभाई दयालजी पटेल चिखाली तालुका नीरा ताड गोल श्रौर खादी ग्रामोद्योग संघ। वनकाल ता०—चिखाली, जिला वलसाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

मिलकत जो होगड़— ब्लाक नं० 552 यथाविधि मई, 1981 में रजिस्टी की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-।।, श्रहमदाबाद

तारीख: 5-1-1982

प्रकप गार्ड, टी. एन्. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० थ्राप्त नं० 1389/एकवी०/23-II/81-82 ---श्रतः मुझे जी०सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 167 है तथा जो विजलपुर, नवसारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकर्रण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्विश्य से उस्त अन्तरण लिखन में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मणी भाई दाह्याभाई नायका, विजलपुर, ता०---नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री मनसुखभाई मणीभाई पटेल, श्री नागभाई गेलाभाई पटेल, लुनसीकुई, नवसारी :

(अन्तरिली)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची .

मिलकत जो एस० नं० 167, विजलपुर, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

सतः अस, ज्वत अधिनियम की धारा 269-ग के, सन्सरण में, में जक्त अधिनियम की धारा 296-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

तारीख: 6-1-1982

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी एस० नं० 571+572 (पैकी) अभीन है तथा जो वापी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 के 16) के ग्रधीन, मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रिकित के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रीधक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक का ने किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रतारण ो हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रश्चितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) श्री मानेकचन्य भाईचन्य शाह, मानेकचन्य भाईचन्द शाह का संयुक्त कर्ता वापी, ताल० पारडी

(अन्तरक)

(2) श्रलेरा ऐंटरप्राइजेज का भागीदार, यूसफभाई गुलाममुसाद लाकडावाला, बापा, ताल पारडी

(अन्ति∤रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हर्विहरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थे होगा, जो उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

अमुस् ची

मिलिकयत जो वापी एस० नं० 571 + 572 (पैकी में, 1981 में रजिस्टी की गई हैं।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमवाबाद

विनांक: 6-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-JI, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1391/एक्बी०/23-II/81-82
---यतः, मुझे, जी० सी० गर्ग
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 422, 436, 437, 438, 439 (पैकी) है तथा जो जमीन खतालवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज़ित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारग है कि यपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यगान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकास से धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उहेश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तविक का में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छमत अधिनियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में सेविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) (1) भवलकान बेचा शशिकान्त नरसई के लिए श्री नार्रासग भगवानभाई खतालवाडा –ताल उमगाम
 - (2) श्रीमती रिजयाबेन फिराहुसैन, खतालवाडा—साल० उम्रगाम।
 - (3) श्रीमती रुखियाबेन फिदाहुसैन, खतालवाडा—ताल० उम्प्रगाम, जिला बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) मर्चेन्ट फार्म का भागीदार:— श्री मोहम्मद हुसेन पीरभाई, 54, श्रीगयारी लेन, बाजार गेट स्ट्रीट, बांबे-1।

ः (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्तः धिर्मित्यम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस ध्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मिलिकयत जो खतालवाडा---ए० नं 422, 436, 437, 438, 439 (पैकी) जमीन यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-11, अहमदाबाध

दिनांक 6-1-1982 मोहरु:

प्रकप धाई • टी • एन • एस • --

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-11, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० स्नार० नं० 1392/एक्वी०/23–II/81–82 –--यतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृक्य 25,090/-ध्यये से प्रधिक है

भौर जिसकी एस० नं० 96 है तथा जो गाडकोल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रंकलेश्वर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई,

को पूर्विक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के हरयमान
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्था से किया नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उबत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिर में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें मारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनकर प्रविनियम, या धनकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन्न, उन्त प्रविनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्री मोहनभाई चूनीभाई पटेल, गाडकोल, ताल० श्रंकलेश्वर ।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री विनोधराय भ्रम्बालाल मेहता, कमला भैनशन, भैरवनाथ रोड, श्रहमवाबाद ।
 - (2) विजयकुमार जयेन्द्रालाल मेहता, रामबाग रोड, मणीनगर, श्रहमदाबाद।
 - (3) कौशिककुमार जयन्तीलाल मेहता, कमला मैनशन, भैरवनाथ रोड, म्रहमदाबाद।
 - (4) रवीन्द्रा श्रम्बालाल महता
 - (5) कान्तीलाल भ्रम्बालाल मेहता, लक्ष्मी एस्टेट, कल्पना कालोनी के पास, रामबाग, मणीनगर,

• अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्मन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त क्यावर संपत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेदे।

स्थाधीकरण :-- इसमें प्रयुक्त सब्बों भीर पदों का, को उक्त प्रवित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा को उस प्रध्याव में दिया गया है।

अमृस्ची

मिलकियत जो गाइकोल एस० नं० 96 (पैकी) यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

विनांक: 5-1-1982

मोहारु ः

प्रस्य बाह्रे.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-[], ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

सं० पी० भ्रार० नं० 1393/एकवी/23-II/81-82--भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाष्ट्रार मूल्य 25,000/ रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एस० नं० 198 है तथा जो गाडकोल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रनकलेश्वर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- (1) भगवान भाई गोपालभाई पटेल ।
- (2) बनमाली भाई मोरारभाई पटेल ।
- (3) दयाभाई छगन भाई पटेल ।
- (4) बालु भाई छगन भाई पटेल।
- (5) जगमल भाई छगन भाई पटेल ।
- (6) कूषाल भाई छ गन भाई पटेल ।
- (7) ताराबेन छगन भाई पटेल।
- (8) हासूबेन छगन भाई पटेल ।

मं० 7 ग्रीर 8 के कुलमुख्तयार कुषालभाई छगनभाई; बाई माला छगन भाई कसूरभाई का विधवा; गाडकोल, ता० भ्रनकलेश्वर ।

(अन्तरक)

- (2) भ्रलग कागज पर लिखा हाया देख लीजिए।
- (1) चम्पक लाल पारासमल राका, 102, प्रार्शीबाद, बिर्ल्डस 1 पहला मंजिल काठवाडी 1, बम्बई-4।
- (2) हुकम राम गिरधारीलाल राका 1, ग्रांट रोड़ 1, भरत-नगर, डा॰ क्यार्टस, पहला मंजिल, बम्बई-७।
- (3) जसराज वेरीमल राका, ग्रांट रोड़, भारतनगर, ई०-बिल्डिंग, बोम्बे-७।
- (4) रमेश कुमार छगनलाल राका, बाईकुला जैन मंदिर के सामने, मौतरंनजय दर्शन, तीसरा मंजिल बम्बई-8।
- (5) सीता राम शनकर पटेल, पैराडाइज मेटल 8-10, बीजी सुथारगली, बोम्बे-4।
- (6) खेमराजजी रावमलजी मेहता, बम्बई-4 ।
- (7) भंबर लाल रादमल जी मेहता, बम्बई-4।
- (8) बाबुलालजी रादमलजी मेहता, बम्बई-4।
- (9) उभिलाबेन भगवतलाल, विसाफालिया भ्रनकलेश्वर ।
- (10) लक्ष्मण जुहार मालजी टेलर 65, सँफुई न बिल्डिंग, रूम नं० 7, पारेल 1, श्रम्बेडकर रोड़,

बम्बई-12 ।

- (11) पुखराज थु चौहान, 1-1, मेरवानजी स्ट्रीट, ब्लाक, नीरमबानीवास, रूम नं० 100, पारेल 1, बम्बई-12
- (12) झावेरचन्द हजारीमल जैन, 111/113, वर्द्धमान मेटल कोर्पोरेशन जे० एम० कम्पाऊंड, तीसारा भोईवाडा, बम्बई-12

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (स) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

अन्सची

मिलकत जो गाडखोल-एस० नं० 198, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

दिनांकं : 5-1-1982

मोहर् 🗄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० म्रार्० नं० 1394/एक्यू०-23-II/81-82-म्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रार एस नं 163, पंकी जमीन है तथा जो डुगरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रोच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हा से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरक से तुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रष्टि-नियम के श्रष्टीन कर देने के शन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, चक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री लक्ष्मी म्रोरगेनाइजर, बुधदेव मार्कीट, **ब्रो**च (अन्तरक)
- (2) लक्ष्मीनगर को०-म्रो०-हाउसिंग सोसायटी, बुधदेव मार्कीट, कोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

ह्यब्दी हरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियन के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिसकत जो ग्रार० एस० नं० 163 (पैकी) यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

दिनांक : 5-1-1982

मोहरूः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1395/एक्वी०/23-II/81-82-यतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी एस० नं० 22, 23 है तथा जो मकतामपुर, बोच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बोच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री जयन्तीभाई छोटामाई सोलंकी, जाढेम्घर, क्रांच ।

(अन्तरक)

(2) मुक्तानंद बिल्डर्स का भागीदार, भूपेन्द्र रावजीभाई पटेल. क्रोच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलिकियत जो मुक्तामपुर एस० नं० 2223 यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 5-1-1982

बह्य चाई० टी० एन० एम०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11. प्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1396/एववं ०/23 II/81-82--यत:, मुझे, जी० सी० गर्ग,

धर्यकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/-कार से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी एस० नं० 1 श्रौर 4 मोजमपुर / कामाक है तथा जो बाच में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रन्यूमूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, बांच में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल तो ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (६) जनारण से हुई कियों आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायिटन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों के जिए निर्मा निर्मा प्राय-कर विक्रियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या बन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिशा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अर्थान, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान:---

- (1) (1) श्रो बली मुलेमान भागास ,
 - (2) ईन्नाहीम मुलेमान भागास ,
 - (4) बीबीबेन सुलेमान भागास ,
 - (5) श्रयाशावेन मुलेमान भागास, कासाक, क्रोच (अन्तरक)
- (2) (1) श्री ईब्राहीम श्रादम मीथा,
 - (2) त्पार रमणीकलाल शाह,
 - (3) विनोदचन्द्रा भानुप्रसाद पाण्डीया , क्रोच ।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करना हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस पूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य श्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

मिलकियत जो भोजमपुर, कासाक एस० नं० 1 और 4 यथा-त्रिधि मई; 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

दिनांक : 5-1-1982

मोहर 🗓

8---466G1/81

प्रारूप शाह^र. टी. एन. एस. --- (1) जाग ऐंटरप्राइजोज के लिए भागीदारों श

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1397/एक्बं:०/23-II/81-82-यत:, मुझे, जी० सी० गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुपए से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं ब्राप्ट एस नं 132 है तथा जो वेजलपुर में स्थित है (ब्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ब्राधकारी के कार्यालय, ब्रोच में रिजस्ट्रीकरण ब्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन मई, 1981

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिश नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) जागु ऐंटरप्राइजोज के लिए भागीदारों श्री विनोद चन्द्रा भीखाभाई, वेजलपुर 1, जन्दा चौक, ब्रॉच। (अन्तरक)
- (2) मंत्री वसन्तनगर को-श्रॉप०हा० सोसायटी, श्रीरमलाल छगनलाल शेलात, 1 वेजलपुर, ग्रांच । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिट्स में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

मिलकियत जो श्रार० एस० नं० 132, वेजलपुर, यथाविधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 5-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आक्कर स्<u>धिन्</u>यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, श्रहमक्षाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निर्देश सं ० पी ० श्रार० नं० 1398/एक्वी ०/23-11/81-82-यतः, मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 125 है तथा जो चवांज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ब्रांच में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मई, 1981

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; आर्./या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण म, म, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रोमती ग्रम्बाबेन वारगाभाई, गांव ववाज, व्रांच। (अन्तरक)
- (2) रिलीफ को०-ग्रॉप०-हा० सोसायटी का ग्राध्यक्ष, जगदीम भाईसंकर पाण्डया 1. चवाज।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्द सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मिलकियत जो ब्लाक नं० 125, चवाच, यथाविधि मई, 1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रष्टमदाबाद

दिनांक : 5-1-1982

मोद्वर :

प्रकप बाई० टी • एन • एस •--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, श्रहमहाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1399/एक्वां०/23-11/81-82--यतः, मुक्की, जी० सी० गर्ग,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र॰ में प्रधिक है

श्रीर जिसकी एस० नं० 11/2, कानाबीवागा है तथा जो श्रोच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ब्रोच में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन मई, 1981

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रदिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ क निम्तिविधा उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तिविध इप ने हिंदी नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण स ूई किसो प्राय को आबन उक्त सिक्षित्र नियम के प्रधोन कर देने के प्रत्तरक के दायित्व में कमी करन या जससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसं, किसी प्रारं पा किसी घत या अन्य ग्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

श्रन: अत्र, दन्त अधिनियम, का धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त आधिन्यम को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित् व्यक्तियाँ अर्थात् क्ष्मान

- (1) (1) श्री श्रम्बालाल लल्लूभाई पटेल, 17. पुणीत सोसायटी, क्रोच ।
 - (2) जगदीणभाई मोहनभाई पटेल, स्टेणन रोख, चना-वाला चाल, श्रोच।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नगीनभाई हाथीभाई पटेल, जलाराम को०-ग्रॉप०-हा० सोसायटी, 71, पटेल सोमायटी, क्रोच।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तार ख स 45 दिन की अवाध या तरसम्बन्धी क्यितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में के किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरं हे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो एस० नं० 11/2 (पैकी) कानाबीत्रामा, यथा-विधि मई, 1981 में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 5-1-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 जनवरी 1982

निवेश सं०पी० आर० नं० 1400/एनयू०/23-2/81-82--ग्रतः मुझे, जी० मी० गर्ग,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहा से अधिक है

स्रीर जिसकी संव नंव 12 है तथा जो भोलाव में स्थित है (स्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के बार्यालय ब्रोच में रिजस्ट्रीकरण

श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में स्विधा के लिए;

बतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलियत व्यक्तियों अधीत्:— (1) श्री ईमामुहीन बदुहीन सैयदो क्रोच ।

(अन्तरक)

(2) श्री कीर्नीभाई लक्ष्मीचन्द सारवैया, प्रीयमक सरवैया वैतिफिषिथरोस द्रसट प्रीतम सोसायटी 1, ब्रांच । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी बन्य व्यक्ति इंबारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननसर्ची

मिलकत जो एस० नं० 72 बोलाव अधाविधि मई, 1981 में राजस्टी की गई है।

जी० सी० गर्ग,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

विनांक : 5-1-1982

प्ररूप काइ. टी. एन्. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1401/एक्यू०/23-2/81-82---भ्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० बी० टी० नं० 118 है तथा जो कराछीकारवाड़ा' रावपुरा एरिया, बेरोड़ा सिटी में स्थित है (भौर इससे उपावछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, बेरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रति का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक का से कि बात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत उक्त अधि-नियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ज्व, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) जो सुभीन, निक्तृमिखित व्यक्तिस्यों, सुभीत्रकः (1) श्री मारतचन्द्रा बालचन्द्र कराछीकार, कराछीकार वाड़ा, रावपूरा, बेरोड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमुदराय चिमनलाल शाह, लेहरीपुरा न्यू रोड़, बेरोड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-व्याध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यो

जमीन श्रीर मकान जिसका नं० 1/8 करा**छीकारवाड़ा** में स्थित है जो रावपुरा विस्तार में बेरोड़ा सिटी में है। जो बिलेख नं० 2349 पर संपूर्ण वर्णित में बेरोड़ा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में मई, 1981 रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

दिनांक : 8-1-1982 I

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, श्रहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 1402/एक्यू०/23-2/81-82--ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बानार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 2267, 2268, 2270 श्रीर 2271 हैं तथा जो सिधवाई माता रोड़, बेरोड़ा सिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यानय बेरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यानय बेरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिकार 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1981। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तारत की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके कृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है श्रीर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावन उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

शतः, शव, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जभीन . निम्निशिवत व्यक्तियाँ, अर्थात् ध--- (I) श्रीमती मानोरामादेवी बी० दाफेले, सीधवाई माना रोड, बेरोड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कालीनदीवेन यू० गांधी, मकरपुरा रोड, हजीरा पास, वेरोड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आबेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 किन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी क से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपन्न में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहक्ताकारी के पास जिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पब्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम के भ्रष्टमाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन ग्रौर मकान जो सीध वाई माता रोड़ जिसका सर्वे० नं० 2268, 2270 ग्रौर 2271 में स्थित है। जो बिलेख नं० 2805 पर संपूर्ण वर्णित में मई, 1981 में बेरोड़ा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

दिनांक: 8-1-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 1403/एक्यू०/23~1/81~82~ - श्रतः मझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 811 है तथा जो बेरोड़ा सिटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बेरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 4 मई, 1981 ।

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अभय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं[™], में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अंश्रिभीम, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातुः-- (1) श्री काशीनाथ नारायण कुलकर्णी । कानवीतालीः, वस्त्रई ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनाथक जी को गहतकर 6, राजमहर्ल रोड़, बेरोड़ा।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अम्स्ची

जमीन श्रौर जुना मधान जिसका नं० सी० एस० नं० 811 में स्थित है श्रौर जो विलेख नं० 2224 पर संपूर्ण वर्णित पर तारीख 4~5~1981 में सब रजिस्ट्रार बेरोड़ा के कार्यालय में रजिस्ट्री को गई है।

> जी० मी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 8-1-1982 I

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 जनवरी 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० नं० 264/1, रेलवे स्टेशन के पाम है तथा जो कलोल उत्तर गुजरात में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वालोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7 मई, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-प्रति, निम्निलिखन उद्देष्ण से उच्त अन्तरण निम्नित में वास्तिवक कृप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में क्षमी करने या उससे बचने में स्विशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---9—466GI/81

- (1) पटेल चिमनलाल सोमा भाई,
- (2) पटेल रमेशचन्द्रा चिमनलाल,
- (3) पटेल पोपटलाल चिमनलाल,
- (4) पटेल केणवलाल सानाभाई,
- (5) पटेल सुमनचन्द्रा केशवलाल,
- (6) पटेल श्रशोक कुमार केणवलाल,
- (7) पटेल कमलाबेन बी०,
- (8) पटेल नटवरलाल बी०,
- (9) पटेल कन्हैयालाल बी०,
- (10) घनश्याम बी०,
- (11) पटेल कमलाबेन बी, राजेन्द्रा के लिए मुखीनी वादी में भव रहते हैं, ककोल उत्तर गुजरात।

(भ्रन्तरक)

(2) नारायणन को०-भ्रो०-हाउ० सोसायटी लिमिटेड, रेलवे स्टेभन के पास, कलोल, उत्तर गुजरात! के द्वारा कानतीभाई कछराभाई पटेल, 46, नारायणन मोसायटी रेलवे स्टेणन के पास स्टेशन कलोल, उत्तर गुजरात।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत प्रयक्ति स्पृतिसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास् निस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे० नं० 264/1, रेलवे स्टेणन के पास, कलोल में स्थित है श्रीर जो विलख नं० 425 पर संपूर्ण वर्णित में तारीख 7-8-1981 में रिजम्ही की गई है।

जी ० सी ० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, श्रहमदाबाद

दिनांक : 11-1-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1556 भ्रर्जन रेंज 23-I/81-82 --- भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

धौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 721/2 है तथा जो परीमल सोसायटी नजदीक, तुलसीबाग, एलिस्झीज में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता धिकारी के कार्यालय, धहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः ज्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नृष्क्ति व्यक्तियों सुधातु:-- (1) श्री जशभाई गोविंदभाई पटेल 11 शांतीसवन, परीमल सोसायटी के नजदीक, एलिसक्रीज, श्रहमवा-बाद।

(अन्तरक)

(2) श्री कालुभाई सरतानभाई रवारी धौर धन्य; तुलसी-वाग के नजदीक, एलिसग्रीज, श्रहमदाग्राद । (अन्तर्रुती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु इसाराई
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य . व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 913 वर्ग यार्ड, टी० पी० एस०-3, एफ० पी० नं० 721/2, जो तुलसीबाग, ए लिसकीज, ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्सा बिकीखत नं० 5181/ मई 1981' में दिया गया है।

> जी शसी० गर्गे, सुक्षुम प्राप्तिकारी सुहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद

दिनांक : 30-12-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाव

म्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रोधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संव सर्वे० नं० 137 प्लाट नं० 13 पैकी है तथा जो भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्थ से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16 मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तद् प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण ते हुई जिसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के आधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-भर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-भर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धवः, उपतः प्रधिनियम की धारा 269-ग के, प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीन :--- (1) श्री चौहान श्रीभोवनभाई हरजीवनभाई सुभाष नगर, न्यू एरोड्डाम रोड, श्रजयपाडी व्लाट 13, भाव-नगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री क्षेलिकिया किशोरकान्त कान्तीलाल वीशालवाडी, गुजरात हाऊसिंग बोर्ड ब्लाक नं० 17, भावनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उकत श्रिष्ठ-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन श्रीर मकान जो भावनगर में स्थित है सर्वे नं० 137, प्लाट नं० 13 पैकी क्षेत्रफल 169-72 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1075/16-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम, अधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

दनांक: 30-12-1981

प्ररूप आर्', टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज-1, अहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1558, ग्रर्जन रेंज23-1/ 81-82--ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० णीट नं० 105, सी० एस० यार्ड नं० 1. नोंध नं० 1273 है तथा जो सं० 1280, बडवा तजावड़ी, एरिया, भावनगर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः प्रस्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अमूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रवीशंकर दयाशंकर जोशी वडवा तलावडी, मंगल बिहार के नजदीक, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरा भाई हनुभाई डांगर वडवानेस चौक, पीडावालो खांचों, भावनगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान मिलकत जो वडवा तलावडी एरिया में स्थित है, शीट तं० 105, नोंध नं० 1273 से 1280, सी० एस० वार्ड नं० 1, कुल क्षेत्रफल 388-59 वर्ग यार्ड, तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1042/13-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम अधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 30-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयजर अग्नितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1559 अर्जन रेंज 23-I/ 81-82--अतः नुझे, जी० सी० गर्ग, आयकर प्रक्षित्यनः 1961 (1961 का 43) (निने इसर्वे इस्के गरवात् (द्वार निविधन) कहा गया है), को बारा 269-छ ने जारा प्रधानिक्षारों की, तह विश्वाप करने का कारण

है कि स्थान जाति है, संग्रह गाँवन सबार मुख्य थड़, ३००० है।

भ्यः । याचक है

ग्रौर जिनकी में० सर्वे० वं० 433-1 पैकी प्लाट वं० 46. है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्वार इससे उपावक अनुसूची में कोर पूर्ण रूप से विधारी है), एजिएड्रीयची प्रविधारी के बार्जावय राजकोट के रिजस्ट्रीयरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अविधा 25-5-1981

मते पूजारत उत्पाद के रिचित बाबार तृत्य के ना के पृथ्यत्ता प्रितित के निष्ण प्रतिकृत के महे हैं और नुवे के विशाल करने का कारण हैं कि जात्रपूर्वीत सम्मत्ति का स्वित बाजार पृथ्य समे द्रियान प्रतिकृत को ऐमें वृश्यमान प्रतिकृत का वृश्यमान विश्वमान प्रतिकृत का वृश्यमान वृश्य

- ५४१ झन्द्ररा ने हुए किसी आध की बाबत, उक्त र दिसिए के अपीय गर देते के बस्तरक के दाकित्य में कभा करने या उसरी बचने में सुख्या के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर प्रतिनियम; 1922 (१७22 का 11) या उनत अधिनियम, या दन-सर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) े अयोजनार्थ जगारिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः अत्र, उक्त स्रोधिनिधन की पारा 269 ग के सनुबरण में, में, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती शान्ताबेन जीवनलाल जोशी पुनीत सोसायटी, राजको ट (अन्तरक)
- (2) 1. प्रवीनचन्द्र मुकुन्दराय गांधी 2, वानीयावाडी, राजकोट
 - 2. रक्षावेन जगदीणचन्द्र मेहता 1. वानीयावाडी, राजकोट (अन्तरिती)

को यत् सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत तमाति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबित, जो भी अबिद बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेवत धिक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से ३५ दि। के नीतर छक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ जिल्ली थना व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास विजित्त में किए या सर्वेगे।

स्पष्टीकरण:--इतमे प्रयुक्त सन्दों भीर पदो का, जो उच्त अन्दिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन जो राजकोट में स्थित है सर्वे० नं० 433-1 पैकी प्लाट नं० 46, क्षेत्रफल 347 वर्ग यार्ड ग्रौर 354-0-25 तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 4206 ग्रौर 4207/25-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1, स्रहमदाबाद

दिनांवः : 30-12-1981

अरूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के स्भीन सूचना

भारत सुरकार

काय लिय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

आगकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित क्षाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० रुका नं० 66/81 मकान है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, मांगरोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 8 का 16) के अधीन मई, 1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मिम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तर्भ जी धुर्व किसी आव को बावत त बच्छ अप्रिम्मित्व को ब्योन कर बोगे के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या बब्ते बच्चे में सुविधा के क्रिएं। आर्डिंग
- (क) एची किसी नाम ना किसी पून मा कम्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधित्ः—

- (1) 1. तारामणी नरसिंहदास घ्रव
 - 2. मधुलता प्रभुदास ध्रुव
 - 3. प्रवीणचंद्र नरसिंहदास ध्रुव
 - 4. वलीप कुमार नरसिंहदास ध्रुव
 - 5. नरेन्द्रकुमार नर्रासहदास ध्रुव, मांगरोल

(अन्तरक)

(2) श्री शाह तुलसीदास देवीदास श्रीर श्रन्थ मागरोल, मेन्शन, 6, गन स्ट्रीट, बोस्ट स्ट्रीट, बम्बई-1

(अन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृष्टिकत व्यक्तियों में से जिल्लो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभृतिमृत्त, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा श्री उस वस्थाय में दिया गया हो।

अनुसूची

मकात जिसका क्षेत्रफल 3850 वर्ग गज भ्रौर रुका नं० 66/81 श्रौर वर्गमीटर 922~26~70, जो बहारकोट, सनीकी वेरी, मांगरोल में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन मांगरोल रजिस्ट्रीकर्त्ता बिंकीखत नं० 440/ मई 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, प्रहमदाबाद

दिनांक : 1-1-1982

मोहर ः

प्रकप आई० टी• एव• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1561, श्रर्जन रेंज 23-1/81-82-भ्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० सर्वे नं० 2027 है तथा जो बढवान जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बढवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 7 मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- (1) 1. श्री हेमन्त सिंह सुर सिंह परमार 2. श्री बन्नेसिंह सुर सिंह परमार वढवान सीटी, जिला सुरेन्द्रनगर (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री माह बालचंद कुणल चन्द भौर श्रन्य सुरेन्द्रनगर 2. श्री माह रसीकलाल कुमल चन्द धागंद्रा। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन, जिसका सर्वे० नं० 2027, क्षेत्रफल 4 एकड़ 10 गुंठा, जो वढवान सीम वढवान में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन वढ़वान रजिस्ट्रीकर्त्ता बिक्रीखत नं० 2026/81/7-5-1981 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम् प्राधिकार्री सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाश्वाद

दिनांक: 1-1-1982

प्ररूप आह^र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० एफ० नं० पी० श्रार० नं० 1562 श्रर्जन रेंज 23-1/81-82--श्रतः मुझे, जी० मी० गर्ग.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे० नं० 649, 650, 656, 722, 642, 643, ग्रीर 645/1 है तथा जो धागंद्रा जिला सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, धागंद्रा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मई, 1981।

को पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जंकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री कैंखसुरु, शेरमस जी थालिया ग्रीर ग्रन्य गर्वन्मेंट एस्यीटल रोड़, धार्गन्ना जिला सुरेन्द्रनगर । (अन्तरक)
- (2) श्री रसीफलाल मुलजीभाई सोमपुरा 'हरी निवास' महारमा गांधी रोड़, थाना 2/ध्रागंद्रा, जिला सुरेन्द्र-नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अधिक या तत्तरख़तथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा राकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन जिसका सर्वे० नं० 649, 650, 656, 722, 642, 653 ग्रौर 645/1, क्षेत्रफल 10 एकड़ 30 गुंठा, 3 एकड़ 19 गुंठा, 10 एकड़ 15 गुंठा, 4 एकड़ 39 गुंठा, 1 एकड़ 29 गुंठा, ग्रौर 8 एकड़ 16 गुंठा जो धार्गधा में स्थित है जिसका पूर्ण वर्णन धार्गधा रजिस्ट्रीकर्ता विकीखव नं० 1212/30-5-81 में दिया गया है।

जी ० सी ० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 1-1-1982

प्ररूप आइ², टी. एन. एस. . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । • धारा 269-य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1,म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक । जनवरी 1982

निर्देश सं० नं० पी० स्नार० नं० 1563 स्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82---स्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राध्य प्राधिकारी को यह विक्रमस करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० सर्वे नं० 514 सर्वे नं० 515 ग्रीर सर्वे० नं० 516 है तथा जो वेरावल जिला जुनागढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण व्य से विण्त हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वेरावल में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8 मई,

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का लिंबर बाजार मूल्य, उसके खश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से अक्त अन्तरण लिखित में बारविक खप से किया गया हैं---

- (क) अन्तरण में हार्ड किसी आप की वायत, जलन अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनमें वचने में जुतिशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, 1923 का 27) धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ब्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में स्विधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीन निम्निनिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 10-466GI81

(1) गोस्वामी श्री गोवर्धन जी श्री गिरिधर लाल जी महाराज रनछोड़जी की हबेली, केंद्रराण्यर रोड़, पोर-बंदर

(अन्तरक)

(2) गिरधर लाल नरभेराम जोशी ग्रौर ग्रन्य स्वामी नारायण मंदिर के पीछे, वेरावल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता िं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वन्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस न्वता के राजमत में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति हारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दी का, जो खक्त ऋषि-नियम के श्रद्धान 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया सवा है।

वन्स्ची

जमीन जिमका क्षेत्रफल १ ए॰इ 6 गुंठा, सर्वे नं० 514, 2 एकइ 28 गुंठा सर्वे नं० 515 और 3 एकइ 28 गुंठा, सर्वे नं० 516, जो वेरावल में स्थित है, तथा जिसका सूर्ण वर्णन वेरावल र्जिस्ट्रीकर्ना बिकीखन नं० 1783/8-5-81 में दिया गया है।

जी ० मी ० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्रजेंन रेंज- 1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 1-1-1982

मोहर् :

प्रहा यादे ही व्यव प्रव -----

आयकर अविनिधन, 1961 (1981 हा 41) भी धारा 269-व्य (1) के घत्रीन सूचना

मारत "सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ं ग्रर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 1 जनवरी 1982

सं० पी० श्रार० नं० 1564,श्रर्जन रेंज 23-I/81-82--ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधित्वन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके नम्बात् 'उन्ते अधितियमं कहा ग्या है), की चारा 269-अ के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000 क

सं० सर्वे नं० 218/2 है। तथा जो गंव शारपुर जिला-जुनागढ़ में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मानायदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-5-1981।

को पूर्वेक्ति सम्पात के डिचिन बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करतें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पाल का उचित बाजार मृख्य, उपक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति गत से प्रविक्त है घोर प्रन्तरक (भ्रस्तरकों) और अन्तरितां (ग्रन्तरितां) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपान, जिम्मलिश उद्देश्य स उक्त भन्तरण लिखित में वास्ति है है न किया गया है :---

- (क) अन्तरण ने दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरंक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औररीया
- (ख) ऐसी किती आज या किसी धन या अन्य अःस्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिवियम, दा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजाार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया काना चाहिए था, ल्याने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मृतिखित व्यक्तित्यों, अधृति: --

(1) श्री नारन जीना बजानीया फंमार गांव--शापुर (सोरठ) जिला जुनागढ़

(अन्सरक)

- (2) श्री पटेल कान्तीलाल गोरधनदास जुनागढ
- (2) पटेल जमनादास दुदाभाई, लुवारसर, जिला-जुनागढ
- (3) पटेल गोपालभाई काननीभाई, बोराजी, जिला. राजकोट
- (4) पटेल अररफफुमार जेरामभाई, गांव, तरसाई, जिला-जुनागर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सरमध्वनधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अविश्व द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका सर्वे नं० 218/2, एकड 8-0 गुछा, जो गांव णापुर, जिला, जुनागढ में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन मानावदर रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 1028/14-5-81 में दिया गया है।

जी० मी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद,

तारीख 1-1-82

प्रक्ष भाई .टी .एन .एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-।, प्रष्टमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

सं० पी० भ्रार० नं० 1565 भ्रजेन रेंज 23-1/81-82— श्रतः मझे, जी० सी० गर्ग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 156, 157 श्रौर 158 पैकी टीपीएस 17 एफ पी 6 ए है। तथा जो सब पी० नं० 5, दरीयापुर काजीपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन में 1981 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नृलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) म॰ नमर्ता इन्वैस्टर श्राफिस कैम्प रोड, शाहीबाग, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) शाहीबाग नमर्क्षा कौप-एच-सोसाइटी (प्रपोजड लक्ष्मीनारायण सोसायटी, कैम्प रोड, शाहीबाग, श्रह्मदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 1944.68 वर्ग मीटर, सर्वे नं० 156, 157 ग्रीर 158 तैकी जो दरीयापुर काजीपुर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्त्ता विक्रीखत नं० 9331/80/ में 1981 में विया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-I, महमदाबाद

तारीख: 1-1-982

मोहर 🖫

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

षायकर आधालयम, 1961 (1981 না 43) की धारा 269-घ(১) के अधीन ग्चना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 1 जनवरी 1982

एफ सं० पी० आर० नं० 1566 श्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

शायकर अधितिया, 1960 (१८०६ का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'जन्द श्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन संध्य आधिकारी की, यह विश्वास करने का कारम है कि स्थावर संगति,। अस्का खिल्य गलार सूह्य 25,000/-का से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० एफ पी० नं० 381 सब प्लाट नं० 1 ए० टी० पी० एस० 2 है । तथा जो मीठारखली, ग्रहमदाबाद, में स्थित (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 14-5-1981

मो पूर्वीपत सम्पत्ति क खावर भाषाच मूल्य से क्रम के पृष्यमान अिं फल के लिए अन्ति कि गई है और मुझे यह किष्यास करने का जारक है कि गवानुभन्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिकल के देसे दृष्यमान प्रिजिय का पन्ति प्रतिस्ति से के लिंक है भीन अन्तर्भ (क्रम्यपत्ति) और अन्तिरिती (सन्तिक्तिपी) के जीव ऐंडे अन्तर्भ के देसे त्य कि का प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर्भ कि विकास के विकास के क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (ग) नन्तरा पहुर्दे किला गए के अध्या उपत आंब-नियम ग प्रजीत जर्द देग के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे जबने में भुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसा किया बाय पा किसी धन या धन्य आस्तियों को, किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों अधीन:-- (1) श्री ज्योतिन्द्र नटवरलाला महेता कल्यान सोसायटी, श्रलिसक्रीज, श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीरंग श्रोपार्टमेंट एसोसीयेशन की श्रोर से चरेमनः श्री रसीकलाल शांतीलाल शाह, त्रवेणी पार्टमट मीठाखली, छह रोड के नजदीक श्रोलिसबीज, श्रहमदाबाद,

(अन्त_िरती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुन्।

उन र सम्पत्ति के अर्जन के पंबंध में कोई मी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, स मीनर पूर्वीका व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस त्वता के राजात में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपत्ति में
 हितबढ़ किसी भन्य शास्ति जारा, प्रश्लोहस्तालरी
 के पास चिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 895 वर्ग यार्ज पैकी ध्राफ पीं० नं० 382, सबप्लाट नं० 1, टी० पी० एस 2, जो मीठाखली एलिसबीज, श्रहमदाबाद म स्थित है तथा जिसका पूरण विषरण श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 4372/14 5-81 में दिया गया है।

> जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-1-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1567 श्रजंन रेंज 23-l / 81-82—श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 211-1 से 4 243-पी० हैं। तथा जो नारोल ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 25-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके इत्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्पूर् से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उपत् अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नु लिखित व्यक्तियों अधीत :—

- (1) श्री भाईलाल भाई श्राणाभाई पटेल श्रौर श्रन्य कल्याण सोसायटी, मीठाखली, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सरदार पटेल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट ग्रीर वेयरहाउसीग एस्टेट ग्रोनर्स एसोसीयेशन । (ग्रन्तरिती)

प्रमुख: - बीपीन कुमार मुलगंकर रावल, श्रहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, ओ उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जिसका सर्वे नं० 211-1 से 4, 244-1 से 4 ग्रीर 243-पी, जो नारोल ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण ग्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखरा नं० 5911/25-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाव

तारीख : 1-1-1982

प्ररूप आईं ही । एन । एस ---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सुबना .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982 निर्देशसां० पी० ग्रार० नं० 1568 श्चर्जनरेंज 23-I/ 81-82—श्वत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्व नं० 86, 98, 87, 89 पैकी 217, सब-प्लाट नं० 47, है, तथा जो टी० पी० एस०, 1 एफ, पी० नं० 204, मेमनगर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ग के जिन् तम पन्त गण प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं जिया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त क्षि-नियम, के भधीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभत अधिनियम, या 'घनकर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रंब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रो पुष्पावेन प्रमोदभाई की श्रोर से कुल मुखत्यार जगमोहनदास गीरधरलाल वखारीया दादाभाई नियरोजी रोड, बोम्बे ।

(अन्तरक)

(2) मुकलजीवन श्रपार्टमेंट श्रोनर्स, एसोसीयेणन की श्रोर से चेयरमेंन श्री कान्तीलाल हरजीवनदास मीस्री, सुदर्णन सोसायटी, नारनपुरा, ग्रहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी **भर**के पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हं।

उनत गरवत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : ∸-

- (क) एत सूर्चना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख म 45 बिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायोज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इस सूचना के राजाब में पकाशा की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इतमें प्रयुक्त मन्दों और पदों जा, जो उक्त स्रिध-नियम के स्रष्ट्यान 20 र में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उन्न सम्बार में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 191.34 वर्ग मीटर +191.34 वर्ग मीटर +191.34 वर्ग मीटर, जो समनगर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूण विवरण श्रहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्त्ता बिक्रीखत नं० 5330, 5331, 5332/8-5-81 में दिया गया है।

जी,० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-1-82

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1569 श्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82—श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बिधिक है

श्रीर जिसकी सं० मर्वे नं० 149, 150-1-2, 151 पेकी टी० पी० एस० 19, एफ० पी० 209 है। तथा जो पैकी सब प्लाट नं० 39 पैकी शेखपुर खानपुर श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-5-81

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उभित बंजार मूल्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वो प्रयोजनार्थ अन्तरिरिड द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए:

वत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन दिस्त्रिलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कान्तावेन श्रमृतलाल गांधी उची भोरी, धोलका जिला श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) पुष्पाकान्त एपार्टमेंट श्रोनर्स एसोसीऐशन की श्रोर मे प्रमोटर श्री दिपककुमार हरीभाई गांधी 164, न्यू कलोथ मारकेट, रायपुर, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आराप :--

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्मध्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हो।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 427 वर्ग यार्ड, जो शेखपुर-खान-पुर श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वरणन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 5297, 5294 श्रौर 5293/27-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख 1-1-82 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज-।, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1570 श्रर्जन रेंज 23-I/ 81-82---धत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1003 पैकी है । तथा जो बेजलपुर श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-5-81

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं, और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बलने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती चंचलवेन परसोत्तमदास पटेल 41, रचना सोसायटी, सुरेन्द्र मंगलदास रोड, श्रम्बानाडी, श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री उपेन्द्रसींहजी विजयसींहजी खासगीवाला उधान, एस० एम० रोड, श्रम्बावाडी, श्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 6897 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 1003 जो वेजलपर जिला-श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 6256/30-5-81 में दिया गया है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अतः शब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 1-1-82

मोद्वर :

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज ा, श्चह्मदाबाद श्वह्मदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981 निर्देश सं० पी० श्चार० नं० 1571 श्चर्जन रेंज 23-1 /81-82---श्चतः मुझे, जी० सी० गर्ग, .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 325/1 पैकी है, तथा जो बेजलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची म श्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-5-81

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे भवने में सृविधा के लिए, और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अधिशा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :——
11—4600/81

(1) श्री श्रमृतजी मानाजी ठाकोर गांव वेजलपुर, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) रामेश्वर बिहार को-ग्रो-हा० सोसायटी लिमीटेड, चेयरमेन--श्री गोविदभाई ग्रंबालाल पटेल, 2/1, कामेश्वर एपार्टमेंट, ग्रंबायाडी, ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसकी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 937-75 वर्ग यार्ड सं० नं० 325/1 पैकी गांव वेजलपुर, जिला ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण विवरण ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता विकीखत नं० 5113/5-5-81 में दिया गया है।

- जी. सी. गर्ग सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, अहमदाबाद

तारीख: 30-12-81

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.------

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1572 श्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82—श्रत: मझे, जी० सी० गर्ग,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मद्भम प्राधिदारों को नह । अवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 325/1 पैकी है। तथा जो बेजलपुर श्रहमदाबाद में स्थित है जो बेजलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची म पूर्ण रूप मे विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिल्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 5-5-81

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंबत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूर्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) यशीबेन, मानाजी गंगा जी की पुत्री गांव वेजलपुर, जिला प्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री रामेन्धर विहार को-ग्रो० हा० सोसायटी लिमीटेड चेयरमनः— गोविंदभाई श्रंबालाल पटेल 2/1 कामन्धर एपार्टमेन्ट श्रांबावाडी, श्रहसदाबाद । (अन्तरिती)

को ग्रह स्थना जारी करके पृवांकत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 937 75 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 328/1 पैकी गांव वेजलपुर, जिला खहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण विवरण धहमदाबाद रजिस्ट्रीकरण विकीखत नं० 5114/5-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

तारीख 30-12-81 मोहर : प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I

श्रहमवाबाद, दिनांक 30 दिसम्बर 1981 निर्दिश सं०पी० श्रार० नं० 1573 श्रर्जन रेंज 23-I/ 81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 325/1 पैकी है। तथा जो वेजलपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपावद्ध श्रन्स्ची म ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक स्पर्स को को नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्ल में कमी करने था उससे बचने में स्पृतिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री जांद्वाजी मानाजी ठाकोर गांव वेजलपुर, जिला, श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) रामेन्धर विहार को० भ्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमेन श्री गोविन्दभार ग्रंबालाल पटेल 2/1 कामेन्धर एापर्टमेन्ट, भ्रांबाबाड़ी, श्रहमदाबाद

(अन्ट रिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सर्वो गे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 937.25 वर्ग यार्ड, सर्वे नं० 325/1 पैकी गांव वेजलपुर जिला म्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वरणन म्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 5115/5-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी ...ृ(यक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 भन्नमबादाय

तारीख 30-12-81 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-। ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1574 श्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82--श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 154 पैकी टी० पी० एस० 6, एफ पी० 350 है। तथा जो सब प्लाट नं० 27 यालडी श्रहमदाबाद म स्थित है (श्रौर इसमे उपान्नद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-5-81 को

पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफाल से, एमे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निन्थित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमती मनोरमाबेन चंद्रकान्त भाई चीमनलाल कायडीया 27, वसन्त कुज, न्यु शारदा मंदीर रोड पालडी, श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री उदय एपार्टमन्टस श्रोनर्स एसोसीयेशन सेकेटरी:—एस जी पारेख 27, वसन्तकुंज, न्यू शारदा मंदिर रोड पालडी श्रहमदाबाद

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तानरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 818 वर्ग यार्ड जो पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है जिसका पूरण वरणन ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्त्ता जिक्रीखत नं 4997/2-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1 श्रहमदाबाद

तारीख : 6-1-1982

प्रंप्प आई. टी. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-ा,म्रहमदाबाद म्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982 निर्देश सं० पी० म्रार० नं० 1575 भ्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82--म्रत: मुझे जी० भी० गर्ग,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का किए हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्वौर जिसकी सं० एफ नं० 755-1-1, 755 श्र० टी० पी० एस० 2 पैकी है । तथा जो छडाबाद श्रहमदाबाद म स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची म श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित कैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के ,कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रितिफल के अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रियति से अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती कलावतीबेत नवीन चंद्र मेहता मांख्वी पोल, लालभाई पोल, श्रहमदाबाद
- (2) श्रः धनग्यामभाई, रतीलाल रावल (एच० यू० एफ० ग्रौर श्रन्य विद्यानन्द होस्पीटल होटल नारोल के सामने, श्रहमदाबाद ।
- (3) श्री विनभाई रतीलाल रावल (एच० यू० एफ०) 'पराग' बंगला के सामने, सुखीपुरा, ग्रहमदाबाद
- (4) श्री रमेश भाई रतीलाल रावल (एच० यू० एफ०) स्रांबावाडी एलिसक्रीज सहमदाबाद
- (5) श्री जगदीशभाई रतीलाल रावल (एच० पू० एफ०) सुखीपुरा श्रहमवाबाद ।

(अन्तरक)

(2) त्रीवेनी टेरेस एपार्टमेंट धानर्स एसोसीयेणन, ग्रोरगेनायज, श्री ग्रोमप्रकाश ण्यामसुन्दर ग्रग्नवाल ए 2-2 एलाइट एपार्टमेन्ट, शाहीबांग ग्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त राम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, **थों भी**अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजा करा
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- शृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

मकान जिसका क्षेत्रफल 727, जो छादाबाड, म्रहमधाबाध में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन म्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्सा विक्रीखत नं \sim 5629, 5591, 5592, 5588, भीर 5589/15-5-81 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-। , अहमबाबाद

तारीख: 6-1-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982 निर्देग **सं**० पी० ग्रार० नं० 1576 ग्रर्जन रेंज 23 ¹ 81-82, ऋ**दा**। मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनयम, . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्^म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाट 269-ख के अधीन माअम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000 ∕- रः. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० सर्वे नं० 4248/3 4248/4 शरपुर बोर्ड-2 हैं तथा जो गारपुर ग्रहमदाबाद, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिद्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन में 1981

को पुर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्लास करनं का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदुदंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप संकिथत तही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभाके लिए:

वात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सुरेन्द्रभाई दीनाकरराय चापनरकर साई कृपां शारपुर मील कंयाउन्ड ग्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विलासबेन त्रोकमलाल वर्डसर ग्र-2-80, रष्कुल सोसायटी, शाहीबाग, भ्रहमदाबाद। (अन्तिरती)

को यर "चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्रिको करता हो।

उनत सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :-

- (क) ६ संसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी 🐘 📌 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

रपष्टिकिरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान जिसका क्षेत्रफल 74-69-82 भीर 76-64-52 जो णाहपुर ग्रहमदाबाद म स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वरणन श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्त्ता विकीखत नं० 5163/ में 1981 में दिया गया है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

तारीख: 6-1-82

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-। श्रहसदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1577 श्रर्जन रेज 23-1/ 81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें किन्दू परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 280 श्रौर 282, सब-प्लाट नं० 1 एफ पी० 92 हैं तथा जो टी० पी० एस० 29 हिस्सा श्री 225 पैंकी वाडज में स्थित है (श्रीर ६ससे उपाबद्ध श्रानुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 22-5-81

को पूर्वोक्त सपित्त के उचितं बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अक्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक चूंप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलित व्यक्तियों, मर्थात् :--

(1) श्रीमती तारागीरी नटबर लाल गाह 633 नाइवाडा, रायपुर, श्रहमदाबाद

(अन्सरक)

(2) श्री मीराबेन चंद्रप्रसाद पाठक 45, णांतीनगर सोसायटी, वाङज, श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अधाय 20-क मा परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 335 वर्ग यार्ड, जो वाडण श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन श्रहमदाबाद रिजिस्ट्रीकनी बिकीबत नं० 3077/22-5-81 में दिया गया है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजि-I, श्रह्मदाबाद

नारी**ख** 6-1-82 मोहर ः प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-[श्रह्मदाबाद एक दिलांच ८ जनकरी ४००

भ्रहमदाबाद, विनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० तं० 1578 श्रर्जन रेंज 23-ॉ /80-81--श्रत: मेक्से जी० सी० गर्ग,

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

थौर जिसकी सं० सर्वे नं० 280 श्रौर 282-2, सब प्लाट न० 1 एफ हैं तथा जो टी० पी० एस० 29, एस पी० 92 हिस्सा बी०-335 बाडज में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पृणं रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीनन 22-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सावधा के लिए;

भतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्रीमती तारागौरी नटवरलाल गार 633, नारवाडा, रायपुर, श्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र चंद्रप्रसाद यादव 45, शांतीनगर सोसायटी, वाडज, श्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै-45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 335 वर्ग यार्ड, जो वाडजें श्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरण वर्णन श्रहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्सा विकीखन नं० 3620-21/22-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्चन रेंज-I स्रहुमदाबादर्र

तारी**ख** 6-1-82 मो**ह**र ⊥ प्रकृष ग्राई० टी• एन• एस•---ग्रायकर ग्रविचियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रासा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० भार० नं० 1579 श्रर्जन रेंज 23-/I/ 81-82--- भत: मुझे जी० सी० गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का खारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- वपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 3218/5 है। तथा जो पेरेडाइज टोकिज पोरबंदर में स्थित है (श्रीर उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकरी के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखत में वास्तविक रूप से किंवन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रिष्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविद्या के निष्ट; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

श्रतः अव, उक्त अद्विनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में चक्त पश्चिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखन क्यक्तियों, अर्थात:——

(1) श्री गीरजाशंकर मृलजी थानकी वाडी प्लोट, पोरबंदर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जीवीबेन मामन करावदरा जुन्दाला. पोरबंदर

(भ्रन्तरति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूबना के राजपत्न में अकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीद, सर्वे नं० 3218/5 पैकी क्षेत्रफल 453-3 जो पराडाईज सिनेमा, पोरबंदर में स्थित है तथा जिका पूर्ण वर्णन पोरबंदर रजिस्ट्रीकर्ना बिकीखन नं० 1932/25-5-8 1 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

नारीखाः 7-1-82

मोहर 😗

प्ररूप आइ°.टी एन.एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अथीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 1580 भ्रर्जन रेंज 23-I/ 81-82--भ्रत- मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाब्द सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 3218/6 पैकी है । तथा जो पेरेडाइस सीनेमा के नजदीक पोरबंदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय पोरबंदर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-81

को पूर्वोजित संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रन्ते हुए प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन्न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सर्फ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रमनीक लाल एम० थानकी वाडी प्लाट, पोरबंदर

(अन्सरक)

(2) श्री वुला **मा**मत करावदर जुन्दाला, पोरबंदर (अन्तरिती)

को यह सूचभा फारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाव में सभाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्य किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

समसंची

जमीन जिसका सर्वे नं० 3218/6 पैकी श्रेककल 453-3 वर्ग यार्ड, जो पेरेडाइस सिनेमा पोरबंदर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन पोरबंदर रजिस्ट्रीकक्षा बिक्रीखस तं० 1930/25-5-81 में दिया गया है।

जी०सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजेन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीखः 7-1-82 मोहरः प्ररूप झाई। टी। एन।, एस।

आयकर प्रविनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-I, म्रहमवाबाद महमवाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 1581 श्रर्जन रेंज 23-1/81-82—श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन नअम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागार मृख्य 25,000/- हपये में प्रधिक है और जिसकी सं० 2263 णीट नं० 142 सी० एस० नं० 2 हैं। तथा जो भोजेश्वर प्लाट श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिंचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उदित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) धौर अस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीच ऐस प्रस्तरण के निए तम याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उपत श्रीध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घर या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय कर श्रिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रिष्टिनियम, या धनकर श्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु- . सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधीरा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्ः -- (1) साफरवेन श्रवन सींगोदीया (2) जयंतीलाल श्रवन सींगोदीया की और से (पी० ए० एव०), श्री परसोतम गोकर, गांव वडाला, तालुका पोवरबंदर जिला-जुनागढ़

(अन्तरक)

(2) (1) अचन अरसी (2) कीशोर अरसी मेमनवाडा, पोरबंदर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त जन्दी श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम क प्रक्राय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,जो उस ग्रुक्ताय में दिया गमा है।

अम्सूची

मकान जिसका क्षेत्रफल 346-5-0 वर्ग यार्ड, सी०एस० डब्स्यू० नं० 2, सर्वे नं० 2213 ग्रीर गीट नं० 142 जो भोजेग्बर प्लाट पोरबंदर में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन पोरबंदर रजिस्ट्रीकर्त्ता बिकीखत नं० 1795/14-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-1-82

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1582 ग्रर्जन रेंज 23-1/

81-82--ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 209, 209-1 ग्रौर 209-2 पी० टी० एस० 14 एफ० पी० 269 ए० सब म्लाट नं० 3, हैं जो णारीबाग में स्थित है (ग्रौर इससे उपापद्ध प्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याशय, ग्रहमदाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-5-81

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण शिक्त में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की वायत, उक्त अभिनियंश के ज्यौन कर दोने के जन्तरक के वासिस्य में कभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री जयंतीलाल जोयतराम पटेल स्यामलालदास खडकी, गांभ कतील तालुका महेमदाबाद, जिला खेडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागीरथी देवी बीशम्बरलाल श्रीर श्रन्थ नं० 16, उत्तर गुजरात पटेल सोसाइटी नं० 2, श्रसाखा, श्रष्टमदादाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **ह**ै।

अनुसूची

जनीन फुल क्षेत्रफल 652, पश्मिम सारङ, जो शाहीबाग ग्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन ग्रहमधाबाद रिजस्ट्रीकर्त्ता बिश्रीखत नं० 5019/2-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारी**ख** 6-1-82 मो**ह**र : प्रकृष् बाद. टी. एम्. एस.----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1583 श्रजंन रेंज 23-श्राई/ 81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परपात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 209. 209-1, 209-2 टी ज्पी ज्एम 14 है। तथा जो ऐफ-पी० 269 ए मब प्लाट नं० 3 शाहीबाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भ्रहमदा- बाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण जिल्लित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष; और/वा
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृत्या के लिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित स्युक्तियों, अभीत् :--

- (1) श्री जसवंतलाल रामवास पटेल म्यामलवास खड़की गांव मनींग तालुका मरेमदाबाद जिला खेड़ा । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमित भागीरथी, देवी बिशम्भरलाल श्रीर श्रन्य नं॰ 16, उत्तर गुजरात पटेल सोसायटी नं॰ 2, श्रसारवा, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

हक्स सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है दें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, सिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

नगस्यी

जमीन कुल क्षेत्रफल 652, पश्चिम साइड, जो शाहीबाग श्रहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूरण वरणन श्रहमदाबाद बाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 5020/2-5-81 में दिया गया है ।

जी ० सी ० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

तारीचा : 6-1-1982

मोहर 🎉

प्रकृप बाह् .टी. एत. एस. ------

भागमा, अभिनियमा, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-अ (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद विनांक 6 जनवरी 1982

निर्वेश सं० पी० भ्रार० नं० 1584 श्रर्जन रेंज 23-ा /81-82--श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

वायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत् विभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के विभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिस्का उनित बाजार मृज्य 25,000 राज्य से सिक्क है

ग्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2930 ग्रीर 2932, खाड़ीया-II है। तथा जो न्यू० सी० एस० नं० 1998 सं० 1998-3, ढालपोल, ग्रास्टोडीया, में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबढ़ प्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रध-कारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 14-5-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फा निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण गं-हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भगरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उपत ब्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्मिसियत व्यक्तियों नुर्धातः—

- (1) श्री रजनीकान्त म्लचंददास मीस्त्री, श्राणापुरी मालाफा खांचा, ढालपोल, श्रास्टोशीमा, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रमोद चंदुलाल भाषसार ब्राशापुरी माताफा खांचा, ढालपोल, श्रास्टोडीया, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संप्रित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के तावपन में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन की नदीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, को भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृषाग्रा
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित्बब्ध किसी सन्य ध्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त ध्रक्तों जीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान, झेलफल 72 वर्ग थाई, जो ढालपोल, आस्टोडीया, अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूरण वरणन श्रहबदा-बाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकी खत नं० 5594/14-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजिन रेज-! प्रमहदाबाद

तारीख 6-1-1982

प्ररूप आह . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारते सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काव्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1585 श्रर्जन रेंज 23-I/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहार गया है), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 8 श्रीर 9 है। तथा जो वीठल एपार्टमेंट, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-5-1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अपिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाजिए भा कियाने में स्विभा के लिए;

उत्तः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिक्ति स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० वी'ठल कंस्ट्रवंशन कंपनी भागी'दार श्री प्राण-लाल वीठलदांस राजदेव ग्रीर ग्रन्य, रेसकीर्स, राज-कोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रः पटेल लालजीभाई भवानभाई ऐ/ग्रो पटेल **ग्राइसकीम** रेस कोर्स के नजदीक, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना आरो करके पृषा कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धांकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनुसूची

कुकान नं० 8 और 9, विठल एपार्टमेंन्ट में, कुल क्षेत्रफल 1169 वर्ग फीट, तथा जिसका पूरण वरण न राजकोट रजिस्ट्री रिजिस्ट्रीकर्ता विक्री खत नं० 3220/6-5-81 में विया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-_T, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन त्यूना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

म्रहमवाबाद, विनांक 7 जनवरीं, 1982

मिर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1586 श्रर्जन रेंज 23-I/ 81-82---श्रतः मुझे जी० सी० गर्गे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 22/33 है। तथा जो जगानय प्लाट, राज-कोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मई 1981

को पूर्वों कर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुनों कर्त संपत्ति का उचित नाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएं तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कि धित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी नाय की वावत, अकत अधिनियम के जभीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के सिए;

अतः तकः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों, मीं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) को अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) अंजल कंस्ट्रक्शन कंपनः
 भागीदार भानुमत्ती कनैया लाल और ग्रन्थ
 15, सरदार नगर, राजकोट

(भन्तरक)

(2) श्री रसीकलाल चुनी लाल शाह 22/33, जागनाभ प्लाट, राजकीट ।

(अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पुर्वोक्त संस्थित के **अर्जन** के लिए कार्यवा**हि**यां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्तीक्षरी के पास लिकित में किए जा सकों गे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका यथा है।

वनृत्त्री

फ्लेट तीसरी मंजिल पर जो जागनाथ प्लाट, श्रंजल एपार्टेमेंट में स्थित है नं० 22/33 तथा जिसका पूरण वरणन राजकीट रिजस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 3541/मई 1981 में विया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमवाबाद

तारी**ख 7-1-1982** मोहर ः प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-ा म्रहमदाबाद

भ्रहमवाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982-

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1587 श्रर्जन रेंज 23-श्राई/ 81-82--श्रत: मुझे जी सी० गर्ग

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षण प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. है । तथा जो मोरवी, जिला राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1981

को पूर्वोक्त तंपीत्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिक्त के सिए जन्तिरत की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पण्ड प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तिरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्तीलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अनित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर वाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषान भे सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिवतं व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमित कस्तुरवेन वेवराज कथरानी जामनगर (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामजी जगराज मीरानी मारपी, जिला राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

गन्त्यो

जमीन श्रीर मकान जो मोरधी में स्थित है, क्षेत्रफल 4200 वर्ग फीट तथा जिसका पूरण वरणन मोरधी जिला राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखन नं० 1197/मई 1981 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाव

तारीखाः 7-1-82

माहर:

पहारे आहाँ टो.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आध्वकर आय्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज । श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1588 श्रर्जन रेंज 23–I/ 81-82—श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और

जिसकी सं० सर्वे नं० 1-4-4 पैकी प्लाट नं 2, प्लाट नं० 1, पैकी है। तथा जो गुरु दत्तावय मंदिर के नजदीक, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-5-81

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एमे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति किक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी वरने वा उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/का
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, ये धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रदित्यकुमार्रासंह जी इन्द्रविजयसिंह जी जाडेजा, देवाभाका चोक. जामनगर

(अन्तरक)

(2) श्री पांचनाथ एपार्टमेंट को० श्रा० हा० सोसायटी लिमिटेड, मीटा चेम्बर, जामनगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में काइ भी आक्षेप :-

- (क) . इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जमीन जो जामनगर में स्थित है नं । 1-जी-4, पैकी ब्लाम नं 2, प्लाट नं 1, पैकी क्षेत्रफल 7000 वर्ग फीट सथा जिसका पूरण वरणन जामनगर रजिस्ट्रीकर्सा विश्रीखत नं । 1608/5-5-1981 में दिया गया है।

जीं० सीं० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

नारी**ख**: 7-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज-I घहमदाबाद

महमदाबाद, विनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० म्नार० नं० 1589 म्रर्जन रेंग 23-1/ 81-82---मतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जी-4-1, पैकी, प्लान नं० 6, प्लाट नं०-15, है तथा जो जामपुरी एस्टेट, जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त जिल्लामियस की जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा को जिए; जोर/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धर्म या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्समा, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 मा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिचाने में स्विधा के जिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन निम्निहिण्डित व्यक्तियों, अर्थात् डि—— (1) श्रीमिति कमलाबेन मनमुखलाल देसाई श्रीमिति ताराबेन रमनीकलाल देसाई कुल मुखत्यार:—नीरंजन नवलचंद वसा कडीयावाड, जामनगर

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र शशीकान्त पटेल कुल मुखत्यार:—सत्य-वती मनसुखलाल रहेमतपुरा, सगीर—मनोज मनसुखलाल जयकुमार मनसुखलाल, ईसबाई मस्जीद के नजधीक, जामनगर

(अन्तरिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के बिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्त में किए जा सकोंगे।

स्पृष्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवह अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन जो जामपुरी एस्टेट, जामनगर में स्थित है सर्वे नं 1-जी--4, पैकी प्लान नं 6, प्लाट नं 15, कुल क्षेत्रफल 8400 वर्ग फीट तथा जिसका पूरण वरणन जाम-नगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 1497/मई 1981 में दिया गया है।

जी सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, सहमदाबाद

तारीख: 7-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1590 शर्जन रेंज 23-I/ 81-82-श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० रे० स० नं० 3/1, 4/1, पैकी प्लाट नं० 8 है। तथा जो शंकर टेकरी जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के. कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1981

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1981 का पूर्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-दार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलत, व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) श्री गोविन्दभाई पूंजा (एल० ऐच०), (1) गंगाबेन गोविन्दभाई
- (2) रमेश चंद गोविन्दभाई 49, दिग्वीजय प्लाट, जामनगर
- (3) निर्मंलाबेन नरसीवास पटेल, श्रीर श्रन्थ 41/34, इन्द्रदीय सोसायटी, जामनगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र करसनदास पटेल, जोली बंगला के सामने, जामनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वांक्त सम्पृत्ति को अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिस्कत जो गंकर टेकराके नजदीक, जामनगर में स्थित है। रेवेन्यु सर्वे नं० 3/1-4/1 त्लाट पैकी प्लाट नं० 8, कुल क्षेत्रफल 434.70 वर्ग मीटर तथा जिसका पूरण वरणन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 1763/15-4-1981 में विया गया है।

जी॰ सी॰ गर्ग, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1 ग्रहमदाबाद

नारीख: 7-1-1982

प्रकृप बाइ .टी.एन.एत.-----

जायुक्सर जि. भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज । प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्वेश सं० पी० भ्रार० नं० 1591 श्रर्जन रेंज 23-1/81-82-अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकृष के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दश्यमान प्रतिफल के प्रवृह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तर्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा(1) के स्थीन निम्निलिखित स्मृतित्यों स्थृत्ः--

- (1) श्री विजयसिंह माधवदास दिग्विजय प्लाट, जामनगर है (अन्तरक)
- (2) श्री हमीरभाई लक्षमनभाई म्राहीर, श्री मनिलकुमार लक्ष्मनभाई म्राहीर नवागाम गेट, जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्योक्ति सम्मिरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों, और पर्वों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस उध्याय मो दिया गया है।

नन्स्ची

मिल्कत जिसका पूरण वरन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 1765/16-5-1981 में दिया गया है ।

> ंजीं० सी० गर्ग, **स्क्रम** प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

तारी**ख** 7-1-1982 मो**ह**र : प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० आर० 15**9**2 एक्बी० 23—I/81-82 श्रतः मुझे जी० मी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 29-61-2 पैकी है तथा जो जामनगर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबंद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 28-5-1981

को पूर्वो कित सम्मिति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह चिह्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण् लिखित में वास्तिक रूप से किश्यत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

सत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :——

- (1) श्री मोहनलाल हरीलाल दवे, यशोधरा मोहनलाल दवे ऐक्ष० एच० मोहनलाल हरीलाल दवे
 - (2) शशीकांन्स मोहनलाल दवे श्रीप दूसरे मंगलवाग के पास, जामनगर

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्द मनीलाल रुपारालिया जयेन्द्र मनीलाल रुपारालिया, जयेश मनीलाल रुपारालिया, महालक्ष्मी चौक, जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

बम्स्ची

मिलकत जिसका सम्पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता कार्याक्षय जामनगर में रजिस्ट्री नं० 1937 ता० 25-5-1981 को बिक्री दस्तावेज में नं० सी० एस० नं० 29-61-2 से ग्रंकित किया गया है । मिलकत का घेराव 1096.5 वर्ग फीट है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख** : 7-1-1982

मोहर 🔢

प्ररूप बाह्र . दी. एन्., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1563 ऐक्वी 23-1/ .81-82---श्रत: मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 322/1 है तथा जो महुवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, महुवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तर्विक कप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूबिधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः क्षत्र, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) खटक मात्रजीमाई सीवाभाई ग्रीर सदस्य महुवा (अन्तरक)
- (2) गायत्रीनगर को० स्रोप० हार्जामग सोसायटी लिमिटेड प्रेमीडेंट पढीयार रामसिंह भाई मनुभाई महुवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसमी

मह्वा की जमीन जो नं० एस० नं० 322/1 पैकी ऐक्ट गुना 5 जिसका संपूर्ण वर्णन बिक्षी दस्तावेज जो रजिस्ट्री नं० 558 ता० 30-5-81 को सब रजिस्ट्रार कार्यालय, महुवा में ग्रंकित किया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज, श्रहमदाबाद

तारीख 11-1-82 मोहर: प्रसप माई० टी० एन० एस०-

श्रायकर ग्रिझिनियप, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंजा, श्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाध, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1594 ऐक्की० 23-I/ 81-82-प्रतः मुझे जी सी० गर्ग आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं प्लाट नं 516-ए बी | 3 % 516, ए बी | 4 है तथा जो सी एस वार्ड-4 भावनगर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-5-81 को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अदेश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक अप से कथित कहीं किया पया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वाबत उक्त बिध-नियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को वामिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिल्पाने में मृतिधा के लिए;

अतः अस, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तित्यों, सुभात ह

(1) श्री चमपाबेन पोपटलाल भावनगर गांव :- श्रकरू तालुका :- श्रंधुका

(भ्रस्तरक)

(2) श्री रणछोड़दास गोरधनदास भावनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीवन पर्यात्त के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूजोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास रिक्ति में दिन्यू या सकाये।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन श्रौर मिलकत जो शीशुविहार, भावनगर में प्लोट नं० 516 एे० बी०/3 श्रौर 516 एे० बी०/4 सी० एस० वार्ड नं० 5 से श्रोंकत हैं। जिसका क्षेत्रफल 470.5 वर्गमीटर हैं। जिसका पूर्ण वर्णन बिक्रीपत्न में सब रजिस्ट्रार कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्री नं० 1047 से ता० 14-5-1981 को श्रंकित किया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) **ग्रज**म रेंज ^I, **ग्रह**मदाबाद

तारीच : 11-1-1982

प्ररूप माई० टो० एन० एस०----

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त अायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज । अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1595 श्रर्जन रेंज 23-1/81-82--श्रतः मुझे जी० सी० गर्ग आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस पे परवात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 94/1 पैकी है तथा जो गांव नवागढ़ सीम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पत्द्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्त्रिक का से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

(1) गोमीबेन गोविंद, गांव नवागहु, तालुका जेतपुर, जिला राजकोट,

(अन्तरक)

- (1) श्री मगनलल गोरदनदास पटेल कनकीया-प्लाट, जेतपुर।
- (3) वसन्त कुमार कुरजीभाई पटेल, पटेल सोसायटी, जामनगर
- (3) श्री श्रशोक कुमार जमनावास पटेल,
- (4) श्री जमनादास कुरजीभाई पटेल, पटेल सोसायटी, जामनगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोत्तस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्तः ं नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

जमीन जो नवागढ़ गांव सीम, तालुका, जेतपुर, में स्थित है, सर्वे नं 94/1, चैंकी क्षेत्रफल एकड़-1 00 गुंडा तथा जिसका पूरण वरणन जेतपुर रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं 658, 659, 550, 661, 662/28-5-1981 में दिया गया है ।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद

तारीख: 12-1-1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.,----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1596 श्रर्जन रेंज 23—I/ 81—82——श्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० शीट नं० 207, प्लाट नं० 99-ए-2, वार्ड नं० 7है तथा जो भावनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-5-1981 को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान तिकल के लिए अंतरित की गर्द है और मुभे यह विद्यास करने

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्ति किन व्यक्तियों, अर्थात :---:

(1) निर्मलाबेन प्रतापराय चंदराण मेरलोर, बालचत्ता, न्यू रोड, कर्नाटक स्टेट ।

(म्रन्तरक)

(2) गुरुक्तपा को० म्रो० हा० सोसायटी, लिमिटेड प्रमुख महेशकुमार जयंतीलाल बदानी तखतेश्वर तलाटी, हालानाला, प्लोट नं० 99 ए-2, भावनगर। (ग्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिलित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। .

वन्स्ची

मल्कियत जो कालानला, भावनगर में स्थित है, प्लाट नं० 99-ए-2, मीट नं 207, वार्ड नं० 7, कुल क्षेत्रफल 963.55 वर्ग मीटर तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकीखाता नं० 997/7-5-81 में दिया गया है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयूक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, श्रहमक्षाबाद

तारी**ख** : 12-1-1982

मोहूर 😘

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज 1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० ध्रार० नं० 1597 भ्रर्जन रेंज 23-I/ 81-82--ध्रतः मुझे, जी० सी० गर्ग

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त' अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 544 पैकी है तथा जो कुपाडावा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राज-कोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-5-1981

को पूर्वांक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिचत से अभिक है बार अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अंतरितियों) के धी एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृष्यत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से ष्टुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गोविदभाई ग्रमरभाई रनछोड़भाई गोविन्दभाई महेन्द्र गोविन्दभाई कुपाडवरा राजकोट

(अन्तरक)

(2) मेर्नेजिंग डाइरेक्टर मैं० रोबीन्स बीस्फीट प्राइवेट - 'लिमिटेड, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप?--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भग है।

अनुसूची

जमीन को गांव कुपाडवा में स्थित है, सर्वे नं० 544 पैकी क्षेत्रफल एकड़ 8-17 गुंठा तथा जिसका पूर्ण वर्णन राजकोट रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 3064/15-5-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 12-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भाग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज I श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1598 श्रर्जन रेंज 23-1/ 81-82-श्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. सं अधिक और

श्रीर जिसकी सं० 1-जी 4 प्लान नं० 5, पैकी प्लाट नं० 6 है तथा जो जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-5-1981

को पूर्वों करा संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथत, नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आम की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर खिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) डा० श्रमृतलाल प्रभाशंकर शुकल श्रीमित राजश्री ग्रमृतलाल शुकल, मोटर हाउस के सामने, बेडी बंदर रोड, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) चंपकलाल रावजीभाई मोकडीया श्री हरसुखलाल रावजीभाई मोकडीया, जयंत सोसायटी, जामनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन और मकान जो बेडेन्धररोड पर स्थित है। सर्वे नं० 1, शीट नं० 4, मुख्य भाग जी प्लान नं० 5, पैकी प्लाट नं० 6, कुल क्षेत्रफल 334.45 तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1624/6-5-81 में दिया गया है।

जी'० सी'० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)' म्रर्जन I, रेंज म्रहमदाबाद

नारीख : 12-1-1982

भूरूपु बार्ड्, दीं, एन्, एस्.--

भागकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 14 जनवरी 1982

इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से मधिक है

ष्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 11-2, सी ऐस० नं० 11-5-7 है तथा जो जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1 908 का 16) के श्रधीन 11-5-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐप अन्तर्य के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इस्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुईी फिसी आय की बाबत, उक्त धाध-नियम के अधीन केर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के बुधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, बुधीत् हन्न- (1) श्री शामलदास वशराम मामतोरा, रसीकलाल शामलदास मामतोरा, नरेशकुमार शामलदास माम-तोरा सोलेरीयम के नजदीक, जामनगर

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रारीरंत एपार्टमेंटस छो० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड मार्फत महाबीर मेडीकल स्टोर्स, राजेन्द्र रोड, जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन क' कारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वन्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत जो जामनगर, गीरधारी मंदिर के नजदीक सी० एस० नं० $11-\frac{1}{2}$ /7 पैकी सर्वे नं० 11/2, क्षेत्र फल 4620 वर्ग फीट तथा जिसका पूण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 1692/11-5-1981 में दिया गया है ।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

तारीख : 14-1-1982

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰⊸-

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-१।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1982

सं. 99**7/एवयू.** रॉज. 3/81-82--यतः मुक्ते, एम. अवस्ट

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा .269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मृह्य 25;000/- ६० से मिक है

और जिसकी सं. 69/1 है तथा जो पूर्णवास राष्ट्र, कलकरता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकरता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीस 11-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य ने उनत प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त ग्रधिनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:—

(1) श्रीमती मिता बानाजी

(अन्तरक)

(2) अनिल क्मार म्सर्जी और दूसरा

'(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बग्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य अयक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमं प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो अकत प्रधिनियम के ग्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जा उस ग्रष्टमाय मे विया गया है।

जनसची

69/1, पूर्णवास रोड, कलकत्ता 7कं.—1छ.—42 वर्ग फुट जमीन पर मकान (1/7 श्यर)

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-।।।, कलकर्ता-16

तारीस : 6-1-81

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भा**यकर भश्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा** 269-प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1982

निर्देश सं० 998एक्यू/रेंज-III/81-82--श्रतः मुझे, एम० श्रहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 69/1 है तथा जो पुर्णदा्स रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशा से पश्चिक है और यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और गुम्मरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय. की बाबत उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रुस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा जियाने में सुविधा के लिए;

जतः सब, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रतीन निस्निनिधान का दिल्लों, स्वीत् :---

(1) राधाराणी बानारजी

(अन्सरक)

(2) श्री श्रजित कुमार मुखारजी ग्रौर दूसरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजेंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारोख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवळ किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'एक्त श्रधि-नियम', के अन्याय 20-क में परिभावित हैं; वही श्रवं होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है ।

मनुसूची

69/1, पुर्णदास रोड, कलकत्ता, 7 कें0-1 छटाक0-42 वर्ग फुट जभीन पर मकास (7 शोयर) ।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता -16

तारीख : 6-1-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पुना दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० ग्रार० हवेली-II/मई 81/ 562/81-82--ग्रतः मुझे शशिकान्त कुलकर्णी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सि० स० नं० 1281-ए एफ० पी० नं० 665 है तथा जो णिवाजीनगर, पुणे 5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक, हवेली II में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मई 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल मिक्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) यशवंत भिकाजी जोशी, (2) यशोदा यशवंत जोशी,
 (3) अनंत यशवंत जोशी, (4) निशा यशवंत जोशी (5) अरूण देशपांडे, 1281,
 शिवाजीनगर, पुणे 5 ।

(अन्तरक)

2. (1) चंद्रकान्त बाबुराव टोलगे (2) वावासाहेब बाबुराव टोलगे 1416, कसबा पेठ, पुणे 2 ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध अदि में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ररी के प्रकाशिक में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

खुली जमीन भ्रौर ऊपर की इमारत जो सि० स० नं० 1281-ए, एफ० पी० नं० 665, शिवाजीनगर, पुणे 5 में स्थित हैं।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत बिलेख ऋ० 3127 जो मई 1981 को दुय्यम निबंधक हवेली II के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकान्त कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 13-1-1982

मोहुर 🗄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी, 1982

निर्देश सं० ए० सी० $75/\bar{t}$ ज, \mathbf{TV}/\mathbf{a} ल/1981-82---श्रतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्याद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्ठाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो बेगनिया बराकर में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और, पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रामनसोल में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-5-1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का अरण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दें प्रतिभत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्निलित उद्देश्य से अक्त अन्तरण विज्ञित में वास्तरित हथ से कार्थन मही किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; शर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीयं आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना काहिए था, कियाने हो सुरित्त

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन 'निम्नलिखित व्यक्तियमें, सर्थात् — 5—466GI/81

1. (i) श्रीप्रति स्तेह णील चन्द्र (ii) श्रानन्दमयी बीट भोला देवी सिंह,

(भ्रन्तरक)

2. श्री दुलाल चन्द्र पाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस तचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविश्व जो भी अविश्व वाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है

अससची

्जमीन 1 बीबा, 11 कट्टा, 31 छटांक पता—मीजा-बराकर, थाना-कुलटी जिला—बर्डमान दम्तावेज संख्या 1981 का 3326 ।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी तहायक ग्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज , कलकत्ता

नारीख: 1-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की । श्रादा 259 घ (1) के भ्रम्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया व्यापक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 1 जनवरी 1982 निर्देश सं० ए० सी० 76/रेंज-IV/कल/1982—82—— श्चतः मुझे, के० सिन्हा

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रापये में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 44 है तथा जो देन्जसे पारा रोड़ बाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर, पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय 12-5-1961 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का स्थाप है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रक्रिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिश्वक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किस्ते भ्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिक कि । ति । से के ग्रेथीत कर देने के प्रत्तरक के दायित्व में अभी करने जा उससे बचते में मुनिधा के जिए;
- (भ) ऐसा फिता आय वा किसा धन या ग्रन्थ श्रास्तियों
 का जिन्हें भारताय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीननार्थ अन्तरित्त अप्याप्त नहीं किया ग्या था या किया गाना शिहिए था, छिमान में सुविधा के लिए;
- ताः श्राः, उनन बाधनियाः, हा तारा 209-ग के स्रनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् क्ष-=

- (1) मैं ० एस० टी० पी० सन्तसम (प्रा०) लि०। (श्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सुनना जारी कर हे पूर्वीका सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खालेप :---

- (क) इस प्रचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद ने समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उना स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सबोंगे !

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों ग्रीर पटों का, वो उक्त स्रधि-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स् ची

जमीन--6 क० 11 छः वर्गफुट समेत मकान पता-44, जन्गसै पारा रोड़, पां० आ० बाली, जिला 24 परगना दलील संख्या 2479 का 1981।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-IV, कलकला-16

तारीख: 1-1-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आहर टी. एन. एस.----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० सी० 77 रेंज-IV/कल/1982-82-

अतः मुझे, के० सिन्हा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- गे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 43 है तथा जो दिगसैपारा रोड, जिला हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन तार्राख 12-5-1981

- को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्यमान प्रिक्षण के खिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह जिस्कात के एने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफाल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति अक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृष्धा के लिए और/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अरु: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अपूज्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधास्त्र (1) के अधीन, निक्कृतिकित अधिन्यम भूषात्:—

- (1) एम/एस० टी० पी० सेन सोन्स (प्रा०) लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिष्नू चन्द्र साव

(ग्रन्तरिती)

कार यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद गें दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 2 क. 14 छ / 35 वर्गफुट मकान समेत पता 43, दिनसैपारा रोड, थाना बाली, जिला हावड़ा दलील संख्या नं० 2530 का 1981।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज [V, कलकला-16

तारीख: 1-1-1982

प्रसप आई० टी० एन० एस०-------

ग्रानकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-प (1) के घंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1V, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 1 जनवरी 1982निर्देश सं० ए० सी० 78/रेंज-1V/कल/1982-82--श्चराः,

मुझे के० सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), हो धारा 269-ख के अधीन सक्तम अधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है प्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो श्रन्डुल रोड, जिला हावड़ा स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-5-1981

को पूर्वोक्त सम्मास के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोपत सम्मास सा उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, दृष्यमान प्रतिकल है और प्रतिकत (अन्तरिक) का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतिप्रण जिल्लित में वास्तिवक रूप से किया गर्दी किया गया ग्री किया गर्दी क

- (क) अन्तरण से हुई किसा आय का बाबत, उसत आंध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बनन में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय जा कि इन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जिल्हा जाना टाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त प्रधिनियम को बाद 269-ग क श्रह-सरण में, में, उक्त अधिनियम हा धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों; ग्रथीत :— (1) श्री तिदिब रंजन बोस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रशोक कुमार थिरानी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र ए प्रकाशन को तारीख ए 45 विन की प्रविध पा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध ताद में अपाप्त होती तो, के भीता पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़ितवड़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, भधोत्रस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जी उक्त अक्षित्रिया, के जनवाद 20-क में परिभाषित है, नहों पर्य गाए जो उस अध्याय में दिया स्या है

अनुसूची

जमीन---16 के. 10 छ० 29 वर्गफुट मकान समेत, पता 119, श्रन्डुल रोड, जिला हावड़ा, दलील संख्या नं० 4345 का 1981।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 1-1-1982

मोहर 😲

प्ररूप बाहें. टी. एन. एस.-----

आयवार जीवनियम, 1961 (196) का 43) की भारा 269-म (1) की अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहांथक आयकर भायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकता, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० सीं० 79/रेंज-IV/कल/1981-82--ग्रतः मुझे के० सिन्हा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि विशास विशेष विश्वास करने का कारण हैं कि विशास विशेष विशेष कि कि कारण हैं कि विशास विशेष हैं कि विशास विशेष हैं कि विशास विशेष हैं

ग्नौर जिसकी सं० 119 है तथा जो श्रन्डुल रोड, हावड़ा स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-5-1981

को प्वेंक्ति संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वाम करने का कारण हो कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्निति कि उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (फ) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, बीट्र/भा
- ्ष्म, एसंडाकता जाव . उक्का वस का का का व्या था, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निद्

मतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा ()) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चित्रा राव

(अन्तरक)

(2) कुमारी पूनम चन्द्र थिरानी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामील के 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाट के समाप्त होती ो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समानि में हितबद्ध किसी अन्य गिका द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पट्निकरण:--इसमे एपुक्त शब्दों और पदों ना, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 16 क. 10 छ. 20 वर्गफुट मकान समेत—पता— 119 अन्डुल रोड जिला हावड़ा, दलील संख्या नं० 4346 का 1981।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज- , कलकत्ता

तारीख 1-1-1982 मोहर : प्ररूप आर्षं . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी 1982

निर्देश सं० ए० सी० 80/रेंज-1V/कल/1981-82-म्झतः मुझो, के० सिन्हा,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 119 है तथा जो अन्धुल रोड जिला—हावड़ा स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-5-1981

को पूर्वों क्त संपत्ति के उषित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपृत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त **अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक** के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृतिधः के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्पों को, जिन्हें भारतीय आपकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अन्तः अश्वा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घंकी उपधारा (1) के अधीन निक्तितिकत व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्रीमती श्रमल प्रभा गोस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नोरेन्द्र कुमार थिरानी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण्:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खेक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनक्की

जमीन 16क 10 छ 29 वर्गफुट कमान समेत, पता 119 ग्रन्डुल रोड, जिला हावड़ा, दलील संख्या नं० 4347 का 1981 ।

> के० सिन्हा स**क्षम प्राप्यकारी** हायक आ**वकर आवृक्त (निरीक्षण**) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारी**ख** 1-1-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्का

भारत सरकार

क्रवितय, नहारक आराजर जानुबद (निर्देशक) श्रवीन रेंज-IV, कलकत्ताः

कलकत्ता, दिनांक 1 जनवरी 1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एएचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है'तथा जो खानपुरुकर जिला बर्दवान में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बर्दवान में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-5-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के रृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रास्पिक च्या में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं. टर्ड िलमी शाय की बायत. जनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमा करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिलिया के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के लधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

(1) श्री हेमन्त कुमार सेन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोरंजन कुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशोंकत सम्पृत्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- स्वूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्कों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है तथा उनका वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया है।

अमृत्यी

जमीन 5 क. 3 छ, मकान समेत पता खान पुकूर, भद्रा-पाली कलान गेट, जिला—बर्दवान दलील संख्या नं० 2027 का 1981 ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV. कलकत्ता

नारीख: 1-1-1982

प्ररूप आहें . टा . एन . एस . ----- --

(1) श्रीमनी कमला चटर्जी

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी निरंजन राय

(भ्रन्तिरती)

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० ए० सी० 73/रेज-IV/कल/1981-82---भ्रत: मुझे के० सिन्हा

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम कहा गमा है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो श्रशोक परुली श्रासानसोल स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रासानसोल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15-5-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल के पम्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निक्तिलिखत उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किंगाने में सविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बन्नीन नियमिकिक व्यक्तियाँ अर्थीतः --

को यह सृचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि हाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों हो में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहरनाक्षरी के पाम लिलिस में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 6क. 5 छटाक पता--ग्रामोक पल्ली, थाना---श्रासनसोल, जिला-वर्डमान ।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी भड़ाक्ष्य आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीखा: 31-12-1981

भोहर :

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०----

शायकर अधिनित्तव, 1981 (1981 का 43) की झारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० ए० सी० 74/रेंज-IV/कल/1981-82— यसः मुझे, के०सिन्हा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका हरित अधिर मुख्य 25,000/- ४० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्रशोक पर्ली, ग्रासानसोल में स्थित है ग्रौर (इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रासानसोल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16-5-981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत से अधिक हैं और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रचीन कर देने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के शिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुत्तरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निविद्यत ग्राक्तियों भ्राचीत:——
16—466G1/81

(1) श्रीमतः कमला चटर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक राय

(अन्तरिती)

को यह भूचना गारी करते पूर्वीनत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस पुचना के राजपन्न में प्रकाणन की जारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, या भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिका में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

जमीन 5 कट्ठा, 13 छटांक, पता श्रामोक पल्ली, थाना— श्रासानसोल, जिला वर्द्धमान दस्तावेज सं०—1981 का 8140।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणी) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख 31-12-81 मोहर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज म्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० एएसम्रार/81-82/310-म्रातः मुझे म्रानंद, सिंह माई० भ्रार० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हू"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० एक इमारत (पार्ट है तथा जो पुरानी माल मंडी भ्रमृतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981

- की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा स्था प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिये; और/या
 - (था) एसी किसी अभ्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कतः वद, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन निम्मिसिकत व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) मेसरज पंजाब राइस मिल्ज बटाला द्वारा छजू राम पुत्र वधावा राम 3/15 भाग व दूसरे (अन्तरक)
- (2) श्रीमिति क्रिज रानी विधवा रोणन लाल व दूसरे द्वारा हरी गरन

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (पंजाब राज्य बिजली बोर्ड बटाला) (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) श्रीर कोई

्वहं व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह अपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त , अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गवा है।

अन्सूची

1/2 भाग इमारत नं० बी० 111-900 901 (भाग III) , जो बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 1415 तिथि 2-6-5-81रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी बटाला में दर्ज है।

स्नानंद सिंह धाई स्नार एस सक्षम प्राधिकारी सहाबक जाबकर वायुक्त (निरीक्षण) (म्रजैन क्षेत्र) 3, चन्द्रपुरो स्नमृतसर

तारीख :19-12-1981

प्राक्षप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीत मूचना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

^{[भ्र}मृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० एएसग्रार/81-82-311---श्रतः मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० ग्रार० एस०

आएकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका खनित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ही और

भौर जिसकी सं० एक इमारत (पार्ट III) है तथा जो पुरानी माल मंडी भ्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण जिखान में नास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सम्तरण से हुई किसी आप का शवा उ≒त श्रीश्रीनयम के मंधीत कर देते के सम्बन्क के दायस्य में कभी करने या उसने दस्ते हैं सुविधा के सिए; और/या
- (खे ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अथ्य भारतयों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिधिनियम, या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त ग्रंबिनियम की धारः 269-ए रे ग्रनुसरण में, मैं, उस्त भ्रंबिनियम की बारा 269-ए की उपदारा (1) हे अधीन, निम्<u>निक्तिक्त</u> व्यक्तियों, अर्थात् हु-- (1) मेसरज पंजाब राइस मिल्ज बटाला द्वारा छजू राम पुत्र वधाबा राम 3/15 भाग व दूसरे

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित पुष्पा वती पत्नी हरी गरन, बटाला व दूसरे द्वारा अमन लाल

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो, पंजाब राज्य बिजली बोर्ड बटाला (1)

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) म्रोर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सुम्प्रात्ति में हितबव्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 48 दिन की संबंधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहक्ताकरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गढ़्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस सक्ष्याय में विया गया है।

वनुसूची

1/2 भाग इमारत नं० बी० 111-900-901 (भाग III) भो बटाला में हैं जैसा सेल डीड नं० 1423 तिथि 27-5-1981 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी बटाला में दर्ज है।

म्रानंद सिंह, म्राई मार एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, 3, चन्त्रपुरी भ्रमतसर

तारीख: 19-12-81

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रम्तसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निर्देश सं०ए एस ग्रार/81-82/312—ग्रतः मुझे ग्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 5215/15 है तथा जो सुलतान-विंड, गोविन्द नगर श्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- (1) श्री मिहन्द्र सिंह पुत्र सुलखन सिंह वासी गोबिन्द नगर सुलतानविंड रोड श्रम्तसर

(अन्तरक)

(2) श्री दौलत राम पुत्र संत राम वासी गली नं० 1, मकान नं० 5215/15 गोविन्द नगर सुलतान विंड रोड श्रमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रोर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, जो जनसः विश्वितमा, के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5215/15 जो सुलतानविंड रोड गोविंद नगर श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 4294 तिथि 20-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, भाई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 19-12-1981 मो**ह**र ा प्ररुप आई. टी. एन. एस. ------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 19 विसम्बर 1981

निर्देश सं० एएसम्रार/81-82/313--श्रतः मुझे म्रानंद सिंह म्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्भाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूस्य 25000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी संख्या खाली प्लात जो फैजपुरा रोड बटाला है तथा जो बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्नरण ो हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसने क्यमें में संविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर चिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धाधिनयम, या धन-कर घिषियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घम, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः—

- श्री हरसा सिंह पुत्र लंका वासी गांव फौजपुरा बटाला (श्रन्तरक)
- 2. मंसरज जं. के. मकेनीकलज वकर्स फौजपुरा रोड बटाला

(मन्तिरती)

- '3. जैसा उत्पर सं. 2 में कोइ किरायौदार हो (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- *4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारो में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील में 30 दिन की ग्रविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा। 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, थो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली पलाट को 1287 व. ग. है जो फौजपुरा रांड बटाला में है जैसा कि सेल डीड न. 1574 तिथि 29-5-81 रिजस्टरीकर्ता अधिकारी बटाला में वर्ज है।

> आनंद सिंह, आईं आर एस. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख: 19-12-81

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2699(1) के प्रधीन सूचका

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 28 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० ए एस श्रार/81-82/314--श्रतः मुझे आनंद सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सीति बाजा मूल 25,000/ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक कोठी नं० 21 है तथा जो एलबर्ट रोड अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिशत से, एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने गाउससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निमन्तिसक्त व्यक्तियों अधीतः---

(1) श्री रमेश नागपाल एडवोकेट पुत्र बलदेव दास नागपाल 6/73 पंजाबं∶बाग नई दिल्ली ग्रब पोलीस लाइन ग्रमृक्षसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रनधीर सिंह पुत्र ग्रमर सिंह वमनजीत कोर्र पत्नी रनधीर सिंह 21 एलबर्ट रोड ग्रमृतसर

् (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

(4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधी-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो औी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कहा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 21 का जो एलबर्ट रोड श्रमृतसर से हेजेसा सेल डीड नं० 2858 दिनांक 13-5-81 श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानंद सिंह, ग्राई ग्रार० एस० , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, ग्रमुतसर

तारीख 28-12-1981 मोहर ः प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 28 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० ए एस भार/81-82/315--भ्रतः मुझे श्रानंद सिंह भाई श्रार एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एक कोठी नं० 21 है तथा जो एलबर्ट रोड भ्रमृतसर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन मई 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अम्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के तिए; अर्द्रिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री रमेश नागपाल वकील पुत्र बलदेव दास नाग-पाल 6/73 पंजाबी बाग, नई दिल्ली श्रब पुलीस लाइन श्रम्तसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महिंद्र सिंह पुत्र श्रमर सिंह व जितद कौर पत्नी महिंद्र सिंह वासी 21 एलबर्ट रोड श्रमृतसर (श्रन्तरिती)

(2) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मति हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोचत संपत्ति के अर्जन के जिड़ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त अपृतित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त क्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्हीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उवक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 21 जो एलबर्ट रोड अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 4724 तिथि 20-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी अमृतसर में वर्ज है।

> श्रानन्द सिंह भाई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज, ग्रमृतसर

तारीख: 28-12-81

मोक्हर:

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

आयकर **प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43)** की **धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० एएसग्रार/81-82/316--ग्रतः मुझे ग्रानंद सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), को धारा 239-घ के अधीन सक्षम एए प्रिकारी की पह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ह० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० एक गुवाम है तथा जो सरहाली रोड तरन तारन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारी ख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से भधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये जय पाया गया अतिफल, निम्नानिकत उद्शय से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक कर से कथित नहीं किया। गया है ।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अह को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वैने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने के सुक्षिण के लिए: और या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तिगों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थं अस्परिती कारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिलाने ये मृश्वित के लिए;

ग्रतः अत्र, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निम्नुलिखित अयुक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरदीप सिंह पुत्र संतोख सिंह वासी ठठींया महंतीय गांव शकरी तहसील तरन तारन

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसरज दीप ट्रैक्टरज सरहाली रोड तरन तारन (म्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो पंजाब स्टेट वेयर हार्जिसग कारपोरेणन (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) भीर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितव**द्ध हैं)**

को यह सूचना जारी करके पूर्णीक्त सम्पत्ति के सजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन सन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपन्न में पकाशत की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की क्षामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राप्तीदृश्वाकरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शक्दों और पद्यों का, जो जकत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुदाम का 1/3 भाग जो 2 कनाल 3 मरले है जो सर-हाली रोड तरन तारन जिला ग्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 917 तिथि 15-5-1981 तरन तारन में दर्ज है।

> आनंद सिंह, आइ आर एसू. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, 3 चन्त्र पुरी, अमृतुसर

तारीख: 28-12-1981

मोहर 🖫

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

ग्रम्तसर दिनांक 28 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० एएसग्रार/81-82/317--श्रतः मुझे ग्रानंद सिंह ग्राई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० एक गुवाम है तथा जो सरहानी रोड तरन सारन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित साजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेष्य से उच्त अन्तरण जिल्हित में वास्तिषक रूप से किशान नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित क्रिक्ति।

- (1) कमला रानी पत्नी करनैल सिंह वामी तरन तार न (भ्रन्तरक)
- (2) मेमरज दीप ट्रैक्टरज मरहाली रोड तरन तारन (ग्रन्नरिती)
- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किरायेदार हो (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- (4) स्रोर कोई
 पंजाब स्टेट वेयर हार्डीसग कारपोरेणन
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अथोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कॉर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुवाम का 1/3 भाग जो 2 कनाल 3 मरले है जो सरहासी रांड तरन तारन जिला अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1061 तिथि 21-5-1981 तरन सारन में दर्ज है।

> श्रानन्य सिंह ब्राई० ब्रार० एस०, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयष्टार आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज, श्रमृतसर 3 चंद्रप्री श्रमृतसर

तारी**व** : 28-12-1981

मोहरू 🛭

प्ररूप भाइं.टी. एन. एस. ------

inter offer Filt 1

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

ग्रमुतसर विनांक 28 दिसम्बर 1981

निवेश सं० एएसग्रार /81-82/318---ग्रतः मुझे श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक गुदाम है तथा जो सरहाली रोड तरन तारन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यायल तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल के एसे रहयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (क) एसी किसी लाय या किसी धन था अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गता था या किया जाना जासिए था, जिएतो में सुविधा के लिए;

- (1) राम रानी पत्नी सरवारी लाल बासी तरन तारन (अन्तरक
- (2) मैंसरज दीप ट्रैक्टरज, सरहाली रोड तरन तारन (म्रन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्तिः, जिसके अधिभोग में सम्प्रांत हैं)
- (4) श्रोर कोई

पंजाब स्टेट वेयर हाऊसिंग कारपोरेणन

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस स्वना अने रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावत ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पानु सिहित्त में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मनस्त्रीं

गुदाम का 1/3 भाग जो 2 कनाल 3 मरले हैं जो सर-हासी रोड तरन तारन जिला अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2491 तिथि 27-6-1981 तरन तारन में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह ग्राई०ग्रार० एस० सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के बुधीन, निम्निनुधित व्यक्तिसों, अर्थात् ∷—

तारी**ण** 28-12-1981 नो**हर**ः प्ररूप माई० टी• एन० एस०--

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, अमृतसर

प्रमृतसर दिनांक 28 दिसम्बर 1981

निर्देश सं० एएसग्रार/81-82/319--श्रतः मुझे ग्रानंद सिंह ग्राह० ग्रार० एस०

भायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनयम' कहा गया है), की घारा 269-घ के धिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से घिषक है,

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव चनुवां तहसील बटाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर , पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी आय की नागत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रवं, उक्तं श्रधिनियमं की भ्रारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के श्रधीन, निस्तिबित व्यक्तियों, धर्मात्:— (1) श्री हरी सिंह पुत्र हरदित सिंह वासी पनुवां तहसील बटाला

(प्रन्तरक)

(2) श्री गुरबचन सिंह सुखदेव सिंह सतनाम सिंह पुल दर्शन सिंह वासी पनुवां तहसील बटाला

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रोरकोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो
 भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रीर पर्दों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रषं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो 14 भनाल 19 मरले है जो गांव पनुवां तहसील बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 1203 तिथि 20-5-81 रजिस्टरी कर्ता श्रीधकारी बटाला में दर्ज है।

> श्रानन्य सिंह प्राई० प्रार० एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतस्र

तारीख: 28-12-1982

प्रकप आई०: टी• ध्न• प्र++

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार:

सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनांक 26 दिसम्बर 1981.

निदेश सं० एएस ग्रार/81-82/320--- श्रतः सुझे ग्रानंद .सिंह ग्राई० ग्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सुन्दर नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रितिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्भ अभने में सुविधा के लिए; और्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूर्ण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमितिः प्रेमवती विधवा मदन लाल वासी मकान नं० 93 गली नं०1 सुन्दर नगर प्रमृतसर ।

(2) श्रीमति सुनीता भाटीया पत्नी परशोतम लाल वासी कूचा मिरजा सामने स्टेट बैंक भ्रमतसर मकान नं ० श्रव 93 गली नं ० 1 सन्दर नगर भ्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हो)

(4) ग्रीर कोई

वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तर्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकात नं० 93 जो गली नं० 1 सुन्दर नगर प्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 4222 तिथि 19-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ग्रम,तसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह भ्राई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज भ्रमृतसर

तारीख: 26-12-1981

मोहर 🗵

प्रकप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निदेश मं० ए एम आर/81-82/321--आत: मुझे आनंद सिंह आई० आर० एस०

र्जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- कु को अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

' श्रॉर जिसकी मं० मकान है तथा जो चोंक लछमनसर श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मई

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्ट प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नतिसित उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की सपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्रीमिति हुकम देवी विधवा राम रतन प्यारा लाल वे राज चिमत लाल सरदारी लाल पुत्र राम रतन व राज-कुमार पुत्र श्रमीर चंद गुप्ता प्रेम सागर पुत्र किशन चंद वासी चोंक लक्षमतसर श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हुकम चंद पुत्न हीरा लाल व नरिंद्र कुमार पुत्न हुकम चंद चोंक लळमनसर स्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई

(वह ब्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षर: जानता है कि वह सम्पति मैं हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

एक मकान जो 117 व० ग० है जो खोंक लख्ठमनसर ग्रमृतसर में है जैसा सेल डींड नं० 3052 तिथि 15-5-81 रस्ट्रिकर्ता ग्रिधकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानंद सिंह भाई०ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज प्रमृतसर

तारीख :24-12-1981

माह्य 🕄

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

ग्रायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 2**69-ष (1) के घ**बीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

निदेश सं० एएस०म्रार/81-82/322—श्रतः मुझे श्रानंद सिंह श्राइ० श्रार० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे स्वर्मे इसके वश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 2 कि के भजीत सजम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिचत बाजार मूख्य 25,000/- ६० ते अधिक है

श्रीर जिसक, सं० एक मकान है तथा जो कोट हरनाम दास अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसरमें रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मई 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नी तिकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत **७५८ अधि**-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रमारक के बाविस्य में कमी करने या शहसे बचने में बुविज्ञा के बिंध। धौर/या
 - (ख) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिंन्त्रें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार। (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ।—

- (1) श्रीमिति हरभजन कोर पत्नी शिव सिंह बासी गली नं०9 ोट हरनाम दास अमृतसर ,
 - (अन्तरक)
 - (2) श्री हरभजन सिंह महिन्द्र सिंह पुत्र गुरचरण सिंह वासी गुरू राम दास नगर मकान नं० 3645 श्रमृतसर (अन्तरिती)
 - (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - (4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उसत अधिनियम को अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

जनसूची

एक माकन 173 खसरा नं० 2287/1385 मिन जो आबादी कोट हरनाम गली नं० 9 प्रमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2288/6-5-81 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानंद सिंह ब्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज 3, चन्द्रपुरी ग्रमुतसर

तारीख: 24-12-1981

मोहर 🗈

प्ररूप माई० टी॰ एन॰ एस०-----

म्रायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) आरा की 269-व (1) के भाषीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निवेश सं० ए० पी० नं० 2998:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00 /- क० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सुभाष नगर, हुशियार पुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाध द्व अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुशियार पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवत ग्रांधनियम के अभीन कर देने के ग्रन्सरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी माथ या किसी धन या ग्रन्थ ग्रस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

जतः अस, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ मुख्ति क्- (1) श्री वरियाम चन्द पुत्र बीरु राम मुखतियारे श्राम श्री: चमन लाल पुत्र वरियाम चन्द मकान नं० 3259/15-डी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलबाग सिंह पुत्र नन्द लाल और श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री दिलबाग सिंह वासी बी-22 एम० मी० एच० 298, मुभाष नगर हुशियार पुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है):

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कमर्यवाही करता हूं।

,उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्यम्बन्सा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी धन्ये व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास शिक्तिन में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण !—इसमें अनुनत ग्रब्दों भीर पदों का, जो सनत प्रश्नितियम के श्रव्याय 20क में परिचाचित है, वही शर्व क्षोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 792 दिनांक मई. 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हणियार पुर में लिखा है।

> न्नार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**य** : 8-1-1982

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के घडीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 2999:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकः प्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशास 'उस्त प्रश्विनयम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्वावर मन्पत्ति, जिसका जिलत काजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो फिलौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावस धन सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधीनयन, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वित्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य कम से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापपूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से ऐसे दृश्यमान प्रतिफान का पन्त्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरिकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे पन्तरच के लिए तय पामा नया प्रति-फान निम्नितिखित उनेश्य से उक्त बन्तरक निम्नितिख में बास्तिक का से कृषित नहीं किया गया है।——

- (क) म्रान्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रमीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या खन्य प्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्त्ररिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया वया था दा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के मिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण में, में, धनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- (1) श्री वर्म दत्त पुस्न मला राम वासी नजदीक थाना, फिलीर। (अन्तर्क)
- (2) श्री शशी राज, राकेश कुमार सपुत्र वर्म दत्त वासी नजदीक थाना, फिलौर ।

(अन्तरिसी)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति ही
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्र**प्रंन** के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकागन की तारीख से 45 कि दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोत्र्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त ग्रिक्षिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिमाणितः है। वही ग्रर्थे होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 422 दिनाक मह, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिलौर में लिखा है।

> न्नार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष**फ्**रे स्रजैंन रेंज, जालन्घर

तारीख : 8-1-1982.

प्रकृष आइ².टी. एन्. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ् धारा 269-म (१) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3000:—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा एया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- चपए से अधिक हैं और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर कैंट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अधिका है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908- (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1981 को

पूर्वोबत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृधिया के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 18—466GI/81 (1) श्रीमती चम्बेली देवी, वासी 63-श्रार-3, सफदरजंग, इनकलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती वरेन्द्र लता पत्नी श्री गुरविन्द्र सिंह वासी 71-बी०, जोक रोड़, फिरोजपुर, कैनटोन मैंट। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में र। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में किच रखता र ।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 829 विनांक, मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-1-1982

古五名 銀織の 無本 佐藤子 佐藤子と田田田田田田田

आयकर द्वीर्थनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269 में (1) के अधीन सार :

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं० ए० पीं० नं० 3001:— यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिन्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उन्दत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. ते क्षिण है

स्रौर जिसकी सं० जैसा कि सन्त्या में लिखा है तथा जो फिरोजपुर कैंट में स्थित है (शौर इसले उपावड़ में सन्सूची में स्रौर पूर्ण हप से विश्वत है). रिजरद्रीकर्ता स्रविदाशी के कार्यालय, फिरोजपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रविद्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख सई, 1981

को पुर्वोदित संपत्ति के उचित नाजार म्ल्य से कान के दरमान प्रितिपाल के लिए वशासित को भई है थार मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथाण्योदित सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सो, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात किन विश्वासित उद्धारम से अक्त अन्तरण पर्वास्त से अप्यास के किया गया हैं:—

- (क) प्रन्तरण से हुए किसी इ को अबत, उक्त बंधिनेयम के प्रश्नीन कर देन के अन्तरक के वायिद्व में कमी करने या उपले इचने में मुविधा के लिए; औराया
- ्ख) ऐसी विक्षी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उन्त अधिनियम, या वन्तर अधिनियम, या वन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ए प्रशेजनार्थ अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था, छिपान के सुविधा व

श्रातः हो, उन्न अधिनयम ही बाट 269-व के अनुसरम में से, प्रस्त गांधिनिष्ट को धारम 269-व की प्राधारा (1) के ब्रधीन क्लाम्बार व्यक्तियों अश्रोत:— (1) वीवर्तः सम्बेता दर्धा, वासी 68-प्राप-3, नफदरजंग एक्क्पेब, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) की सदोश गृप्ता पुत्र और कुन्दन लाल वासी 71-बी (थी) फिरोनपूर कैंट ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं ० 2 में है। (वह र्वापित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्तिसम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानमा है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सम्मन जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यकाकृत करता है।

उक्त सम्पान्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) उन मुन्न के राज्यत्र मो प्रकाशन को तारील से 45 दि जा जाति या तलाखानी व्यक्तियों पर सूचना बती तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि हा, से भीतर पूर्वांक्त अवधि । में भीतर पूर्वांक्त
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उदन स्थावर संपत्ति में हित- द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न्० 859 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-1-1982.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ' भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निदेण सं० ए० पी० नं० 3002:— यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं अजैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में बर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारों के कार्यालय, फगवाड़ा में राजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारोख मई. 1981

को पूर्विकत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दूरवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मास्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरवमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से जोवक है आर वातरण (अंतरिको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तर्ण क का जिए तथ पान गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य स उचित अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनं क अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिभा के लिए;

आत: अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्रीमती जगीर कौर पत्नी श्री धर्म सिंह बासी माङल टाऊन, 26-सी०, 27-सी०, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरमजन कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह वासी गांव करीयां, तहि० नवां शहर ।

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह स सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करक पूर्वोंक्त मन्यस्ति को उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति क अजन के सम्बन्ध में कोई भी आध्रप:--

- (क) इस तूपना की राजपत मी प्रकाशन को तारीख हैं

 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना जी तासील में 30 दिन की अप्रिय, को भी
 अविध भाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तिस्कों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राउपक्र में ग्राताशक की तारीस सं 15 दिन के भीतर सम्म स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें अयुक्त अध्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 384 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाड़ा में निखा है,।

> न्नार० गिरधर, सक्षम ग्रधिकारी, (सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-1-1982.

पुरूषु आई. टी., एन., एसा. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

िंग्देश सं० ए० पी० नं० 3003 :---यतः मुझे, भ्रार० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका अभित् बहुजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाउन, फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगड़ावा में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पृत्रों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चे देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की दाइएं, ेक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती जगीर कौर पत्नी धर्म सिंह वासी माडल टाउन, 26-सी०, 27-सी०, फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री सतनाम सिंह पुत्र श्रीतम सिंह वासी गांव करीया तिहर नवां ग्रहर।

(अन्तरक)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
सें हितबद्ध है)।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 398 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-1-1982.

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ध्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेण सं० ए० पी० नं० 3004:—यत: मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माड़ल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रायमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुफो, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे द्रायमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (त) मन्तरण तहुई किसी आल की बाबत उक्त आंध नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व ¹में∰कमी≉करने या **प्र**संसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को विन्हों भारतीय आयकर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुजिक्ति व्युक्तियों अर्थातः -- (1) श्रीमती जगीर कौर पत्नी धर्म सिंह वासी 26-सी०, 27-सी०, माडल टाऊन, फगवाड़ा।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सतनाम सिंह पुत्र प्रीतम सिंह गांव करीयां सिहि०, नवां शहर ।

(प्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह यूवना जत्म क**रके पूर्वोक्**त सम्पत्ति के **श्र**ानंत के **लिए** कार्यवाहिया करता हूं।

उनन तमाति ह अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी प्रन्य व्यक्ति हारा प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--- इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त अग्नि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 472 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> श्रार० गिरघर, सक्षम श्र**धिकारी** !सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) · श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-1-1982

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यां सुर, सहायक बायक र जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3005:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो माइल टाऊन, फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अनारिय की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल नो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नालिक उद्देश्य से ईन्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक हम मो कथित नहीं विद्या गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के शिए; जार/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिकों की, खिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्तुवा के किया

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त बीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्मिलिहैचत व्यक्तियाँ क्षीतः—

- (1) श्रीमती जगीर कौर पत्नी श्री धर्म सिंह वासी 26-सी०, 27-सी०, माइल टाऊन, फगवाड़ा ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हरभर्जन कौर पत्नी प्रीतम सिंह गांव करीयां, तहि॰ नवां शहर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 490 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-1-1982.

प्ररूप आहें .टो. एन . एस . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3006:—यतः मुझे, श्रार्० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिबा है तथा जो गाव मलु पोता तह० बंगा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृषिधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) को अधीन निम्निलिखिट व्यक्तियों अर्थातु:--

(1) श्री प्यारा लाल, कणारी लाल, हरबन्स लाल सपुत्र श्री लहोरी लराम बासी गांव मल्पोता, सब तहि । बंगा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतनाम सिंह पुत्र ज्ञान सिंह वासी गांव ढाहा सब त ह० बंगा।

(ग्रन्तरिनी)

(3) जैसाकि ऊपरनं० 2 में है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) :

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिं में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 280 दिनांक मई, 1981 रजिस्ट्री कर्ती श्रधिकारी बंगा में लिखा है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रोंज, जालन्धर

तारीख : 8—1—1982

मोहर 🤃

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०⊸--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पि०नं० 3007—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जवाहर मारकीट, शहाकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय शाहकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1909 का 16) के शशीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिषक है और भन्तरिक (भन्तरकों) और भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विखित में वास्तविक का में कथित नहीं किया गया है: →─

- (क) बनारण से हुई किसी माथ की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसो श्राय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर यिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त ग्रधिनियम, का धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में खक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अभीन, नुम्नुनिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती कृष्णा वंती पत्नी श्री ज्ञान चन्द वासी शाहकोट। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हरइन्द्र पाल जीत कौर पुत्री श्रीमती ज्ञान कौर त्रासी गांव धदोवाल ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में 'सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

 , (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति

 में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अर्जन के लिए** कार्यवा**हियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस पूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रग्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उनत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

वम्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 207 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शाहकोट में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक आयकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, जालन्धर

ता**रीख** : 8—1—1982.

मोहर 🗈

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3008.— यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयक र ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं ज जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जबाहर मारकीट, शाहकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्नरण लिखित में वास्तिक रूप से संथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी जिसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम या धन-कर अधिनियम ता 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती कृष्णा वंती पत्नी श्री ज्ञान चन्द वासी शाह-कोट।

(अन्तरक)

(2) श्री मनधीर सिंह पुत्न दर्शन सिंह, गांव धंदोबाल द्वारा श्रीमती मान कीर, धंदोबाल।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह घ्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्प में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गासेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पवों का, को बक्त प्रक्षितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 239 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी भाहकोट में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-1-1982.

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3009:—यतः मुझे, स्नार० गिरधर, सायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिपे उपमें इसके पश्चात् 'छका अधिनियम' कहा गया है); को धारा 269-ख के पश्चीत सन्नम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो मलसीया रोड, शाहकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से यश्चिक है और यन्तरक (प्रतिरक्षों) और प्रन्तरितों (भन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उदेश्य ने उका प्रन्तरण निखित में वास्त्रविक रूप म कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िक्सो आयं की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, खर्चात्:— (1) श्री जगत सिंह पुत्र बुध सिंह वासी बाजवा कला, श्री भजन सिंह पुत्र किंगन सिंह वासी कक्कड़ कला, तह० नकोदर।

(अन्तरक)

- (2) श्री गुलशन कुमार पुत्न श्री ज्ञान चन्द वासी शाहकोट मारफत दुकान नं० 53, जबाहर मारकीट, शाहकोट। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकेंगे।

स्वव्होकरण :---इसमें प्रयुक्त गर्क्तों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रवं होगा, जो उन ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 236 दिनांक मई, 1981को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी शाहकोट में लिखा है। श्रार० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारी**ख**: 8-1-1982

मोहर 🖫

प्रकृष् आहु<u>ै.टी.एन..एस...----</u>----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

जारत जरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3012.— प्रतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर निर्धिम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके प्रधात जिल्ला निर्धिम कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उन्तित् बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो श्रबोहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रबोहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 17) के ग्रधीन, नारीख मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रितिक से लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्त-दिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाज या किसी धृता या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया च्या था या किया जाना लाहिए था कियाने में सुरुष्धा के दिस्पन

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिश्वित व्यक्तियों सुष्ति:—

(1) श्रीमती कमलैश वती विधवा श्री लाजपत राये, (2) रोशन लाल पुत्र श्री लाजपत राये, वासी मलोट, तहि॰ मुक्तसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जय देवी विधवा श्री प्रभ दियाल, श्रमोक कुमार, रमेण कुमार, रवि चन्द्र सपुत्र श्री प्रभ दियाल वासी, अबोहर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

रक्त सम्मृतित के मूर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप्ध--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्रीय से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबृष् किसी जन्म व्यक्ति वृतारा वृश्वोहस्ताक्ष्र के पास् लिखित में किए जा सकरे।

स्पक्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ० 1008 दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रबोहर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-1-1982

मोहर 🗈

प्ररूप बार्षः दी, एन्, एस.------

अस्मिकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 7 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पी० 2995.—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार

25,000/ रु० से ग्राधिक है।

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्क्रीकर्ला भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई,

को पूर्वीक्त संप्रतित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिबित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक ·कप् से ऋषित नहीं किया गया है:--

- (क) मृत्तरण संहुई किसी वायुकी बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के मृत्युरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्बने में स्विधा के लिए; और/या
- (श्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर **अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के **अनुसरण** मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269- अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥--

(1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र चनन सिंह वासी 67-शिव नगर, जालन्धर ।

(2) श्री बुई दाम पुत्र मथुरा दास, वासी 67-शिव नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 816, दिनांक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ना भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> ग्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-1-1982

मोहर 🖫

प्ररूप नाई. ेटी. एन्. एस.-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक ७ जनवरी, 1982

निदेश सं० 2996:---यतः मुझे, ग्रार्० गिरधर,

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई,

को पृविक्त पंपत्ति ये उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यान प्रतिफल में एसे द्रश्यान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्भद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी आयुकी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; आर्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों काँ, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवं, उद्भाव अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उत्कल ऑशिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील निम्नित्वित व्यक्तियां, अर्थात्:— (1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र चनन सिंह वासी 67-शिव नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाशवती पत्नी बुई दास वासी, 67-शिव नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 901, दिनांक मई, 1981 को रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 7-1-1982

> कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

> > जालन्धर, दिनांक 7 जनवरी, 1982

निदेश सं ० ए० पी० नं० 2997.—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वस्थे पश्चात 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फ्ल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तियक स्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; जौर/या
- '(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्बद्धः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को अभीन, निम्नीनिष्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र चनन सिंह, वासी 67-शिव नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बुई दास पुत्र मथुरा दास वासी 67-शिव नगर, जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप !--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर पूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 2480 दिनांक जून, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरघर सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)[!] ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 7-1-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
शर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पी० नं० 3010:—यतः मुझे, श्रार० गिरधर, बायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निलित में बास्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (भं) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत उक्त निय-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री तेजा सिह पुत्र संता सिंह वासी गांव मानक तह० नकोदर, जिला जालन्धर मुख्तार श्राम श्री चरन सिंह, सवरन सिंह वासी गांव सिधवां।

(अन्तरक)

(2) श्री सवरन सिंह पुत्र ग्रमरीक सिंह, वामी गांव, लुहार प्रताप पुरा, तहु० जालन्धर ।

(अन्तरिसी)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में गिच रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबक्ष है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मुरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं [1]

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 724 दिनांक मई. 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-1-1982

मोहरः

प्ररूप आहें , टी. एन्., एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 जनवरी, 1982

निदेश सं० ए० पी० 3011.—यतः मुझे ग्रार० गिरधर, आमकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई,

कां, प्यों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्- विक रूप से किथात नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिये और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः सब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री तेजा सिह् पृत्र संता सिह् वासी गांव मानकः तह० नकोदर, जिला, जालन्धर । मुतार श्राम श्री चरन सिह, सबरन सिंह, गांव सिधवां ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरीक सिंह पुल्ल गुहेक लिंह वासी गांव लुहारों प्रताप पुरा, तहु जालक्षर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखेता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि दिलेख नं० 838, दिनांक मर्ड 1981 को रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी जोलन्धर में लिखा है।

> क्षार० गिरधर स्थान प्राधिकारी सहायक आयकार क्षास्क्ष (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-1-1982

मोहर '

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी 1982

निदेश मं० 3013:--यतः मुझे, ब्रार्० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अनुसूची में श्रार पूर्ण स्प से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जैतो से रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल है ग्रीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीन ऐसे बन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उका चन्तरण विजित्न में वास्तवित स्पा से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बावन उन्त अधि-तियन, के यथोन कर देने के अन्तरक के दायरव में कमी करने या उत्तमे बर्जन में मुबिधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों अर्थात् :--20—466GI/81 (1) श्री हरपाल सिंह पुत अध्यम सिंह, वासी पति रामाल, जैतो जिला फरीदकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री मैंसर्ज लाजवंनी काटन जिनिंग फैक्ट्री, जैतो, जिला फरीदकोट।

(भन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नें० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभाग में कम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख्य कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्त्रंगंधी व्यक्तिएगें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्ति में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन्न में प्रकाणन की नारीख रें 45 दिन के भीतर जन्न स्थावर समात्ति में हिनवद कियी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्ही करण: --इसर्ने प्रपृक्त सन्दों यीर नदों का, जा उकर अधि-नियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन प्रधाप में विपा गा है।

जरस की

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 237, दिनांक मई, 1931 को र्राजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी जैतो में लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक रायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज, जालंधर

तारीख: 11-1-1982

माहुर ः

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस. -----

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 जनक्री, 1982 निदेश सं० 3014:—यतः मुझे, भार० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जैतो में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई. 1981

को पूर्नोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रक्षे दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्रक्षे प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किनी जान की नामत उपल जिम्मीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के धारियत्न में कमी करने या उपसे स्वक में सूर्विधा के सिक्; और /या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन् वा अच्य आस्तियों को, जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गमा आ या किया जाना चाहिए। आ, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित न्यवित्तमों, अभीतः :--- (1) श्री मुख्तियार सिंह पुत्र उधम सिंह वासी पित रामाल जैतो जिला फरीक्षकोट ।

(अन्तरक)

(2) मौसर्ज लाजवंती काटन जिनिंग फैक्टरी जैतो, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

स्त्रे यह सूचमा जारी करके पृत्रोंक्त तत्र्यरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर जकत स्थातर सम्पत्ति में हिसा-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गंधा है।

अन्त्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 238, विनाक मई, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जैसो में लिखा है।

> श्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुद्ध (निरीक्षण) श्रजेंन रोज, जालन्धर।

तारीख : 11-1-1982.

प्ररूप आर्च. टी. एन्. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 11 जनवरी, 1982

निदेश सं० 3015:—यतः मुझे, आर० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जैतो में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, मई, 1981

को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल स, एमें दश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय द्वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अभीतः—— (1) श्री बलकार सिंह पुत्र ऊधम सिंह वासी पति रासाल, जैतो जिला फरीदकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्ज लाजवंती काटन जिनिंग फैक्ट्री जैतो जिला फरीदकोट।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसाकि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह 'सुचना आरी करकें पूर्वोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्मध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाबत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 239 दिनांक मई, 1981, को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जैतो ने लिखा है।

> श्रार० गिरघर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर ।

तारीख: 11-1-1982.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के.अथीन सुचेता

भारत सरकार

ार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरिक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालंधर, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० 3016--यतः मुझे, श्रार्० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसमें पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल कल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से अधिव नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधि यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, मर्थात्:-- (1) श्री गुरदीप सिंह पुत्र ऊधम सिंह वासी पती रासाल, जैतो, जिला फरीदकोट ।

(अन्सरक)

(2) मैसर्स लाजबंती काटन जिनिंग फैक्टरी जैतो, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिभिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्थना आरी करके पृथों क्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं० 240, दिनांक मई, 1981 को रंजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जैतो ने लिखा है।

> श्रार० गिरधर सक्षम अधिकारी स्हादक आयकार आय्कत (निरक्षिण) श्रुर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 1.1-1-1982

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० 3017---यतः मुझे, स्रार० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000 / रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जंगा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1981।

को पूर्वेक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिटफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखितं उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिसीनयम के अभीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिभा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी गुरनक्ण सिंह वासी न्यू गोपाल नगर, जालंधर मुख्तार श्राम श्रोम प्रकाण पुत्र लाल चन्द, बासी वाजार बांसांवाला, जालंधर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री जसबीर सिंह व अरिवन्द्रपाल सिंह पुत्र कुलदीप सिंह, वासी ई० डी० 135, ढ़न मोहल्ला, जालंधर । (अन्नरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित रू², बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्त्यी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं .1296, दिनांक मई 1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालंधर

विनांक: 11-1-1982

मांहर:

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 11 जनवरी 1982

निर्देश सं० 3018—यतः मुझे, ग्रार० गिरधर, नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विदेशस करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जून, 1981।

को पूर्वोक्त गंपितत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों. अर्थात् :--

(1) श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी गुरबखण सिंह वासी न्यू गोपाल नगर, जालंधर मुख्तार श्राम श्री श्रोम प्रकाण पुत्र लाल चन्द, वासी बाजार बांसावाला, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह व श्ररविन्द्र पाल सिंह पुत्र कुलदीप सिंह, वासी, ई० डी'०-135, इन मोहल्ला, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

. (4) जो ध्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता हो।

(यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसाकि विलेख नं राह 1501, दिनांक जुन 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी जालंधर ने लिखा है।

> ग्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालंधर ।

दिनांक: 11-1-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 जनवरी 1982

निर्देश सं० 3019--यतः मुझे, आर० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है जो मानसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक, मई, 1981।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित याजार मृत्य से कस के दृश्यमान प्रिक्तिल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्तन, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जरनैल सिंह पुत्र भाग सिंह, वासी मानसा, जिला भटिण्डा ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुन्न कुन्दन लाल बामी, वाटर वर्कस रोड़, मानसा, जिला भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि ता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अध्यों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ह[†], वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा मया **ह**ै।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 569, विनांक मई 1981, को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मानसा ने लिखा है।

> म्रार० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, जालंधर

विनांक: 12-1-1982

प्ररूप आई. ती. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

. श्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० एल० मी० 558/81-82---यतः मुझे, टी० जेड० माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 29 मई, 1981।

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित दाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितृक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिबे; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भतः अख, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तिस्में, ज्यात् द——

- (1) 1. श्रीमती सरोजिनी केणव, 2. के०के० उरसुला श्रीर 3. के० के० राजीव (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती शणी श्रलक्साण्डर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचरत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पट्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

12.5 Cents of land with building No. XXXVI/943 in Sy. No. 700 of Ernakulam Village.

टी० जेड० माणि, सक्षम प्राध्कारी सहायक आयकर आपृक्त (निरौक्षण) प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

विनांक: 13-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री ऊपा नाथ बनर्जी ग्रीर दूसरा

(अन्तरक)

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक, 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० 1000/एक्यू०ग्रार०-III/81-82—स्वतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25:000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 13 है तथा जो बकुलबागान रोड़, कलकत्ता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण, रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, 29 मई, 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ये कित सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक ख्य में किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; आर्-र्या
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग922 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलि**स व्यक्तियों, अभित्**र

21-466 GI/81

(2) कनक लता वैशा श्रीर दूसरा

(अन्तरितौ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहिक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोों।

स्पाद्धीकरण:---इसमे- प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

अतसची

13, वकुलबागान रोङ, कलकत्ता, 3 कणे जमीन पर मकान ।

एम० ग्रहमद् सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

दिनांक : 13-1-1982

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सन्तो सोना सधुखा

(अन्तरक)

(2) बनारस लामिनेटर प्राइवेट लि०

(अन्तरिती)

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 जनवरी 1982

निर्देश सं० 1001/एक्य्०श्रार०-III/81-82—यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, का जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 11/4/2 है तथा जो केनाल सरकुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22 मई, 1981।

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकात से, एमे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकक कि निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिका में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किमी आय 'या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिएाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताउीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया हैं।

जन्सूची

11/4/2, कनाल सरकुलर रोड़, कलकत्ता । 18के-12 छटांक जमीन ।

> एम० **श्रह**मद, सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 3, कलकत्ता

दिनांक : 14-1-1982

मोहर ः

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० एल० सी० 551/81-82-यतः मुझे, टी० जेड० मणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो कोल्लम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18 मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्रम्स प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृतिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासाविक रूप से कि मूल नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती टी० कमलाक्षी श्रम्मा

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० भास्कर नायर

(अन्सरिती)

का गृह स्कूमना ज़ारी करके पृथाँकत सम्मृतित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के क्रॉन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप: --

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम, को अध्याय 20-क में प्रिभाषिष्ठ हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 Cents of land with a building in Sy. No. 7260/1 in Valiyakada Cheri, Quilon Village—

टी० जैड० मणि, सक्षम प्रापिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

धिनांक : 13-1-1982

प्रसप माई० टी॰ एन॰ एस०~--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यांत्म, सहायक वायकर वायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16 दिनांक 13जनवरी 1982

निर्देश सं० एल० सी० 552/81-82-यतः मुझे, टी० जेड पणि,

भायकर पिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्ये से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोल्लम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरिक (अन्तरिकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप ये कथित नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः, भवः, उत्त प्रधिनियमं की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-म की उपद्यारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,ग्रथांत:---- (1) 1. कुमारी लेपिट० कर्नल के० महेश्वरीश्रम्मा 2. श्रार० राजशेखर नायर

(ग्रन्सरक)

(2) श्री एस० के० भास्कर नायर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

जन संची

13 cents of land with building in Sy, No. 7260/1 in Valiyakada Cheri, Quilon Villago.

टी'० जैंड० मणि, सक्षम प्राप्तिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 13-1-1982

मोहर 🛭

प्रकप माई० टी० एन० एस∙---

भागकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भन्नीत सूचना

भारत बहुकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं० एल० सी० 553/81-82--यतः मुझे, टी० जैड० मणि,

स्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य . 25,000/- क्पए से प्रिक्ष है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोल्लम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षीन, 19 मई, 1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, सक्स श्रिप्तियम के ग्रंधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती सुषीला के० के० नामर श्रीर श्रीमती सरला उण्णिकृष्ण

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० भास्कर नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के प्रजेन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी नत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित, में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

जन सची

13 cents of land with a building in Sy. No. 7260/1 in Valiyakada Cheri, Quilon Village.

टी० जैंड० मणि, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) दिनांक: 13-1-1982

प्ररूप आइं.टी.एन्.एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भाउा 269-व (1) के मुभीन स्**चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

गोच्चिन-16, दिनांक 13जनवरी 1982

निर्देश सं० एख० सी० 554/81-82--यतः मुझे, टी०जैंड० मणि,

आगम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्वित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो, कोल्लम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 मई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे वजने में तृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. श्रीमती इन्विरा चन्द्रशेखर 2. ग्रहण कुमार के लिए एम० चन्द्रशेखर

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० भास्कर नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ╌

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिसक्त में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमानी

13 cents of land with a building in Sy. No. 7260/1 in Valiyakada Cheri, Quilon Village.

टी० जैंड० मणि, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 13-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. धारा 269-घ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्वेश सं० एल० सी० 555/81-82--यतः मुझे, टी० जैड० माणि.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो कोल्लम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 25 मई, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्त्यों, अर्थात् ः——

- (1) श्रीमती लिलता रामकृष्ण् 2 श्रार० नारायणसूर्ति श्रीर श्रार० मुब्रह्मण्यन के लिए एन० रामकृष्ण (अन्तरक)
- (2) श्री एम० के० भास्कर नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 cents of land with a building in Sy. No. 7260/1 in Valiyakada Cheri, Quilon Village.

टी० जैंड० माणि, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, एरणाकुलम

विनांक: 13-1-1982

प्ररूप थाई • टी • एन • एस •----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 जनवरी 1982

निर्देश सं **० एल ० सी** ० 556/81-82---यतः सुझे टी ० जैंड० मणि,

शायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पंति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है, ग्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो कोल्लम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26 मई, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त श्रिधितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और।या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिमों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम् की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (1) के स्थीन निक्तिवित व्यक्तियमें अभीतः-- (1) श्रीमती मुशीला के० के० नायर, (2) जयदीप नायर श्रीर 3. संदीप नायर के लिए सुशील के० के० नायर 4. ले फ्टि० कर्नल के० महेश्वरी

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० भास्कर नायर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी उविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तामरी के पास निखित में किये जा सर्केंगे।

स्वस्थीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का; जी उक्त अक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

असमधी

13 cents of land with a building in Sy. No. 7260/1 in Valiyakada Cheri, Quilon Village.

टी० जैड० मणि, सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 13-1-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 जनवरी 1982

सं० श्रार० ए० सी० 72/81/82 काकी नाडा स्काड— यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है. कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 18-1-18 है, जो महारानी पेटा, वार्ड विशाखा के पटनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, विशाखापटनम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मई 1981

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उका अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानी में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम निम्नतिसित् व्यक्तित्यों, अधित् :--22—466GI/81 श्री पी० सूब्बा राव पुत्र लेट लक्ष्मीनरसीम्हामपंतुलू एडबोकेट, के० जी० एच० डाउन, महारानी पेटा, विशाखापटनम-2।

(अन्सरक)

2. डा० बी० विद्यासागर पुत्र श्री बी० श्रीरोममुर्ती घर नं० 18-1-18, के० जी० एच० डाउन, महारानी पेटा, विशाखापटनम-2।

(अन्तरिती)

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अन्स्ची

घर नं० 18-1-18, महारानी पेटा, वार्ड, ब्लाक नं० 10, टी एस० नं० 185, विशाखापटनम, मुनीसीपल कारपोरेशन रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2912/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विशाखापटनम।

एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 7-1-1982

मोहर 🖫

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1982

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 20 फरवरी 1982

सं. एफ. 2/6/81-प-1 (स)—–भारत के राजपत्र 20 फरवरी, 1982 रोल मंत्रालय (रोलवे बोर्ड) प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं / पदौं पर भती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, क सकत्ता, चंडीगढ़, कांचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहटी) हैदराबाद, इम्फाल, ईंटानगर, अयपर, कोहिमा, लखनउर, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा) िशलांग, शिमला, श्रीनगर 8 अगस्त, 1982 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता जायंगी।

आयोग यदि चाहुँ तो उक्त परिक्षा के उपयुक्त केन्द्रों तथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परिक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परिक्षा में प्रवेश दे विया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परिक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएंगी (अनुबंध ।, परा 11 देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर सेवाओं /पदों के निम्तिलिखित वर्गी में भरी की जाएगी
 - धर्ग I
- --सिविल इंजीनियरी
- वर्ग II
- ---पालिक इंजीनियरी
- वर्ग ∭े
- —-वैद्यत इंजीनियरी

वर्ग IV —— इन्लेक्ट्रानिकी सथा दूर संचार इंजीनियरी प्रत्येक वर्ग के धन्सर्गत विभिन्न सेवाफ्रों/पनों में लगभग कितनी रिक्तियां यह भीचे दर्शाया गया है:—

वर्ग I—सिविल इंजीनियरी \overline{q} प 'क' की सेवाएं/पव

- (i) , इंजीनियरों की 50**, भारतीय रेल सेवा
- [(ii) भारतीय रेल भंडार सेवा @
 (सिविल इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय इंजीनियरी क्षेत्रा 34 (झा० जा० के उम्मीदवारों के लिये 5 स्रीर झा० जा० को उम्मीद-वारों के लिये 3 झारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)
- (iv) सेना इंजीनियरी सेवा 24 (प्र० जा० के० उम्मीदवारों . (भवन तथा सङ्क के लिये 4 ग्रीर ग्र० ज० जा० के संवर्ग) उम्मीदवारों के स्वय 2 ग्रारक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं)
- (v) केन्द्रीय जल इंजीनियरी * सेवा (सिविल इंजीनियर पव)
 - (vi) केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा 7 (प्र० जा० के उम्मीववारी (सङ्क) के लिये 1 प्रारक्षित रिक्ति प्रिमा-सित है)

- (vii) सहायक कार्यपालक इंजी- *
 नियर (सिविल) (डाक व सार सिविल इंजी-नियरी स्कंध)
- (viii) सहायक कार्यपालक इंजी- 6 (ग्र. जा के के उम्मीदवारों नियर (सिविल), सीमा के लिये 1 रिक्ति सम्मिलित है) सड़क इंजीनियरी सेवा
 - (ix) भारतीय ब्रायुद्ध कारखाना । सेना (इंजीनियरी शाखा) सिविल इंजीनियरी पद

ग्रुप 'स्त्र' की सेवायें/पद

- (X) सहायक इंजीनियर * (सिविल) डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कंब
- (xi) सहायक इंजीनियर * (सिविल), झाकाणवाणी का सिविल निर्माण स्कंग्र

वर्ग-II---यांद्रिक इंजीनियरी पुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) यांत्रिक इंजीनियरी की 25** भारतीय रेल सैवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा @ (यांद्रिक इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय जल इंजीनियरी सैवा (यांज्ञिक इंजीनियरी पद)
- (iv) केन्द्रीय शक्ति इंजी- *
 नियरी सेवा (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (V) भारतीय आयुद्ध कारखाना 10 (ग्र० जा० के उम्मीदवारों सेवा (इंजीनियरी शाखा) के लिये 2 श्रीर श्र०ज० जा० (यांत्रिक) के उम्मीदवारों के लिये 1 शार- कित रिक्तियां सम्मिलत हैं)
- (vi) भारतीय नौसेना आयुद्धः 3 (भ्र० ज० जा० के उम्मीदवारों सेजा के लिये 1 रिक्ति आरक्षित है) (यांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (vii) यांत्रिक इंजीनियरी [*] (कनिष्ठ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण
- (viii) क्रिलिंग इंजीनियर (क्रनिष्ठ) *
 भारतीय भू-विकान सर्वेकण
 - (ix) सहायक प्रबन्ध (कार- 2 (प्रा० जा० के उम्मीदवारों खाना) (डाक वतार दूर- के लिये 1 रिक्ति धारिक्षत है) संचार कारखाना संगठन)
 - (x) सहायक कार्यपालक इंजी- है (ग्र० जा० के उम्मीदनारों के नियर (यांत्रिक तथा वैद्युत्) लिये 1 भ्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित (यांत्रिक इंजीनियरी पय), है) सीमा सङ्क इंजीनियरी विवा
 - (xi) कर्मणाला प्रधिकारो । (यांत्रिक) ६०एम० ६० कोर, रखा मंद्रालय

- (Xii) केन्द्रीय वैद्यस भीर याजिक 2 (प्र० जा० के उम्मीदवारों के इंजीनियरी सेवा (यांजिक लिये 1 प्रारक्षित रिक्ति सम्मिलित इंजीनियरी पद) है)
- (xiii) सहायक विकास घधिकारी *
 (क्जीनियरी) का पव,
 तकनीकी विकास महानिवेशालय (सांत्रिक इंजीनियरी पद)
- (xiv) भारतीय स्नापूर्ति सेवा * (यांत्रिक इंजीनियरी पद)

ग्रुप 'ख' की सेवाए/पद

(xv) सहायक यांत्रिक इंजीनियर * भारतीय भू-विज्ञान सवक्षण

मर्ग-III--विद्युत इंजीनियरी

ग्रुप 'क' की सेवाएं/पद

- (i) वैश्रुत् इंजीनियरों की 50** भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रैल भंडार सेवा @ (तैयुत् इंजीनियरी पद)
- (iii) केन्द्रीय वैश्रुत् भौर यांत्रिक 6 (अ॰ जा॰ के उम्मोववारों के इंजीनियरी सेवा लिये भ्रारक्षित 1 रिक्ति सिम-(केन्द्रीय इंजीनियरी पद) . लित है)
- (iv) भारतीय प्रायुद्ध कारखाना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (वैद्युत इंजीनियरी पव)
- (v) भारतीय नौसेना श्रायुद्ध 4 (ग्र० जा० के उम्मीववारों के सेवा (वैश्वृत् इंजीनियरी लिये ग्रारक्षित 1 रिक्ति सम्मि-पद) लित है)
- (vi) केन्द्रीय णक्ति इंजीनियरी सेवा (वैश्वृत् इंजीनियरी पद)
- (vii) सहायक कार्येपालक इंजी-नियर (वैद्युत्) (डाक व तार सिविल इंजीनियरी स्कंब)
- (viii) कर्मशाला प्रधिकारी 1 (रिक्ति ५० जा० के उम्मीद-(बैद्युत्)ई०एम०ई०कोर, वारों के लिये प्रारक्षित है) रक्षा मंह्रालय
 - (ix) सहायक विकास भ्रष्ठिकारी * (इंजीनियरी का पद) तकनीकी विकास महानिवे-शालय (वैद्युत् इंजीनियरी पद)
 - (x) भारतीय मापूर्ति सेवा (वैगुत् इंगीनियरी पद)

पूप 'ख' सेवाएं/पद

- (xi) सहायक इंजीनियरी (वैद्युत्) (डाक व तार सिविज इंजीनियरी स्कंध)
- (xii) सहायक इंजीनियर (वैशुत्) *
 श्राकाशवाणी सिविल
 निर्माण विभाग स्कंध

(xiii) कर्मेशाला मधिकारी 1 (म॰ जा॰ के उम्मीद-(वैद्युत्) ६०एम०६० कोर, वारों के लिये म्रारक्षित है) रक्षा संत्रालय

षर्ग IV---इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरी

पुप 'क' सेवाए/पव

- (i) सिगनल इंजीनियरों की 50** भारतीय रेल सेवा
- (ii) भारतीय रेल भंडार सेवा @ (दूर संघार/इलेक्ट्रानिक इंजीनियरी पव)
- (iii) भारतीय दूर संचार सेवा 120**
- (iv) इंजीनियर, बेतार योजना भीर समन्वय स्कन्ध/भ्रानुश्रवण संगठन, संचार मंत्रालय
- ∜(v) उप-प्रभारी इंजीनियरी * समुद्रपार संचार सेवा
- (vi) सहायक स्टेशन धंजी- '
 नियर भाकाशवाणी
- (vii) तकनीकी श्रधिकारी, सिविल विमानन विभाग

विभाग उम्मीदवारों के लिये 1 ध्रार-क्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं) (Viii) संचार ध्रधिकारी 6 (1 रिक्ति ध्र० जा०के उम्मीद-सिविल विमानन विभाग बारों के लिये ध्रारक्षित)

- (ix) भारतीय द्यायुद्ध कास्त्राना सेवा (इंजीनियरी शाखा) (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पदा)
 - 1'(रिक्ति घ० जा० के उम्मीद-वारों के लिये ग्रारक्षित)

12 (प्र० जा० के उम्मीदवारों के

सिये 2 और घ० ज० जा० के

(x) भारतीय नौसेना, प्रायुद्ध सेवा (इलेक्ट्रानिकी इंजीनियरी पद) १ (ग्र० जा० के उम्मीदवारों के लिये 1 फ्रीर ग्र० ज० जा० के उम्मीद-घार के लिये 1 घारिक्षत रिक्तियां सम्मिलित हैं)

- (xi) केन्द्रीय मक्ति इंजी-नियरी सेना (दूर संचार कंजीनियरी पद)
- (xii) सहायक विकास ग्रधिकारी (इंजीनियरी) का पद तकनीकी विकास महा-निदेशालय (इंगेक्ट्रानिकी धूर संचार इंजीनियरी पद)

ग्रप 'ख' सेवाएं/पद

- (xiii) सहायक इंजीनियरें भाकाशवाणी
- (xiv) सहायक इंजीनिसर समृद्रपार संचार सेवा
- (XV) कर्मशाला प्रधिकारी 1 (इलेक्ट्रानिकी) ईं० एम०ई०कोर, रक्षा मंत्रालय
- (xvi) तकभीकी सहायक (ग्रृप 'ख') प्रराजपश्चिस समृद्रपार मंचार सेवा
- @--भारतीय रेल, भंडार सेवा में रिक्तियों की संख्या 20 * है।

विभिन्न रोलवे इंजीनियरी सेवाओं (सिविल, यांत्रिक, वैद्युत और सिगनल), भारतीय रोल भार सेवा और भारतीय वायुद्ध कारखाना सेवा (सिविल, यांत्रिक, वैद्युत और इलेक्ट्रानिकी) के सामने दिखाई गई रिक्तियां स्थायी है।

दूसरी ओर अन्य सेवाओं और पदों के सामने दिखाई गई रिक्तियां अस्थायी है।

उपयुक्ति संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*रिक्तियां सरकार ने सूचित नहीं की हैं।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्भीव वारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यिव कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित को जायेगी।

नोट :---उपर्युक्त सेवाओं/पदौं पर भर्ती नियमावली के परिशिष्ट-। में निर्धारित परीक्षा योजना (योजनाओं) के आधार पर की जाएगी।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/ पर्दों में से सब के लिए या किसी एक के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के वर्ग के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उसे नॉटिस के पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क जो केवल एक बार देना होगा और प्रत्येक वर्ग के सेवा/पद, जिसके लिए यह आवेदन कर रहा है, के लिए अलग-अलग शुल्क नहीं देना होगा।

ध्यान व 1:— उम्मीदवारों से यह अपक्षा की जाती है कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, अपने आवंदन पत्रों में उनका वरीयता क्रम के अनुसार स्पष्ट उल्लेख करें। उन्हें सलाह वी जाती है कि वे जितनी चाहें उतनी वरीयताओं का उल्लेख करें तािक योग्यताक्रम में उनके रैंक का ध्यान रखते हुए, नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर उचित ध्यान दिया जा सके।

उन्ह¹ नांट कर लेना चाहिए कि उन्ह² सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उन पर विचार किया जाएगा जिनके लिए उन्होंने अपनी वरीयता का उल्लेख किया ह⁴ और किसी अन्य सेवा पद के लिए नहीं।

ध्यान व 2: - उम्मीदिवारों जिन सेवा/पद से सम्बद्ध वर्ग/ वर्गों अर्थात् सिविल इंजीनियरों, यांत्रिक इंजीनियरों, वद्युत इंजीनियरों और इलेक्ट्रानिकी तथा दूर संचार इंजीनियरों के प्रतियोगी ह (नियमावली की प्रस्तावना देखिए) उनके अन्तर्गत आने वाली सेवाऑं/पदों के बारे में उम्मीदिवारों द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं में परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक एसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्या-लय में लिखित परीक्षा के परिणाम के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर प्राप्त नहीं हो आता है। आयोग या रोल मंत्रालय उम्मीदिवारों की कोई एसा पत्र नहीं भेजेगा जिसमें उनसे उनके आवेदन पत्र प्रस्तुत कर दोने के बाद विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए परिशोधित वरीयता निर्धिष्ट करने को कहा जाए।

ध्यात व 3: — उम्मीदवार केवल उन्हों सेवाओं और पदों के लिए अपनी वरियता बताए जिनके लिए व नियमों की शतों के अनुसार पात्र हों और जिनके लिए व प्रतियोगी हों। जिन सेवाओं और पदों के वे पात्र नहीं हैं और जिन सेवाओं और पदों से सम्बन्धित परीक्षाओं में उन्हें प्रवंश नहीं दिया जाता है उनके दारे में बताई गई वरियता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। अतः तिया 5 (स्) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दियो गुर्ग उम्मीदवाड

केवल उनमें उल्लिखित सेवाओं/पदों के लिए ही प्रतियोगी बनने के पात्र होंगे और अन्य सेवाओं और पदों के लिए उनकी बरीयता पर कोई ध्यान नहीं विया जाएगा। इसी तरह नियम 6 के परन्तूक के अधीन परीक्षा में प्रवेश विये गये उम्मीदवारों की वरीयता पर भी केवल उक्त परन्तूक में उल्लिखित पदों के लिए ही विधार किया जाएगा तथा अन्य सेवाओं और पदों के लिए वरीयता, यदि कोई है, पर ध्यान नहीं विया जाएगा।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर सिषव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना
चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा सं सम्बद्ध पूर्ण
विवरण (रु. 2/-) दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त
किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग,
धौलपूर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा
या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल
डाकचर पर देथ भारतीय पास्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी
चाहिए। मनीआर्डर/पास्टल आर्डर के स्थान पर चैक या
करसी नोट स्वीकार नहीं किये जायोंगे। ये आवेदन-प्रपन्न
आयोग के काउंटर पर नकद भूगतान द्वारा भी प्राप्त किये
जा सकते हैं। (रु. 2/-) वो रुपये की यह राशि किसी भी हालत
में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: उम्मीदवारों को खेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र इंजीनियरी सेवा परीक्षा , 1982 के लिए निर्धारित मृद्रित पत्र में ही प्रस्तृत करे। इंजी-नियरी सेवा परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तृत आवेदन-पत्रों पर दिचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवंदन पत्र आवंदयक प्रलेखों के साथ सिंचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 19 अप्रल, 1982 (19 अप्रल, 1982 पहले की किसी तारीख से असम, मंघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालेंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लव्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले और जिनका आवंदन प्रपत्र उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होता है उन उम्मीदवारों के मामले में 3 मई, 1982) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवस्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए। निधारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवंदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेधालय, अरुणाचल प्रदेशे, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लब्बाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समृह या लक्ष-द्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि वह 19 अप्रैल, 1982 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार व्वीपसमृह या लक्ष-

टिप्पूणी (i) :——जो उम्मीदवार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुती होते अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जुम्मू तथा क्ष्मीर राज्य का लुद्दाल् प्रभाग्) स्पष्ट रूप से निर्विष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (।।):— उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्रों को स्वयं सं. लो. से. आ. के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्रों के लिए आयोग उत्तरवायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आबंदन पत्र के साथ आयोग को रह. 80.00 (अस्सी रुपये) बिनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार के मामले में रह. 20,00 बीस रुपये) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोव सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देथ रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देथ स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक डाफर के रूप में हो।

विवश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शूल्क भारत के उच्च आयुक्त/राजदूत या विदश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 सोक सेवा आयोग—परीक्षा शूल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाये और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पुत्रों में उक्त अपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर विया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 7 के अन्तर्गत निर्धारित शूल्क से छूट चाहते हैं।

- 7. आयोग यदि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित श्ल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतृष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला दोश) से भारत आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्तूबर 7, 1964 के भारत-श्रीलंका समभाति के अंतर्गत 1 नवस्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित श्लंक दोने की स्थित में नहीं है।
- 8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तू उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हा तो उसे रठ. 54.00 (खबवन रुपये) अनुसूचित जातियों और अनुसूची जनजातियों के मासले में रठ. 14.00 (चौदह रुपये) की राशि वापस कर दी जायेगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट 1 की शर्ती के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का भावेदन पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में असफल रहा है अथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धों की अपक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदान नहीं होगा।

उपयुक्त तथा नीचे के पैरा 9 के उपबन्धों को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भूगतान किये गये शुल्क की बापसी के किसी दाबे पर न तो किचार किया जाएगा और न ही शुक्क को किसी अन्य परीक्षा वा अयन के लिये आरक्षित रहा जा सकेगा।

- 9. यदि कोई उम्मीदनार, 1981 में ली गई इंजीनियरी सेवा परीक्षा, में नैठा हो और अब इस परीक्षा के लिये आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किये बिना ही अपना अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज बेना चाहिए ताकि वह आयोग के कार्यालय में निर्धारित तारीख तक पहुंच जाए। यदि वह 1981 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति होतू अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1982 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी खूद कर दी जाएगी और शुल्क लौटा दिया जाएगा बशतें कि उम्मीदवारी खूद करने और शुल्क नापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1 जुलाई, 1982 को या उससे पहले प्राप्त हो जाता है।
- 10 आवंदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।
- 11. परीक्षा की योजना की नियमावली के परिशिष्ट । में सिम्मिलित सामान्य योग्यता परीक्षण और सिविल इंजीनियरी, यांत्रिक इंजीनियरी, वैद्यूत इंजीनियरी और इलेक्ट्रानिकी और दूरसंचार इंजीनियरी के प्रश्न-पत्रों में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तुपरक परीक्षण और नमूने के प्रश्नों के विस्तृत विवरण के लिये उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका के उपाबन्ध ।। को वंक्षिए।

विनय का संयुक्त सचिव संघ लोक सेवा आयोग्

अनुबन्ध । उम्मीदवारों को अनुदोश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन प्रपत्र भरने से पहलें नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हो भी या नहीं, निर्धारित शर्तों में छट नहीं दी जा सकती है।

अविदेन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा-1 में दिये गये केन्द्रों में से किसी एक को अहां वह परीक्षा देने का इच्छ क हैं अंतिम रूप से चून लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र मे परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्त् जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होतू अपने आयदन में निर्दिष्ट किया था तो उस सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवध्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र मे परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अनुरोधों पर गृणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त् 8 जुलाई, 1982 के बाद प्राप्त अन्राधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से या बाल पाइन्ट पैन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हाआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जायगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आवदेन पत्र भरते समय उन्हें भारतीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय पत्रों का ही प्रयोग करना है। बाहे भाध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या इसके समक क्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारील हिन्दी अंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवदेन प्रपत्र में प्रविश्विद

करते समय इसको भारतीय अंको में केवल अंस्तरिष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरेतें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां अपाठ्य या भूमक हों तो उनके निर्वचन में होने वाली भून्ति या संदोह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए काई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी ब्रतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाह वे पहले सरकारी नौकरी में हाँ या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हाँ या गर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हाँ अपने आवेदन पत्र आयोग को सीध भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दरे से पहुँचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकिस्मक या वैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी है सियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की है सियत से काम कर हिं, अध्या जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत हैं, उन्हें यह परिवचन (अंडर टोकिंग) प्रस्तृत करना होंगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

अम्मीववारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर विया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी हुद कर दी जाएगी।

- 3. उम्मीदनार को अपने आयोदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :---
 - (1) निर्धारित शुल्क के लिए रोखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रमाण पत्रों की अधिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रक्ति (दोसिए: नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।
 - (2) आय के प्रमाण पृत्र, की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (3) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (4) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटों की दो एक जैसी प्रतियां जिस पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों।

फोटों की एक प्रति को आवंदन पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी आहिए।

- (5) लगभग 11.5 से. मी. × 27.5 से. मी. के दो बिना टिकट लगे हुए लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो।
- (6) जहां लागू हो वहां अन्सूचित जाति/अन्सूचित जन-जाति का होने का दाये के समर्थन में प्रभाण पत्र की

- अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे परा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आयु में छट के दावे के समर्थन में प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे परा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्रक (जावेदन पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।
- नोट (।) :-- उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उप-युक्ति मद (2), (3), (6) और (7) में उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तृत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों बुवारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर व्यक्तिव परीक्षण होत साक्षात्कार के लिये अर्हाता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपयुक्त प्रमाण पत्र मुल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः दिसम्बर, 1982 में घोषित किए जाए गे उन्हें अपने मूल प्रमाण पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिये तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मृल रूप में प्रस्तुत नहीं करों उनकी उम्मीदवारी रदद कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किये जाने आज दावा स्वीकार नहीं होगा।

टिप्पणी (।।):— आवेदन पत्रों को साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार को हस्ताक्षर करने होंगे और तारीख भी दोनी होंगी।

उपर्याक्त मद (1) से (4) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दियो गये हैं और मद (6) और 7 में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दियो गये हैं ।——

(1) (क) निर्धारित शुक्त के लिये रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर-

प्रत्येक पोस्टल आर्डार अनिवार्यतः रोसांकित होना चाहिए और उस पर ''सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को न**र्ड** दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दोय'' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर दोय पोस्टल आर्डार किसी.भी हालतः मों स्वीकार नहीं किये जायोंगे। बिरूपित या कटो फटो पोस्टलः आर्डोर भी स्वीकार नहीं किये आयोंगे।

सभी पोस्टल आर्ड रों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकध्र की स्पष्ट मोह्य होनी पाहिए।

जम्मीदनारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डार न तो रेखांकित किये गये हों और न ही सिचव, संघ लोक सेवा आयोग को नर्द दिल्ली के जनरल डाकभर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक अफ्ट

बैक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इन्डिया की किसी शासा से प्राप्त किया जाए और वह सिचय, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शासा, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायोंगे।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को अपने आवंदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर सिरंपर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डारों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(2) <u>आयु का प्रमाण पत्र</u>:—आयोग जन्म की वह तारीस स्वीकार करता है जो मैट्रिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा और के लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक लेटों के रिजस्टर में धर्ज की गई हो और वह उद्धारण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकंडली, शपथपत्र, नगर निगम से सेवा अभिलेख से प्राप्त सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुविधों के इस भाग में आए हुए मैर्टिक लेशन जिल्लातर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित है।

कभी कभी मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीच नहीं होती या आयू के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के है उमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तिवक आयू लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेवन पत्र के साथ इन अनुदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1 जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो उसे केवल आय से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2:-अम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि आयोग उम्मीद-वार की जन्म की उमी तारील को स्वीकार करोगा जो कि आवेदन पत्र प्रस्तृत करने की तारील को मैंट्रिक लेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या सम्कक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज हैं और इसके बाव उसमें परिवर्तन के किसी अन्रोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया आएगा।

टिप्पणी 3: उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके दवारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारील एक बार घोषित कर दोने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। (3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—-उम्मीदवार को एक एसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप अवस्य भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि एसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे की पृष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु उसे पर्याप्त मानमें के लिए बाध्य नहीं होगा।

आयोग को अपना आवेदन-पत्र भेजते समय यदि किसी उम्मीदवार के पास नियम 6 में निर्धारित डिग्री न हो तो उसे नीचे नोट 1 के अधीन दिए गए प्रमाण-पत्र के प्रपत्र के पैरा 1 में निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध कालेज/विश्वविद्यालय के प्रिंसिपल/रिजस्ट्रार/डीन के लिए इस आशय के एक प्रमाण पत्र की प्रतिलिप भेजनी चाहिए कि उसने अहाँक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री प्रदान किए जाने के लिए आवश्यक सभी अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।

नोट 1:— यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उस्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा के लिए शैकिक रूप से अईता प्राप्त हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अईक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि अन्यथा पात्र होंगे तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे वहाँक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हाज में 30 अक्तूबर, 1982 तक नीचे निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तृत नहीं करते तो यह अनुमति रदद की जा सकती है।

अर्हक परौक्षा उत्तीर्ण दर्शाने वाला प्रमाण-पत्र

दिनांक 🖰 🖸 🖸 🗷 🗷 🗖

*जो शब्द लागुन हों उसे कृपया काट दै।

नोट 2:--नियम 6 के परन्तुक में उज्जिखित योग्यताओं के साथ परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों की सम्बद्ध कालेज/संस्था/विष्वृविद्यालय के प्रिन्सिपल/डीन से यह दर्शनि

बाले प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रितिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि उसमें दिए गए विशेष विषयों में से एक विषय लेकर एम्.एस.सी. बिग्री परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हैं/परीक्षा की हैं।

(4) फोटोग्राफ :— उम्मीदवारों को अपने हाल ही के पास-पोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उत्पर उम्मीदवार को स्थाही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दं:— उम्मीदगारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ उत्पर पैरा 3 (2), 3 (3), 3 (4), 3 (6) और 3 (7) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टी-करण भी नहीं दिया गया होगा तो आवंदन-पत्र अस्वीकार किया जाएगा और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी चाएगी।

5. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा कर तो उसे अपने धावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतीर से रहत हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में नामित किया हों, नीचे दिए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यू हो गई हो तो यह प्रमाण पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्त किसी अन्य प्रयोजन से भामतौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेषन भरने वाले अनुस्चित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदबार के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म।

संविधान (अनुस्चित जातियां) आदेश, 1950^{*}। संविधान (अनुस्चित जन जातियां) आदेश, 1950^{*}। संविधान (अनुस्चित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951^{*}।

संविधान (अनुस्चित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951^{*}।

[(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशों भन) आदोश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदोश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पृनर्गठन), अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जातियां आदोश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुस्चित जातियां आदेश, 1956 ।

संविधान (अंडमान और निकाबार द्वीपसमूह) अन्सूचित जनजातियां आदंश, 1956 अन्स्चित जातियां और अनु-सूचित जन जातियां आदंश, (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित *

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 ।

संविधान (दादर और नगर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदशे, 1962*।

संविधान (पांडिचरेरी) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1964*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश 1967*।

संविधान (गोंआ, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968"।

संविधान (गेआ, दमन और दिय्) अनुसूचित जन आतियां आदिंश, 1968*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978*। संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978*।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970^{*}।

*(जो शब्द लागुन हो उन्हें कृपया काट वें)

नोट:—-यहां प्रयुक्त ''आम तार से रहते / रहती हैं का अर्थ बही होगा जो ''रिप्रें जेन्टेशन आफ दि पिपुल एक्ट 1950'' की भारा 20 में हैं।

**जाति /जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम किकारी।

- (1) जिला मौजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मौजिस्ट्रेट/ कलैक्टर डिप्टी किमिश्तर/एडीशनल डिप्टी किमि-श्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मौजिस्ट्रेट/सिटी मौजिस्ट्रेट/गंसब डिवीजनल मौजि-स्ट्रेट/ताल्लुक मौजिस्ट्रेट/एक्जीक्य्टिव मौजिस्ट्रेट/ एक्स्ट्रा असिस्ट्रेट किमश्नर।
 - ां (प्रथम श्रेणी कें स्टाइपेंडरी मीजिस्ट्रेट से काम आहेदीका नहीं)
- (2) चीफ प्रेसीड न्सी में जिस्ट्रेंट/एडिशनल चीफ प्रेसीड सी में जिस्ट्रेंट/प्रेसीड सी में जिस्ट्रेंट।

- (3) रवित्यु अफ सर जिसका आह्दा तहुगीलदार भे कम न हो।
- (4) उम इलाके का मब-डियाजनत अफमण जहां उम्मीद-वार और/या उसका परिवार आमतौर में रहता हो।
- (5) एडिमिनिस्ट्रेटर/एडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलप-मोट अफसर, ''लक्षद्वीप''।
- 5. (1) नियम 5 (स) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट के लिये दावा करने वाले सरकारी कर्मचारी को अध्यक्ष से नीचे दिये फार्म में प्रमाण-एत्र को मृल प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए।

उभ्मीदवार द्वारा प्रस्तुत कियो जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

*(2) श्री/श्रीमती/कुमारी केन्द्रीय सरकार के अधीन नियमित आधार पर अस्थायी रूप से के पद पर से लगानार सेना में हैं।

"ओ लागू न हो उसे फाट दी।

- (2) नियम 5 (ग) (2) या 5 (ग) (3) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अभीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्निलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पत्र को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ वास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान प्रवृक्षन पर भारत आया है:——
 - (1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमांडेट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मीजिस्ट्रेंट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने अपने जिलों में शरणाथीं पूनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त जिला मीजिस्ट्रोट।
 - (4) स्त्रयं प्रभारित सब डिवीजनल का सब डिवीजनल अफसर।
 - (5) उप शरणाथी पुनर्वास आय्क्त, पश्चिम बंगाल/ निवंशक (प्नर्वास) कलकरता।
- (3) नियम 5 (ग) (4) अथवा 5 (ग) (5) के अंतर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नेटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन गुल्क में छूट का दावा करने बाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः 23—466GI/81

भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभि-प्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कारनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964, के भारत-श्रीलंका समभौते के अधीन 1 नवभ्वर, 1964 को या उसके वाद भारत आया है या आने वाला है।

- (4) नियम 5 (ग) (6) अथवा 5 (ग) (7) के अंतर्गत निर्धारित आयु मीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिये गये पहुचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिनिषि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भारतीय नागरिक हैं जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणत प्रतिनिषि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तिवक प्रत्यावितित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (5) नियम 5 (ग) (8) अथवा 5 (ग) (9) के अन्तर्गत आयु-मीमा में छूट चाहने वाले एसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिद्देशक पुनःस्थापन, रक्षा संशालय, से निम्निलिखत निर्धारित फार्म पर इस आक्षय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभि-प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि यह रक्षा मेवा में कार्य करते हुए विद्धी शत्र देश के साथ मंघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्यवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुआ।

उम्मीदयार द्वारा प्रस्त्त किया जाने वाला प्रमाण-पत्र का फार्म :---

*जो शब्द लागृन हों उसे कृषया काट दै।

(6) जो भूतपूर्व मैनिक तथा कमीशन प्राप्त अधिकारी (आपात-कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5 (ग) (14) अथवा 5 (ग) (15) की शर्ती के अधीन आयू सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों से निम्निलिखित निर्धारित प्रपत्र में उन पर लाग् हाने वाले प्रमाण-पत्र की, एक प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिनिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्यम्कत/सेवा निवत्त कार्मिकों पर लागू

- (क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षी तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यकाल होने के अलावा अन्य आधार पर कार्यम्बत हुए हैं।
- (स) वे सीनक संवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण को कार्यम् क्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम

महर

तारीख:

(ख) सेवारत/कार्मिकों पर लाग्

प्रमाणित किया जाता है कि सं र[‡]क नाम जिनकी जन्म तिथि हैं, ् से सेना/नौसेना/वायुसेना में सेवा कर रहे हैं।

- 2. जन्ह से कार्यम् क्त / सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल . . . तक समाप्त होने की संभावना है।
- उनके विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक मामला लिम्बित नहीं

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम

महर

स्थानः तारींखः

प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित ਰ⁵ :---

- (क) कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन क मीशन प्राप्त अधिकारियों / अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधि-कारियों सहित) के मामले में:--
 - सेना कार्मिक सेवा निदशालय, सेना म्ख्यालय, नई दिल्ली।
 - नौसेना कार्मिक सेवा निदशालय, नौसेना म्ख्यालय, नद्दं दिल्ली।
 - वाय सेना कार्मिक सेवा निद्शालय, वायुसेना म्ख्यालय, नर्झ दिल्ली।
- (ख) नौसेना तथावागुसेना केजूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अन्य र को तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में :---
 - सेना विभिन्न रोजिमोंटल रिकार्ड कार्यालयों दवारा नौसेना - नौसेना रिकार्ड बम्बर्ड।
 - वायसीना वायसीना रिकार्ड नर्ह दिल्ली।
- (7) नियम 5 (ग) (X) था 5 (ग) (XI) '(7) के अन्त-र्गत आयु में छुट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मुलत: भारतीय व्यक्तित को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, इसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-

प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्त्त करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं

- (8) नियम 5 (ग) (xii) या 5 (ग) (xiii) (8) के अंतर्गत आयु में छुट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गण-राज्य तंजानिया भूतपूर्व टागांनिका और जंजीबार से प्रवृजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्त्त करनी चाहिए कि वह शास्तव में उपर्याक्त देशों से प्रविज्ञ कर आया है।
- 6 जो अम्मीदवार उत्तपर पैरा 5(2) , (3) और (4)में से किसी भी वर्ग के अंतर्गत नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छ्ट का दाया करता है, उसका किसी जिला अधिकारी या सरकार क्रे राजपत्रित अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणित पत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्त उसे नियक्ति प्रस्ताव भारत सरकार के रोल/निर्माण और आवास/रक्षा/ उर्जा/कृषि और सिंचाई/संचार/उदयोग और नगर प्रित/प्रित और पुनर्वास/इस्पात और खान/जहाजरानी और परिवहन/सूचना और प्रसारण/ पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा ।
- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई भाठा ब्यारा न दो अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदबारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति किसी प्रविष्टिको किसीभी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन कर और न कोई फेर-बदल कर और न ही कोई फोर-बदल किए गए/भाठे प्रलेख प्रस्तृत करें। यदि एसे दो या उससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अश्दिध अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टिकरण प्रस्तृत किए जाएं।

- 9. आवेदन-पत्र दोर से प्रस्तृत किए जाने पर दोरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमुक तारील को भेजा गया था। आयदेन-प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सुचक न होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।
- 10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्यंक आवेदन-पत्र जिसमें दोर से प्राप्त आवेदन पत्र भी सिम्मलित है की पावती दी जाती है तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्यास्चित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीव से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलसी है तो उसे तत्काल आयोग से पावती होत् सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या स्चित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदिवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीष्ट्र वे दी जाएगी। किन्तू यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के गुरू होने की तारील से एक महीने पहले तक उम्मीदिवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए इसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना पाहिए। यदि उम्मीदिवार ने एसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- 12. जिन पृस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का ब्यौरा सम्मिलित होता है, उसकी बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्ड र अथवा नक द भूगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, रिलोली सिनेमा के सामने एम्पारिया बिल्डिंग 'सी'' ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) प्रकाशन घाखा के बिक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (3) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपां, 8, के. एस. राय रोड, कलकत्ता-1 में केवल नकद पैमा देकर खरीया जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफरिसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजंटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 13. आवंदन-पत्रों से सम्बद्ध पत्र-व्यवहार—आवंदन पत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक संवा आयांग, धालपुर हाउत्तस, शाहजहां रोड, नई विल्ली-110011, को भेजे आएं तथा उनमे नीचे लिखा ब्यारा अनिवार्य रूप में दिया जाए:—
 - (1) परीक्षा का नाम
 - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
 - (3) उम्मीदवार की आवेदन पंजीकरण सं./रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि आवेदन पंजीकरण सं./ रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
 - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़ अक्षरों में)
 - (5) आबेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान वर्ष (1) :--जिन पत्रों आदि मं यह ब्योंग नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ध्यान दें (2) :—परीक्षा के समाप्त हो जाने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई एमा पत्र/मूचना प्राप्त होती हैं जिस पर उसने अपना नाम और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो एस पत्रों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा और नहीं उन पर कोई कार्यवाही की जाएगी।

पतं में परिवर्तन—उम्मीदिवार को इस बात की व्यवस्था कर लंगी चाहिए कि उसके आवंदन-पत्र में उल्लिखित पतं पर भेजें गए पत्र आदि, आवंद्यक होने पर, उसको बदलें हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपयुक्त परा 13 में उल्लिखित व्योरे के साथ, यथाशीच दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान दोने का पूरा प्रयत्न करता है किन्तू इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्ध--।।

उम्मीववारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तूपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं वह ''वस्तूपरक परीक्षण'' होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसके आगे प्रक्षांश कहा आएगा) के लिए कहा सुकाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रकांश के लिए आपको एक उत्तर चून लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बार में कुछ जानकारी दोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

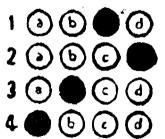
(स) परीक्षण कास्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3—आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a.b.c.d. चिह्न के साथ सुकाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगे सो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चूनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना आएगा।

(ग) उत्तर दोने की विधि

परीक्षा भवन मे आपको अलग एक उत्तर पत्रक दिया जाएगा जिसकी एक नम्ना प्रति आपको प्रवेश पमाण-पत्र के साथ भेजी आएगी। आपको अपने प्रत्यूत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तक में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जायोंगे।

उत्तर पत्रक (नियमावली के अंत में नमूना संलग्न) में प्रदेनांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई है। प्रत्येक प्रदनांश के सामने चिहुन वाले वृत्ताकार स्थान छप होते हैं। परीक्षण पूस्तिका के प्रत्येक प्रदनांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्यूत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्यूत्तर के उत्तर वाले वृत्त को पैन्सिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि :--

1. प्रश्नाकों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच. बी. पेंसिल (पेंसिलें) ही लाए और उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. गलत निशान को बदलने के लिए असे पूरा मिटाकर फिर स सही उत्तर पर निशान लगा दै। इसके लिए आप अपने साथ एक रब्ड़ भी लाएं।
- उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई एेमी असावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व भिलबट आदि पड़ आए या वह खराब हो जाए ।

(घ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- 1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय मं बीस मिनट पहले परीक्षा भवन मे पहांचना होगा और पहांचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौँप द। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस दियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दड दिया जाएगा।
- 5. आपको उत्तर पत्रक प्र कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कुटबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में आपके नाम अनुदेश प्रवेश प्रभाण-पत्र के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदंश आपको साबधानी से पढ़ने हों। इन अनुदंशों का साबधानी से पालन न करने से आपको नंबर कम हो सकते हों। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध हों, तो उस प्रवनांश के प्रत्यूत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदंशों का पालन करा। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहा तो उनके अनुदंशों का तत्काल फालन करा।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाये, आपको अपने साथ एक एच. बी. पैंसिल, एक रबड़, एक पैंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर क्छ लिखा न हो। भापको परीक्षा भवन मे कोर्इ खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरंखण उपकरण नहीं लाने हैं क्यांकि उन्जो जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज विया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

(ड) विशेष अनुदोश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना भर वें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका वेंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य वेंख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुभाव

यशिप इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता की जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता सं उएयोग करें। संतुलन के साभ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। आपकों जो प्रश्न अस्यन्त कठिन मालूम एड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नाशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दै। आपके व्वारा अंकित सही प्रत्यूत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए आएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटों जायोंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसं ही पर्यविक्षक आपको लिखना बंद करने को कहाँ, आप लिखना बन्द कर दाँ। आप अपने स्थान पर तब तक बेठे रहाँ, जब तक निरक्षिक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक बस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दाँ। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं।

नभून के प्रश्नाण (प्रश्न)

नोट-- सही/सर्वोत्तम उत्तर विकस्प को निदिष्ट करता है)

1 मान्य ग्रह्ययन

बहूत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निन्नस्थिखत में से किस कारण से य्वत स्नाव होता है ?

- (a) रक्त का दाश्र वायुमण्डल के दाश्र से कम होता है।
- *(b) रक्तका दाब वायुमण्डल के दाब श्रिष्टिक होता है.।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराधों पर दाव समान हीता है।
- (d) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव श्रमुरूप घटता बढ़ता है।

श्ररहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किसी एक उपाय से कम किया जानकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा **छिड्**काव
- (b) दूर दूर पौधे लगाना
- (c) सही ऋसु में पीधे लगाना
- (d) यो है बोहे फासले पर पौधे लगाना।

3. (रसायन विशान)

H₃VO₄ का एनहाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है ?

- (a) VO₃
- (b) VG₄
- (c) V₂G₄
- *(d) V₂O₅

4. (घरंशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- (a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
 - (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से ग्रधिक हो।
- (d) मजबूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो

(बैशुत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को प्रापेक्षिक परावैद्युतांक 9 के परावैद्युत से सम्पृ-रित किया गया है। यदि С मुक्त भन्तराल में संचरण देग दर्शाता है हो शाइन में संचरण का बेग क्या होगा ?

- (a) 3C
- (b) C *(c) C/3 (d) C/9

6. (भू-विशान)

बैसाल्ट में प्लेजियोक्लेस क्या होता है।

- (a) मासिगोक्सज
- *(b) लेकोडोराइट
- (c) एल्बाइट
- (d) एनायाईट

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला भीर $\frac{\mathrm{d}^2 \mathbf{y}}{\mathrm{d}\mathbf{x}^2} - \frac{\mathrm{d}\mathbf{y}}{\mathrm{d}\mathbf{x}} = \mathbf{\Phi}$ समीकरण

हो संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निविष्ट 93

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = aex_x + be$
- *(d) y=aex--:

८ (भौतिकी)

एक प्रावेश उद्मा इंजन 400° K भीर 300° K तापकप के मध्य कार्य करता है। इसकी कमता निम्नलिखित में से क्या होगी ?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

(संक्यिकी)

यवि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∝
- (d) -5

10. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समृद्धि का कारण निन्नलिखित में से क्या है ?

- (a) यहां पर खानिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- *(b) बर्मा की अधिकांश नवियों का बेस्टाई माग है।
 - (c) यहाँ श्रेडिंड बन संपदा है।
 - (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

बाह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है ?

- (a) बीद धर्म के उल्कर्ष काल में भी बाह्मणवाद के प्रनुसायियों की संख्या बहुत अधिक यी।
- (b) काह्यणवाद बहुत प्रधिक कर्नकांड ग्रीर ग्राडंबर से पूर्ण धर्मे
- (०) शाह्यणवाद के प्रश्युदय के साथ, विश्व सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (वी) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाधी को प्रकट करने के लिए द्यामिक संस्कार निर्धारित ये।

12. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वंरवादी दशैन समूह कीन-सा है?

- (a) बौक, न्याय, चार्वाक, सीमांसा
- (b) न्याय, बकेषिक, जैन भीर बोक, चार्वाक
- (c) शद्रत, वैदान्त, सांक्य, भावांक, योग
- ullet (d) बौद्ध, सीवय, मीमोसा, जार्बाङ

13. (राजनीति विकास)

"बृचिगत प्रतिनिधाव" का अर्थ निम्नलिखित में से क्या 🚦 ?

- *(a) व्यवसाय के बाधार पर विधानगंडल में प्रतिविधियों का
- (b) किसी समृह या किश्री न्यावसायिक समृदाय के पता का समर्थेत् ।
- (c) किसी रोजनार संबंधी संगठन में प्रतिनिधिनों का चुनान।
- (d) धमिष्ठ संघीं द्वारा धन्नत्यथ प्रतिनिधित्व ।

14 (मशोविशाय)

सस्य को प्राप्ति निस्त्रसिखित मैं से किस को निर्वेश्वित करती 🛊 🖓

- (a) सक्य संबंधी प्रावश्यकता में वृद्धि भावारमक
- *(b) धन्तर्नोद धनस्या में म्यूनता
- (c) व्यावहारिक प्रक्षिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण घष्टिगम

15. (समाजशास्क)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन-सी है ?

- *(a) बाम सरकार में महिलाओं तथा कमओर वर्गों को धौपचा-रिक प्रशिविधित्व प्राप्त हुमा है।
- (b) खुमाख्त कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गों के लोगों को मुस्वामित्व का लाम मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी :---उम्मीदवारों की यह ध्यान रखना चाहिए कि उपमृक्त नम्ने के प्रश्नांश (प्रश्न) क्षेत्रल उदाहरण के लिए दिए गए हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हों।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st February 1982

No. F. 6/82-SCA(I).—Shri S. S. Pathania, Section Officer of the Supreme Court of India has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of January 31, 1982.

> H: S. MUNJRAL Dy. Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 31st December 1981

A-12025(ii)/3/78-Admu.Ill.—Consequent upon his nomination to the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1979 against Seniority Quota' Shri Thomas Lugun is appointed as Section Officer in the office of U.P.S.C. with effect from the forenoon of 10th December 1981 until further orders.

The 2nd January 1982

No. A-12025(ii)/3/78-Admn.III.—Consequent upon his nomination to the C.S.S. Cadre of Union Public Service Commission for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1979 against 'Seniority Quota', Shri Puran Chand is appointed as Section Officer in the Office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 23rd December 1981 until further orders.

> M. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 13th January 1982

No. A-35017/1/81-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Sudershan Kumar, a Section Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to the post of Accounts Officer in the office of Union Public Service Commission on an ad hoc basis for a period of one year with effect from 6th January 1982 (FN), or until further orders whichever is autienticated. or until further orders, whichever is earlier.

Shri Sudershan Kumar will be on deputation to the post of Accounts Officer and his pay will be regulated in accordance with the provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O. M. No. F. 1(11)/E.III(B), dated 7th November, 1975, as amended from time to time.

P. S. RANA Section Officer for Secy. Union Public Service Commission

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 30th January 1982

No. B(31)/A-II.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri K. L. Bhattacharjce, Superintendent, Government of India Forms Store, Calcutta to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the same office in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect form the forenoon of 11th December 1981, until further orders.

The 1st February 1982

No. S(58)/A-II.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Chiranjib Sanyal, Superintendent, Government of India Forms Store, Calcutta to officiate as Assistant Manager (Admn.) in the same office in the pay scale of Rs, 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40— 1200, with effect from the forenoon of 7th December 1981, until further orders.

> H. C. SHARMA Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 3rd January 1982

No. O.II-1586/81-Estt.-The Director General CRPF is pleased to appoint Or. (Miss) Archana Chaudhury as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7th January 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

> A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th January 1982

No. S-161/67-AD.V.—The President is pleased to extend the services of Shri S. P. Bhardwaj, Additional Legal Adviser, CBI, who attains the age of 58 years on 28th February 1982, for a period of 6 months from 1st March 1982 to 31st August 1982.

No. A-20024/1/80-AD.V.—The services of Shri Chandrika Prasad, Assistant Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, Jaipur are placed back at the disposal of the Government of Rajasthan with effect from the afternoon of 8th January 1982.

No. A-20023/2/82-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Raj Pal Singh as Public Prosecutor CBI with effect from 22nd January 1982 (Forenoon).

> HERO A. SHAHANEY Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik, the 27th January 1982

NOTICE

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of C.C.S. (Temporary Service) Rules, 1965

In persuance of sub-rule (i) of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I, Shri R. T. Chaubal, Chief Accounts & Adm. Officer, Currency Note Press hereby give notice to Shri Nivruti Banaku Tupe, Security Guard, Token No. WW-176 that his service shall stand terminated with effect form the date of expiry of one month from the date of publication of this notice in the Gazette of India.

> R. T. CHAUBAL Chief Accounts & Adm. Officer Currency Note Press.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 27th January 1982

No. Admn.I/Genl./31-Vol.III/C.1(1)/10.—The ant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts/Audit Officers from the dates mentioned against their names until further orders:—

- Shri L. M. Desai—28th December 1981 F.N.
 Shri M. S. Nabar—7th January 1982 F.N.

- 3. Shri D. J. Kulkarni-12th January 1982 F.N.
- 4. Shri K. Venkatachari—13th January 1982 F.N.
- 5. Shri S. G. Thorat—7th January 1982 F.N.6 Shri C. L. Patel—18th January 1982 F.N.

R. S. SHARMA Sr. Dy. Accountant General/S

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 4th January 1982-

No. 55/G/81.—The President is pleased to accept the resignation of Shri C. B. Vadgaonkar, Temporary Manager with effect from 2nd Sept. 1981 (AN).

The 11th January 1982

No. 01/82/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. Jayaraman, offg. Asstt. Manager (Subs. and Permanent Store Holder) retired from service with effect from 30th Nov 1981 (AN).

V. K. MEHTA Asstt. Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 30th January 1982

No. A-12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th September. 1981 and until further orders '

- 1. Shri R. C. Dubey 2. Shri R. K. Jain 3. Shri K. C. Potel 4. Shri K. Ratnam

No. A-12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th September, 1981 and until further orders :

- 1, Shri B. K. Bandyopadhyay
- 2. Shri D. K. U. R. Bhagat

S. K. DAS Addl. Director General of Meteorology.

· DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 27th January 1982

No. A-1/1(220).—Shri B. Dev, Deputy Director (Supplies) in this Directorate General (Grade II of ISS Group 'A') has retired on 30th November 1981 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 1st February 1982

A-1/1(711).—Shri Baldev Enand, permanent Junior Field Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General retired on 31st January 1982 (AN) on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1(849).—Shri P. C. Sarkar, Officer on Special Duty (Statistics) in this Directorate General, a Grade II officer of the Indian Statistical Service, retired on 31st January 1982 (AN) on attaining the age of superannuation.

> S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th January 1982

No. 608B/A-32013/1-Dir (Geol.)/81-19A.—The President has been pleased to grant proforms promotion under "Next Below Rules" to Dr. S. Sinha Roy, Geologist to Dr. S. Sinha Roy, Geologist (Sr.), Geological Survey of India, who was on deputation outside Geological Survey of India, to the post of Director (Geol.). in the Geological Survey of India in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- with effect from 4th April

The 28th January 1982

No. 656B/A-32014(9-Lib.)/79-19A.—Shri Sanat Kumar Chatterjee, Senior Asstt. Librarian, Geological Survey of India is appointed on promotion as Librarian in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB —40—1200/- on ad-hoc basis on 1st September 1981 against the leave vacancy of Shri K. R. Schgal, Librarian, Central Headquatrers, Geological Survey of India, Calcutta, until further orders.

> J. SWAMI NATH Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 23rd January 1982

No. C-5787/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:

| | under which appointed on ad-hoc provisional basis | posted | promotion |
|---------------------------------|---|---|-------------------|
| 1. Shri Shanti Ranjan Mukherjec | . Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78 | No. 76 (Photo) Party (SEC), Bhubaneswar. | 16-9-81 |
| 2. Shri Shashindra Kumar Juyal | Notification No. C-5403/707 dated 17-8-78 | No. 25 Party (NWC), Mussorie | 15-9-81 (F.N.) |

The 25th January 1982

No. C-5788/718-A .- Shri Prem Nath, Officiating Superintendent. Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post). in Map Publication Directorate. Survey of India, Dehra Dun in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200/with effect from 31st December 1981 (AN) vice Shvi Manohar Lal. Fstablishment and Accounts Officer retired on superannuation.

> G. C. AGARWAL Brigadier Surveyor General of India (Appointing authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 30th January 1982

No. F. 8-30/81-Estt.—Consequent on the retirement of Shri B. R. Sharma, Administrative Officer w.e.f. 31st January 1982 (A.N.) Shri Tarlochan Singh, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 1st February, 1982 and until further orders. The ad-hoc appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

'His pay is fixed @ Rs. 920/- p.m. in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/-.

The 1st February 1982

No. F. 12-2/81(A1)/Estt.—Shri B. S. Kalra is appointed in a substantive capacity in the grade of Administrative Officer with effect from 1st June 1980.

He has since retired.

S. A. L. TIRMIZI Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th January 1982

No. 10/7/81-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri U. S. Dwivedi as Asstt. Engineer at office of the Regional Engineer (East), A.I.R., Calcutta in a temporary capacity w.e.f. 3rd Ocotber 1981 (FN) until further orders.

H. N. BISWAS Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi-1, the 29th January 1982

No. 4(24)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Kanwal Kumar Duggal as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from 14th December, 1981 and until further orders.

No. 4(37)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri B. N. Goyal, Programme Executive, (ad-hoc) as Programme Executive, All India Radio, Rohtak in a temporary capacity on regular basis with effect from 6th January, 1982 and until further orders.

Dy Director of Administration for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRI. & COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 22nd January 1982

No. F. 2-9/81-Estt.I.—Shri N. Sivarama Krishnan, Assistant Exhibition Officer (Gr. II) is promoted to work as Assistant Exhibition Officer (Gr. I) Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture and Cooperation, purely on ad-hoc basis w.e.f. 16th November, 1981 to 28th February, 1982.

K. G. KRISHNAMOORTHY Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

N. H. IV, Faridabad, the 28th January 1982

No. A-19027/1/81-A.III.—Shri J. M. Bagley, Photographer, is appointed to officiate as Photo Officer in this

Directorate at Faridabad with effect from the forenoon of 11th January 1982 on purely ad hoc basis for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A·39013/1/81-A.III.—The assignation tendered by Shii B. D. Sharma, Asstt. Marketing Officer in this Directorate, from the post of Assistant Marketing Officer has been accepted w.e.f. 8th January 1982 (A.N.).

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 16th January 1982

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Govind Vishnu Mandek, offg. Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre with effect from the forenoon of November 18, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 29th January 1982

No. NAPP/Adm/26(1)/Rectt/82-S/1863.—Chief Project Fngineer, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri N. K. Sharma, Section Officer (Audit) in the office of the Northen Railway, Baroda House, New Delhi, on deputation as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—742—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Officer in the forenoon of July 2, 1980, on the usual terms and conditions of deputation until further orders.

The 2nd February 1982

No. NAPP/Adm/26(1)/82-S/2022.—Project Director, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shri T. C. V. Chari, a permanent Foreman of Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer Grade SB in Rajasthan Atomic Power Project, to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the afternoon of 26th November 1981 until further orders.

A. D. BHATIA Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, Thana, the 29th January 1982

ORDER

No. TAPS/2/1535/81.—WHEREAS Shri P. K. Srivastava, SA (B) was granted leave from 1st January 1982 to 2nd January 1982 with permission to prefix 31st December 1981 and suffix 3rd January 1982 to the leave, as requested by him;

AND WHEREAS the said Shri Srivastava did not resume duty on 4th January 1982 after the expiry of the leave granted to him as above;

AND WHEREAS a Memorandum was sent to the said Shri Srivastava by registered post A.D. to his last known address, viz. C/o Shri 5. N. Srivastava. House No. 269/33, Birhana, Lucknow. Pin 226 004, asking him to report for duty;

AND WHERFAS a telegram purported to have been sent by Shri Srivastava from Kaupur resigning from 4th January 1982 was received in TAPS on 11th January 1982; AND WHEREAS in the absence of a properly signed letter, it was not possible to take cognisance of the request for resignation and therefore a letter dated 15th January 1982 was sent to the said Shri Srivastava to his last known address by registered A.D. explaining the position;

AND WHEREAS the letters sent on 8th January 1982 and 15th January 1982 were returned by postal authorities with the remark that the addressee could not be found;

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has contniued to remain absent from duty;

AND WHEREAS the said Shri Srivastava has been guilty of remaining unauthorisedly absent from duty and voluntarily abandonning the services;

AND WHEREAS because of his abandoning the services without keeping the TAPS informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules 1965;

NOW, THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers conferred under Rule 19(ii) of the CCS (CC&A) Rules 1965, hereby dismisses the said Shri Srivastava from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN, Chief Administrative Officer

Copy to:

Shri P. K. Srivastava, C/o Shri S. N. Srivastava, House No. 269/33, Birhana, Lucknow (Pin 226 004).

cc : SME (I)
: AO-III
: APO(E)
: DCSO
: CP Dossier

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th January 1982

No. A. 32013/2/80-EC—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer for a further period upto 31-12-81 beyond the date indicated against each and to post them to the stations indicated against each :—

| S. No | Name | • | - | | | Present Stn. of posting | Stn. to which posted | Date of taking over charge |
|---|---|---|---|------|------|--|---|---|
| 1 | 2 | | | | | 3 | 4 | 5 |
| 1. P.J 2. M. 3. O. 4. J.H 5. M. 6. A. 7. M. 8. R. 9. C. | S/Shrl K.K. Pillai C.S. Sudarshan P. Bhalla C. Chopra K. Ramnan Rajgopalan ukhtiar Singh Ramamurthy N. Mahadev Raghayan | | | | | ACS, Bombay CATC, Allahabad CATC, Allahabad ACS, Palam ACS, Madras ACS, Bombay ACS, Gauhati ACS, Palam ACS, Palam ACS, Palam | ACS, Bombay CATC, Allahabad CATC, Allahabad ACS, Palam ACS, Madras ACS, Bombay ACS, Gauhati ACS, Palam ACS, Palam ACS, Bombay | 2-5-81 10-4-81 3-6-81 2-6-81 16-4-81 16-4-81 23-4-81 8-4-81 16-4-81 |

No. A. 12025/1/81-EC—The President is pleased to appoint the following two persons at Technical Officer with effect from the dates indicated against each in the Aeronautical Communication Organisation of the CAD and to post them in the office as indicated against their name(s) until further orders:—

| S. No. | Name | Station to which posted | Date of taking over charge |
|-----------|---|-------------------------|--------------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| F | S/Shri Ashok Kun Pan A.V. Krishi | . ACS, Calcutta | 24-12-81 (FN) 31-12-81 (FN) |

No A. 32013/9/81-EC—The President is pleased to appoint the following Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.c.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each:

| S. No. | Name | | | | I | Present Stn. of posting | Stn. to which posted | Date of taking over charge |
|---|--|---|------|------|------|--|---|---|
| 1 | 2 | • | | | | 3 | 4 | 5 |
| 1. B. 2. Di 3. Di 4. D. 5. B. 6. V. 7. K. 8. C. o. B. 10. K. 11. K. 11. V. 12. O. 13. V. | S/Shri Ramakrishnen ipak Pal abasish Ghosh .B. Sud S. Kochar C. Reddy Chandrachudan L. Malik K. Dey N.S. Mani R. Ramanujam P. Chhabra S. Mitra I. Aruldoss .R. Shastry | | | | | Madras Calcutta Calcutta Calcutta Delhi Varanasi Hyderabad RCDU, N. Delhi Bombay RCDU, D. Delhi Madras Bombay Delhi RCDU, N. Delhi Madras Bombay | Madras Calcutta Calcutta Calcutta Delhi R.C.D.U.; N. Delhi Hyderabad RCDU, N. Delhi Bombay RCDU, N. Delhi Madras Bombay Delhi RCDU, N. Delhi RCDU, N. Delhi | 2-12-81 (FN) 30-11-81 " 14-12-81 " 30-11-81 " 7-12-81 " 28-12-81 " 24-12-81 " 28-12-81 " 28-12-81 " 28-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " 24-12-81 " |

| N | | e 30th January 1982 4/77-EC.—The President is pleased to | 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----------|-------------------------------|--|-------|-------------|---------|----------------|
| appoi | nt the underm the grade of | entioned nine officers in substantive capa- Senior Communication Officer in the Civil | 2. V | .K. Kalra , | 29-4-77 | RCC, Bombay |
| Aviat | | t with effect from the dates, indicated against | 3. S. | C. Goswami | 29-4-77 | DGCA (HQ) |
| | | | 4. R | .P. Sharma | 29-4-77 | DGCA(HQ) |
| S. No. | Name | Date from Station of posting which ap- | 5. L | .R. Garg . | 29-4-77 | CRSD, N. Delhi |
| . 10. | | pointed in | 6. N | J.K. Puri . | 15-4-78 | ACS, Delhi |
| | | the sub- stantive | 7. S | .H. Khan , | 21-5-78 | ACS, Calcutta |
| | | capacity | 8. S | .R.R. Rao . | 2-11-78 | ACS, Madras |
| 1 | 2 | 3 4 | 9. I | .K. Singhal | 4-7-78 | ACS, Bombay |

No. A. 32014/4/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following ten Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

| S. Name No. | | | | | Present Stn. of posting | - Stn. to which posted | Date tøkingover charge | of |
|---------------------------------|------|------|------|---|-------------------------|------------------------|------------------------------|----|
| 1 2 | | | | _ | 3 | 4 | 5 | |
| S/Shri | | | | | | | | |
| 1. R.S. Bhagirath | | | | | DGCA(HQ) | Delhi | 28-11-81 (FI | N) |
| 2. A.N. Kutty | | | | | Ahmedabad | Trivandıum | 19-10-81 | |
| 3. V.B. Dixit | | | | | Bombay | Bombay | 30-9-81 | |
| 4. J.C. Dey Sarkar | | | , | | Patna | Patna | 4-12-81 | |
| Ram Sunder | | | | | Gwalior | Lucknow | 12-10-81 | |
| S.L. Sardana | | | | | Delhi | Delhi | 30-9-81 | |
| 7. S.R. Despande | | | | | Bombay | Bombay | 30-9-81 | |
| 8 S.N. Lakhanpaul | | | | | Ahmedabad | Ahmedabad | 30-9-81 | |
| Gaj Ram Singh | | | | | Delh i | Delhi | 30-9-81 | |
| 10. D.N. Sone | | | | | Bombay | Bombay | 30-9-81 | |

No. A.32013/2/81-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis for a period of six months w.c.f. the dates indicated against each and to post them to the stations indicated against each:—

| S. No. | Name | | | | | Present Stn. of posting | Stn. to which posted | Date of taking over charge |
|--------------|----------------------------|---|---|---|---|-------------------------|----------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | | | | | 3 | 4 | 5 |
| | S/Shri | | | | | | | |
| 1. 1 | R.G. Gaur | | - | | | CATC, Allahabad | CTC, Allahabad | 9-12-81 (FN) |
| 2 | A ,K. Misra . | | | | | Do. | Do. | 9-12-81 (,,) |
| 3. 1 | Γ .S. Krishnamurthy | | | | | Do. | Do. | 9-12-81 (,,) |
| (| C.R. Das Gupta | | | | , | ACS, Calcutta | ACS, Calcutta | 30-11-81 (,,) |
| 5 .] | K.D. Mukherjee | | | | | ACS, Agartala | ACS, Calcutta | 11-12-81 (AN) |
| 6. 1 | R.N. Banerjee. | | | | | ACS, Calcutta | ACS, Calcutta | 19-12-81 (FN) |
| 7. | B.R. Rao | | | | | ACS, Bombay | ACS, Balgaum | 16-12-81 (FN) |
| 8. | T.D. Sharma | | | | | ACS, Varanasi | ACS, Varanasi | 2-1-82 (FN) |
| 9, 1 | H.L. Arora | | | | | ACS, Keshod | ACS, Bombay | 28-12-81 (FN) |
| 10.] | R.R. Pal | | | | | ACS, Mangalore | ACS, Bangalore | 31-12-81 (FN) |
| 11. | R.V. Israni . | | | | | - | RCDU, N. Delhi | 31-12-81 (FN) |
| 12. | B.S. Khurana | | | | | ACS, Delhi | ACS, Delhi | 31-12-81 (FN) |
| 13, 4 | G.D. Kulkarni | | | | | ACS, Bombay | ACS, Bombay | 1682 (FN) |
| 14 | M.P. Sama . | | | - | | CATC, Allahabad | RCDU, N. Delhi | 16-1-82 (FN) |
| 15. | Sarjit Singh . | | | | | ACS, Delhi | ACS, Palam | 15-1-82 (FN) |
| 16. | A.K. Day . | | | | | ACS, Port Blair | ACS, Calcutta | 7-1-82 (FN) |
| 17. | M, Appa Rao | | | | | ACS, Madras | ACS, Madras | 15-1-82 (AN) |
| 18. | S.S. Nepali | - | | | | ACS, Lilabari | ACS, Calcutta | 28-12-81 (FN) |

No. A. 32014/5/80-EC,—In continuation of this office Notification No. A. 32014/5/80-EC dated the 18th Nov. 1981, in partial modification of S. No. 5 thereof, the following may please be substituted to for the existing entries.

| S. No. | Name | Station of posting | - |
|--------|-------------------------|--------------------|--------------|
| 1 | 2 | 3 | |
| | Shri inderjeet Singh | ACS, Palam | |

PREM CHAND,

Assistant Director (Admn.)

New Delhi, the 21st January 1982

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri K. P. V. Menon. Senior Aerodrome Officer office of the Regional Director Madras retired from Government services on the 31-12-1981 on attaining the age of superannuation.

The 25th January 1982

No. A-31013/6/80 F.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Venkaswamy as Director of Equipment in a substantive capacity with effect from 24-11-1980.

The 29th January 1982

No. A.38013/1/81-EA.—Shri A. D. Malik, Aerodrome Officer Office of the Regional Director New Delhi, retired from Government services on the 31-12-1981 on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA, Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 2nd February 1982

No. A.32014/1/80-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Joseph Gurung as Store Officer (Group 'B' post) on ad-hoc basis in the O/O Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras with effect from the forenoon of the 18th January, 1982 for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is savient. basis, whichever is earlier.

No. Λ.32014/2/81-ES.—On attaining the age of superannuation, Shri Sher Singh, Administrative Officer, has retired from Government service with effect from 31-12-1981 (AN).

> J. C. GARG, Assistant Director of (Admn.).

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 30th January 1982

No. 16/262/77-Ests-I.—After availing three days Earned leave from 4-5-81 to 6-5-81, the resignation of his appointment as Librarian FRI & Colleges, tendered by Shri R. V. Prasad was accepted by the President, FRI & Colleges, w.e.f. the afternoon of 6th May, 1981.

O. N. KAUL. Registrar, Forest Research Institute & Colleges.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bhubaneswar, the 30th January 1982

- C. No. 1/82,-Shri S. K. Manwar Ali, Senior Superintendent, Central Excise and Customs, Cuttack Division has retired from Government Service from this Department on superannuation in the afternoon of 31st December, 1981.
- C. No. 2/82.—Shri Raja Kishore Satpathy, Superintendent, Central Excise and Customs, Rourkela Division will retire from Government Service from this Department on superannuation in the afternoon of 31st January, 1982.

Assistant Collector (HDORS) Central Excise & Customs Bombay-400 020, the 1st February 1982

F. No. II/3E(a)2/77.—The following Selection Grade inspectors have on promotion assumed charge as officiating Supdts. Central Excise Gr. 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from the dates shown against their

| S. No. | Name | | | Date of assumption of charge | | | | |
|---------|---------------|-----|---|------------------------------|------------------|--|--|--|
| 1 | 2 | | + | - | 3 | | | |
| S/Si | hri | | | | | | | |
| 1. G.F | t. Sharma | | | | 30-11-81 (F/N) | | | |
| 2. N.P | . Prabhu | | | | 21-12-81 (F/N) · | | | |
| 3. M.C | 3. Mulchanda | ıni | | | 21-12-81 (A/N) | | | |
| 4. T.M | I. Sahasrabud | lhe | | | 23-12-81 (F/N) | | | |
| 5. R.E | , Potdar | | | | 24-12-81 (A/N) | | | |
| 6. S.M | i. Barge | , | | | 30-12-81 (A/N) | | | |
| 7. S.S. | Modak . | | | | 31-12-81 (F/N) | | | |
| 8. G.A | . Shanghag | | | | 31-12-81 (F/N) | | | |
| 9. P.S. | Patil . | | | | 31-12-81 (F/N) | | | |
| 10. G.V | '. Shevde | | | | 31-12-81 (F/N) | | | |

F. No. 11/3E(a)2/77.—Shri G. D. Athalekar, Supdt. Central Excise Gr. B in Bombay-I Central Excise Collectorate has retired on superannuation on 31st December 1981 (AN).

F. No. II/3E(a)2/77/Pt.I.—Shri A. S. Sitlani officiating as Administrative Officer on purely ad-hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-, on his appointment on regular basis assumed charage of the post w.e.f. 20th July 1981 (F.N.).

K. S. DILIPSINHJI Collector of Central Excise Bombay-I

COLLECTORATE OF CUSTOMS & C. E.

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th January 1982

No. 21/81.-Shri Mahesh Kumar, lately posted as Under Secretary Central Board of Excise and Customs, New Delhi on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal of Customs, Central Excise and Gold Control in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi vide Department of Revenue order No. 206/81 (F. No. A-22012/81-Ad.II) dated 28th October, 1981 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' on 11th December, 1981 (forenoon).

> S. B. SARKAR Director of Inspection

DIRECTORATE OF O&M SERVICES CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd February 1982

F. No. 532/1/82-O&MS.—Shri V. P. Makol, lately working as Office Superintendent in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi has assumed charge of the post of Additional Assistant Director in the Directorate of Organisation & Management Services, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from the 21st January, 1982.

> K. J. RAMAN, Director, O&M Services

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 1st February 1982

No. 30/6/79-ECIX.—The President is pleased to appoint Mrs. Manu Suhas a nomince of the Union Public Service Columission against the temporary post of Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Wors Department on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) with effect from 22nd December 1981 (PN) on the usual terms and conditions,

2. Mrs. Manju Suhas is placed on probation for a period of two years with effect from 22nd December 1981 (FN).

MRS. NEENA GARG Dy. Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 15th January 1982

No. 22/4/81-Adm-I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Technical Assistants, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Scrvice with effect from the dates indicated against each in the Central Electricity Authority in an officiating basis, until further orders :-

Sl. No., Name & Date of taking over charge

- 1. Shri Ashok Roy-26th October 1981 (FN).
- 2. Shri T. Rangarajulu-26th November 1981 (AN).

S. BISWAS Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, BIHAR

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shiva Khandsari Udyog Private Limited

Patna-1, the 25th January 1982

No. 836-560/91.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of "Shiva Khandsari Udyog Private Limited" unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dinapore Cold Storage Private Limited

Patna, the 25th January 1982

No. (618)PS/560/4339,—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dinapore Cold Storage Private Limited; unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Patna Times Publication Private Limited

Patna, the 25th January 1982

No. (725) PS/56/4348.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the Attack of the Patna Times Publication Private Limited; Director, O&M Services

unless cause is shown to the contrar, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Nagarjuna Hatcheries Private Limited

(Pursuant to Section 445(2) of C.A. 1956) Hyderabad, the 20th January 1982

By an order dated the third day of April one thousand nine hundred and eighty one, in the company Petition No. 6 of 1977 of the High Court of Judicature, Andhra Pradesh, at Hyderabad it has been ordered to wind up M/s. Nagarjuna Hatcheries Private Limited.

> V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Anund Processors and Screen Printers Private Limited ;

Ahmedabad, the 27th January 1982

No. 1/21, 560,--Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Anand Processors and Screen Printers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vengard Benefit Private Limited

Ahmedabad, the 27th January 1982

No. 1775/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the exputation of three months from the date hereof the name of the M/s. Vengard Benefit Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. KAIRA Investments Private Limited

Ahmedabad, the 27th January 1982

No. 2181/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. KAIRA Invesments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gujarat Fibre Glass Manufacturing Company Private Limited

Ahmedabad, the 27th January 1982

No. 2716/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Gujarat Fibre Glass Manufacturing Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

> V. Y. RANE Asstt. Registrar of Companies. Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Param Chemi Steels Private Limited

Jullundur City, the 22nd January 1982

No. G/STAT/560/3515/8875.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Param Chemi Steels Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck of the beginner and the said company will be dissolved.

Central Excise & Customs

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jindal Drugs & Chemicals Private Limited

Jullundur City, the 22nd January 1982

No. G/Stat/560/3659/8878.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Jindal Drugs & Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mss. Shaktiman Films (Punjab) Private Limited

Jullundur City, the 22nd January 1982

No. G/Stat/560/3688/8880.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Shaktiman Films (Punjab) Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M.s. Wadhera Motion Pictures Limited

Jullundur City, the 22nd January 1982

No. G/STAT/560/2936/8882.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Wadhera Motion Pictures Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

N. N. MAULIK Registrar of Companies, Punjab, H. P. & Chandigarh. In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jaipur Tea Company Limited

Jaipur-6, the 1st February 1982

No. T/214/624.—Notice is hereby given pursuant to subsection (6) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Jaipur Tea Company Limited has been restored to the Register with effect from 8-12-1981 as per orders of the Hon'ble High Court of Judicature for Rajasthan Jaipur and the said Company is in existence.

S. P. DIXIT Registrar of Companies Rajasthan

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mss. Regina Chit Fund & Finance Private Ltd.

Pondicherry, the 1st February 1982

Notice is hereby given pursuant to Sub-Sec. (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of 3 months from the date hereof the name of the Company "Reging, Chit Fund and Finance Private Limited", unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO Registrar of Companies Pondicherry

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 7th January 1982

Ref. No. RAC No. 73/81-82 Kakinada Squad.-- Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D. No. 2655 situated at Madhurawada Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Korada Sanyasamma,
 W/o Venkata Swamy, Naidu,
 Vennulavalasa Vellanki Post-Bhimunipatnam Taluk.
 (Transferor)
- (2) Shri Krishna Co-operative House Building Society Ltd., B-1624, Madhuranagar, Visakhapatnam-530016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Dry land AC-3-37 at Vemulavalasa Village-T.D. No 2655. No. 329—was registered with the SRO, Visa-khapatnam during the month of May, 1981 vide document no. 3154/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th January 1982

Ref. No. RAC No. 74/81-82/Kakinada Squal/Whereas, I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

131/3 situated at Ramavarappadu village VZA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property,

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Musti Subbalaxmi W/o
 - W/o Ramakrishna Rao, Hyderabad.
 - Smt. Gollakota Parvathavardhani, W/o Sundara Sarma, Hyderabad.
 - (3) Smt Akella Krishna Kumari W/o Kameswara Rao, Bangalore.

(Transferor)

- (2) Sri Narla Gopala Krishnaiah, S/o N. Ramabrahmam, Katur Village, Krishna Distt.
- Sri Nadella Rama Mohana Rao, S/o
 N. Laxmaiah, Juvvalapalem,
 Repalle Tq., Guntur Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is site bearing R.S. No. 131/3 a measuring 0-70 cents at Ramavarappadu Village was registered with the SRO, Vijayawada during the month of May, 1981 vide doc. no. 4015/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inome-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No RAC No. 75/81-82 Kakinada Squad—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 152/2 situated at Kanuru Village, VJA Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kancherla Guru Prasad,
 S/o Baskara Rao,
 Smt. Gudapati Usha Rani, W/o
 Parthasarathi,
 Kum. Kancherla Laxmi, D/o
 Baskara Rao All are residing at Kanuru Village,
 Vijayawada.
- (2) Sri Kilaru Baskara Rao, S/o Nageswara Rao, President, Srl Vasavi Kanyaka Parameswari Co-Operative Building Society, Ltd., No. 2557, Patamata.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring 0-95 cents vide R.S. No. 152/2-Kanuru Village—Vijayawada Taluk—was registered with the SRO, Vijayawada during the month of June, 1981 vide document no 5568/81.

S. GOVINDARAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-1-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No. RAC No. 76/81-82 Kakinada Squad.—Whereas, I -S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 152/2 situated at Kanuru Vg. Vijayawada Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaywada on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centi of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25-466GI/81

- 1. (1) Sri Kancherla Guru Prasad, S/o Baskara Rao,
 - (2) Smt. Guadapati Usha Rani, W/o Parthasarathi and
 - (3) Kum. Kancberla Laxmi, D/o Baskara Rao—All are residing at Kanuru Village, Vijayawada Taluk.

(Transferor

2. (1) Sri Killaru Baskara Rao, S/o

Nageswara Rao, President—Vasavi Kanyaka Parameswari, Co-operative Building Society Ltd., No. 2557, Patamati Krishna Distt.

(Tra naferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac-1-100 S. No. 152/2-Kanuru Village, Vijayawada Taluk—was registered with the SRO, Vijayawada during the month of May, 1981 vide document no 4295/81.

S. GOINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No RAC No 77/81-82 Kakinada Squad—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

152/2 situated at Kanuru Vg, VJA, Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1938) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Mey, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which books to be disclosed by the transferee for the purocies of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1902) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid crocerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Sri Kancherla Guru Prasad, S/o Baskara Rao,
 - Smt. Gudapati Usha Rani, W/o Parthasarathi.
 - (3) Kum. Kancherla Laxmi D/o Baskara Rao, All are residing at Kanuru Village, Vijayawada Taluk. (Transferor)
 - (2) Sri Kilaru Baskara Rao, S/o Nageswara Rao, President—Vasavi Kanyaka Parameswari Co-operative Building Society, Ltd., No. 2557, Patamata.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac-1-00 at Kanuru Village, Vijayawada Taluk bearing S. No 152/2 was registered with the SRO, Vijayawada during the month of May, 1981 vide document no 4157/81.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-1-1982.

Patamata.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1982

Ref. No RAC No 78/81-82 Kakinada Squad—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No 152/2 situated at Kanuru Vg. Vijayawada Taluk
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vijayawada on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kancherla Guru Prasad, S/o
Baskara Rao,
Smt. Gudapati Usha Rani, W/o
Parthasarathi,
Kum. Kancherla Laxmi, D/o Baskara Rao—
All are residing at Kanuru Village, Vijayawada.

(2) Sri Kilaru Baskara Rao, S/o Nageswara Rao, President—Vasavi Kanyaka Parameswari Co-operative Building Society, Ltd., No. 2557

(Transferee

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning 94 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site admeasuring Ac-1-00 bearing S. No 152/2 at Kanuru Village, Vijayawada Taluk was registered with the SRO, Vijayawada during the month of May, 1981 vide document no 4094/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incronstax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd January 1982

Ref. No. P.R. No. 1360 Acq 23-II/81-82-Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 48 situated at Pritam Society,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee far the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shantilal Nandlal Bhatt;
 10-B Ambavadi, Apartment,
 Ambavadi Circle,
 Ahmedabad-6.

(Transferor)

 Smt. Ranjanben Tuljashanker Trivedi, 48, Pritam Society, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Pritam Society Plot No. 48, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1982

Ref. No. P.R. No. 1361 Acq. 23-11/81-82--Whereas, I. G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 339-R Wd. No 10, situated at Bhaga Talav., Surat

- * (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Suraton May, 1981
- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sild Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajabali Fazalbhai Mamrawala; 10/339-A, Masjid Gali, Bhaga Talav, Surat.

(Transferor)

- 2. (1) Lakhani Abdulmajid Abdulkadar,
 - (2) Lakhani Mohmad Iqbal Abdulkadar, Rander, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No 339-A, Wd. No. 10, Surat duly registered on May, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1982

Ref. No P.R. No. 1362 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and S. No 41/8 paiki situated at Umra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sanjukumar Thakorbhai Naik, Kadam Pally Society, Surat.

(Transferor)

(2) Jayvantiben Jormalbhai Mehta, Ajay Jormalbhai Mehta, Mahavir Apartment, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Umra S. No 41/8 (Paiki) duly registered on May, 1981.

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2-1-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 2nd January 1982

Ref. No. P.R. No 1363 Acq. 23-Π/81-82—Whereas, I, G.C. GARG.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 90, S. No 92-1, situated at Udha na

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Budhiabhai Kaliabhai self and P.A. Holder of;
 Babubhai Kaliabhai,
 Nathubhai Kaliabhai,
 Sukarbhai Kaliabhai,
 Saraben Kaliabhai,
 Kashiben Kaliabhai,
 Namiben Kaliabhai;
 Behind Udhana Yard,
 Udhana, Surat.

(Transferor)

- (2) Chairman and Secretary of Budh Coop. Hsg. Society Ltd.,
- Budhiabhai Kaliabhai Chaudhary, Behind Rly. Yard, Udhana.
- (2) Shri Ishvarbhai Lallubhai Patel, Delhi Gate, Dangi Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Udhana S. No. 90 and 92-1 (Paiki), duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd January 1982

Ref. No. P.R. No 1364 Acq 23-II/81-82—Wherea, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 665/1 situated at lehhaper, urat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pranial Ranchodji Patel, at Amroli, Tal. Choryasi, Surat.

Dayaka, Tal. Choryasi.

(Transferor)

 (2) (1) Bachubhai urfe Ambubhai Bavajibhai Patel, Vansava, Tal. Choryasi.
 (2) Manchhabhai Kalidas Patel,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and explanation used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No 663/I, at Ichhapor, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1982

Soal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd January 1982

Ref. No. P.R. No. 1365 Acq. 23-II/81-82-Whereas, I G.C. GARG.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Wd. No. 2, Nondha No 4592 situated at Sagrampura, Main Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
26—L466GI/81

 Smt. Umiyaben Wd/of Bhagwandas Karsandas; Shri Natverlal Bhagvandas; Ashokkumar Bhagwandas; Sagrampura Min Road, Surat

('Transferor)

- (2) (1) Jagdishchandro Harilal Swami, Chogan Mahollo, Sagrampura, Surat.
- (2) Pravindchundra Harilal Swami, Punumnagar, Bhatar Jakat Naka, Swat
- (3) Chandrakant Harilal Swami, Chogen Mahollo, Sagrempura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4592, Wd. No. 2, Sagrampura, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Cometent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rnge, II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1982.

10

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd January 1982

Ref. No P.R. No 1366 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Nondh No 4050, Wd. No. 2, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trucly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mansukhlal Dahyabhai, 4/4080, Zanpa Bazar, Main Road, Surat.

(Transferor)

- 2. Umeshchandra Chhabildas Kerivala;
 - (2) Dilipkumar Chhabildas Kerivala,
 - (3) Subhodhkumar Chhabildas Kerivala,
 - (4) Prakashchandra Chhabildas Kerivala, Zampa Bazar, Main Road, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh N. 4080, Wd. No. 4 (1/2 share) Surat, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, II, Ahmedabad.

Date: 2-1-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Alimedabad-380009, the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1367 Acq. 23-Π/81-82—Whereas, 1 G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 211(Paiki) Plot 12, situated at Udhna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the Office of the Registering Officer at Udhna on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohmad Hasam Shaikh, Amratnagar, Udhna, Surat.

(Transferor)

(2) S/Shri Ismail Ahmad, Mulla, Mahmad Molvi Mohmad Said and Haji Yusuf Ismail Vaid—P.A. Holder of, Suleman Ibrahim Dindar, Esop Ibrahim Dinder Mohmad Umar Ibrahim Dinder Mahmad Ismail Dindar Ahmad Ibrahim Dinder Mohmad Musa Ibrahim Dinder and Mohmad Husain Ibrahim Dinder, Rander, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No 211(Paiki) Plot 12, Udhna duly registered in May, 1981.

G.C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range-II, Ahmedabad

Date: 4-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AHMEDARAD

Ahmedabad, the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1368 Acq. 23-11/81-82-- Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No 2288/5, situated at as described in 37G form (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suret on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dipakkumar urfe Dipakbhai Durlabhbhai; Gayatri, Juhu Scheme, Road, No. 5, Bombay.

(Transferor)

- Promoters of Shital Apartment Coop. Hsg. Society,
- Shri Surendra Shantilal Sheth, Kapadia Flats, Umra Jakat Naka, Surat.
- (2) Dipak Kantilal Shah, Haripura, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 2288/5, as described in 37G duty registered in May, 1981.

G.C. GARG.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date 4-1-1982. Seal:

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1982

Ref. No P.R. No. 1369 Acq 23-I/II/81-82-Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3713 Wd. No. 7, Rampura, Main Road, situated at Surat

(und more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sitaram urf Maganlal Khashaldas; Varachha Sheri, Raghnathpara, Surat;

(Transferor)

- (2) (1) Shri Shankerbhai Khushalbhai Desa), 75, Hans Society, Varachha Road, Surat.
- (2) Kanaiyalal Naranbhai Desai, 75, Hans Society Varachha Road, Surat.
- (3) Bharatkumar Ranchhoddas Desai Do.
- (4) Nayinchandra Narandas Desai, Do.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3713, Wd No. 7, Rampura Main Road, Surat, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date 4-1-1982. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No 1370 Acq. 23-II/81-82--Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No.70, Plot No. 117, C.S. No. 2, situated at Navagam Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparest consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Bachubhai Maganlal Jarivala, Smt. Nirmalaben Bachubhai Jarivala, Jagdish Bachubhai Jarivala,
 Ashok Bachubhai Jarivala, 8/1964, Gopipura, Daudji Street, Surat,

(Transferor)

- 2. (1) Smt. Bhanumatiben Keshavlal,
 - (2) Shri Kiritkumar Chandulal Kangariyala,
 - (3) Smt. Prabhavatiben Chimanlal, Begampura, Hathi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 70, Plot No. 117, C.S. No. 2, Navagam, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahemedabad.

Date: 4th January, 1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1371 Acq. 23-II/81-82-Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 4491, Wd. No. 4, Shivdas Zaveri Sheri, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shantaben Ishvarlal Desei, Hemant Ishvarlal Desai, Shivdas Zaveri Sheri, Sagrampura, Suret.

(Transferors)

- (2) (1) Shri Balubhai Chhotabhai Patel,
 - (2) Shri Prayinchandra Balubhai Patel,
 - (3) Shri Hareshkumar Balubhai Patel,
 - (4) Shri Bipinchandra Balubhai Patel, Rampura Main Road, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4491, Wd No 4, Shivdas Zaveri Sheri, Sagrampura, Surat duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II Ahmedabad.

Date: 4-1-1982.

Soal:

FROM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th January 1982

Ref. No P.R. No 1372 Acq. 23-II/81-82—Whereas, G.C. GARG,

being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No 335, Plot No. 9, Katargam, land situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- On behalf of Rangildas Harkishandas Jarivala, A-3, Kumbhar Sheri, Gale Mandi, Surat.
 - P.A. Holder of (1) Santilal Rangildas,
 - (2) Kantilal Rangildas,
 - (3) Madan Rangildas, Shri Gamanlal Rangildas.

(Transferors)

[PART III-SEC. 1

(2) Shri Sureshchandra Natverlal Shah, Shri Bankimchandra Natverlal Shah, Sahadri Apartment, Timaliawad, Surat.

(Transferces

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TP S. 4, FP. 5, A-2, 5-B, R.S. No. 335, Plot 9 Katargam, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 4th January, 1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1373 Acq. 23 -11/81-82 Whereas I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No 895, Wd, No. 7, Rampura, Kadia, Sheri, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27-466 GI/81

- Shambhubhai Karanshibhai,
 B. No. 19, Ram Krishna Society,
 Lambe Hanuman, Surat.
- (2) Shri Hakim Mohmad Siad Rasheed Ajmeri, Baranpuri Bhagal, Nr. Vegetable Market, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

2259

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 895, Wd. No. 7, Nuri Moholla, Kadia Sheri, Surat duly registered in May, 1981.

G.C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 4th January, 1982.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE II AHNAEDABAD

Ahmedabad the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No 1374 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R_S. 25,000/- and bearing

Nondh No. 923/A-3, Wd. No. I, Adagara Mahollo, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Venilal Nagindas Sukharamvala,
 4/10, Mali Falia, Haripura, Surat.
 Hasmukhlal Sukharamvala,
 4/76, Mali Falia, Haripura, Surat.
 Vinodchandra Nagindas Sukhramvala,
 5/1214, Bhavanivad, Haripura, Surart.

(Transferor)

 Chandaben daughter of Rangildas Bhaichand, Ambaji Road, Nani Chipvad, Surart.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 923/A-3, Wd. No. 1, Adagara - Maholla, Surat duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 4-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1375 Acq. 23-II/81-82—Whereas, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1536, Wd. No. 11, Sodagarvad, situated at Nanavat, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Guardian & friend of Minor Alukkumar Dhirajlal Kapadia,
 - Shri Dhirajlal Chhotlalal Kapadia, Ramjini Pole, Nanayat, Surat

(Transferor)

- (2) (1) Firojudin Ahmadbhai Sipvala,
 - (2) Shamim Ahmed Firojudin Sipvala,
 - (3) Karim Munisha Firojudin Sipvala,
 - (4) Bilkisabanu Shamim Ahmed Sipvala, Rani Talav, Main Road. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1536 Wd. No. 11, Sodagarvad, Suratt duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date 4-1-1982,

FORM I.T.N.S.—--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1376 Ac. 23-II/81-82--Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No 43, Village Swargasan, situated at Gandhinagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering

officer at Gandhinagar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gopalji, Ghamirji Vaghela, Sargasan, Tal. Gandhinagar.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Girishbhai Chinubhai Shah, Tirupti Soclety, Behind Flower School, Bhatha, Sarkhei Road, Ahmedabad
 - (2) Shri Rasiklal Shanbhai Dalal, Shantinagar Society, Ashram, Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 43, Village Sargasan, Tal. Gandhinagar duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahemedabad

Date: 5-1-1982.

Scal

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. PNo. P.R. No. 1377 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 74-Village Vavol situated at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Prajapati Shakrabhai Jinabhai, Vayol, Distt. Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri M.K. Patel, Ghanshyam Coop, Hsg. Society, 34, Viratnagar, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 74, Vavol, duly registered in May, 1981

G.C. GARG.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982

FORM ITNS ----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1378A-Acq. 23- $\Pi/81$ -82—Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 58/2 at village Sargasan situated at Gandhinagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on May. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vaghela Partapji Kuberji, Vaghela Javarji Kuberji, Sargasan, Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Pramoters of Shri Katmehan Coop Hsg. Society Ltd., Shri Mulubha Becharji Rathod, Sector No. 22, Gandhinagar,

· (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 58/2 at Sargasan, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1378-B Acq. 23-II/81-82 - Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 56, Sargasan, situated at Gandhinagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shantidae Jivabhai Gadhvi, Takhabhai Jivabhal Gadhvi, Umedba Jivabhai Gadhvi, Sargasan, Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Promoter of Shri Karmchari Coop Housing Society Ltd., Shri Mulubha Becharji Rathod; Sector No. 22, Gandhinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined, in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 56, at Sargasan duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 23td December 1981

Ref. No. P.R. No. 1379 Acq 23-11/81-82—Whereas, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

B. 20, Sector 21-District Shopping Centre situated at Gandhinagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Gandhinagar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Virbala Gopalji Bhatt, B-20, District Shopping Centre, Sector 21, Gandhinagar.

(Tranasferor)(s)

(2) Shri Bharatkumar Kantilal Pandya, Soctor 22, Block 14/3, Gandhinagar.

(Transferce)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Sector 21, B. 20, District Shopping Centre, Gandhinagar, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1380 Acq.-23-1f/81-82-Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 200 situated at Tithal, Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesiad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Naushir Behramji Dumasia; Tithal, Valsad.

(Transferois)

- (2) (1) Shri Manekbhai Atmaram self & Karta of HUF.
 - (2) Shri Ramesh Atmaram self & Karta of HUF. Opp. Telephone Exchange, Valsad.
 - (3) Smt. Hasumati Himatlal Shah;
 - (4) Smt. Vanitaben Manubhai Shah, Opp. Telephone Exchange—Valsad.
 - (5) Shri Satish Ishvarlal Kapadia self and Karta of HUF. Nani Mahetvad, Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in -the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tithal, S. No. 200, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

Seal:

28-466 GI/81

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mangaldas Private Limited through its Managing Director Shri Madhukar Chimanlal Sheth; Block No. 2, Di;ti Society, Akruli Road, Kandivali (East), Bombay.

(Transferor)

 Shri Mohanlal Sagarmal Kothari, Sole Prop. of Emmar Metal Industries, 'Amba Bhuvan', 5, Santacruz (East), Bombay 400055.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No 1381 Acq. 23-Π/81-82-- Whereas, J. G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 5/TP, 512/6.A situated at Abrama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Abrama S. No. 5/TP and 512 /PA duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahemedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-1-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. P.R. No. 1382 Acq. 23-11/81-82 -Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 441, C.S. No. 3137 situated at Desara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

Shri Chhotubhai Lallubhai Mistry, Shri Maganbhai Lallubhai Mistry, Shri Jayantilal Lallubhai Mistry, Shri Dhansukhbhai Lællubhai Mistry, Shri Chandrakant Lallubhai Mistry, Billimora Mahadev, Billimora.

(Transferor)

- (2) President of Ratna Coop. Hsg. Society,
 - (1) Shri Maheshchandra Gujendra Naik,
 - (2) Shri Mayankkumar Arvindbhai Chokshi, Mahadevnagar Industrial, Billimora.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Desara S. No. 441, C.S. No. 3137 duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahemedabad-380009, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. 1383 Acq. 23-II/81-82-- Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 11 & 11/1 situated at Gandevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ratanbai wife of Kavasji Nasarvanji Mehta; Gandevi Parsiyad, Gandevi.

(Transferor)

(2) Shri Manubhai Sihyabhai Amin, Anand Coop Housing Society, Billimora, Tal. Gandeyi, Distt Valsød.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Gandevi S. No. 11 and 11/1 duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Datd : 5-1-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION II RANGE AHMEDABAD

Ahmedabad the 5th January 1982

Ref. No P.R. 1384 Acq 23-H/81-82 --Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No R.S. No 301/A, 301/C, 304/B, 301/D situated at Saribuj-rang

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

Gandevi on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Champaklal Hirachand Shah,
 Opp Railway Station (East), Amalsad.
 Guardian and father of minor Bharatkumar,
 Champaklal Shah—Shri Champaklal Hirachand Shah,
 Chandraben Champaklal Shah,
 Opp. Rly. Station (East), Amalsad.

(Transferor)

 President of Yoginagar Coop Housing Society, Shri Ranchhodbhai Sukh bhai Patel, Opp. post Office, Mahadevnagar? Billimora

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Saribujrant S. No 301/A + 301/C + 305/B 301/D (Paiki), duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1385 Acq. 23-11/81-82--Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 379/1/2 paiki situated at Desara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Harilal Balvantrai Desai,
 Gomtiben Jivanbhai Intwala,
 Nanbhai Lallubhai Intwala,
 Harilal Lallubhai Intwala,
 Ramanlal Lallubhai Intwala,
 Jagubhai Lallubhai Intwala; and
 P.A. holder of 2, 3, 4, 5, 6,
 Shri Hargovindbhai Lallubhai Intwala,
 Desara Tal. Gandevi.

(Transferor)

- 2. Partners of Gayatri Parivat Billimota,
 - (1) Shri Babubhai A. Daudekar,
 - (2) Shri Vijay B. Daudeker,
 - (3) Sint. Mangalben V. Poona,
 - (4) Suresh Digamber Mchta, Bombay,
 - (5) Smt. Rajniben Digamber, Bombay,
 - (6) Mahesh Sadashiv Joshi, Goregao, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Desara—S. No. 379/1/2 paiki, duly registered in May, 1981.

G.C. GARG.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January, 1982

Ref. No. P.R. No. 1386 Act. 34-II/81-82-Whereas, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No 112, 113, 139, 143 144, 145 (Paiki) situated at Gandevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persors, namely:—

- (1) Shri Thakorbhai Khandubhai Desai, Ajrain Falia, Samravadi, Gandevi.
 - (Transferor)
- (1) 1. Shri Subhashchandra Dhirubhai Desai, at Taragam-Tal. Gandevi.
- Shri Sumantrai Khandubhai Desai, at Dagam-Tal. Chikhali, Distt. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 112, 113, 139, 143, 144 & 145 (Paiki) at Gandevi, duly registered in May, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,-I, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1387 Acq. 23-II/81-82---Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 23, Maktampur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Partner of Muktanand Builders, Bhupendrabhai Ramjibhai Patel, Broach.

(Transferor)

(2) Yogeshbhai Pannalal Shah,B. No. 70, Bhragupur Society,Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of hie said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No 23 (Paiki) at Maktampur duly registered in May, 1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date 5-1-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No 1388 Acq. 23-II/81-82--Whereas, I G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

Block No. 552, at Village: Hond situated at Tal Chikhali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikhali on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29-466GI/81

 Manibon Wd/or Balvantrai Paragji Desai, at Hond, Tal. Chikhali, Distt. Valsad.

(Transferor)

(2) President : Chhotabhai Dayalji Patel, Chikhali Taluka Nira Tad Gol & Khadi, Gramodyog Sangh at Vankal, Tal, Chikhali, Distt, Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Proprty at Hond.—Block No. 552 duly registered in May, 1981.

G.C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 11, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January, 1982

Ref. No. P.R. No 1389 Acq. 23-II/81-82--Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 167 situated at Vijalpur, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manibhai Dahyabhai Naik, at Vijalpur, Tal. Navsari.

(Transferor)

(2) Shri Mansukhbhai Manibhai Patel, Shri Nagarbhai Ghelabhai Patel, Lunsikui, Navsari.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 167, Vijalpur, duly registered in May, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th January 1982

Ref. P.R. No. 1390 Acq. 23-11/81-82---Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 571+572 (Paiki) land situated at Vapi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Pardi on May, 9181

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Manekchand Bhaichand Shah—being Karta of HUF of Manekchand Bhaichand Shah, Vapi, Tal. Pardi.

(Transferor)

 Partner of Aleru Enteprises, Yusufbhai Gulammusad Lakdawala, Vapi, Tel. Pardi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Vapi S. No. 571 + 572 (Paiki) registered in May May, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Tax Range-II, Ahmedabad

Date: 6th January, 1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th January 1982

Ref. No. P.R. 1391 Acq. 23-II/81-82-Whereas, 1 G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 422, 436, 437, 438, 439 (Paiki) land situated at Khatal-vad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Pardi on May, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-

lowing persons, namely :-

- (1) On behalf of Shashikant Narsai minor Narsinh Bhagyanbhai, Khatalvad Tal, Umargam,
 - Smt. Raziaben Fidahusain, Khatalvada, Tal. Umargam,
 - Smt. Rukhiyaben Fidahusein, Khatalyada- Tal. Umargam, Distt. Valsad.

(Transferor)(s)

Partner of Merchant Farm, Shri Mohmad Hussein Pirbhai, 54, Agiarlane, Bazar Gate Street, Bombay-1.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Khatalvada-S. No. 422, 436, 437, 438, 439 (Paiki), land duly registered in May, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-1-1982.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1392 Acq. 23-11/81-82 -- Whereas, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herchafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 96 situated at Ghatkhol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mohanbhai Chunibhai Patel, Ghadkhol, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

- (1) Vinodrai Ambalal Mehta –Kamia Mention, Bhatravnath Road, Ahmedabad.
 - Vijaykumar Jayendralal Mehta, Rambag Road, Maninagar, Abmedabad.
 - (3) Kaushikkumar Jayantilal Mehta, Kamla Mansion Bhairavanath Road, AhmeJabad.
 - (4) Ravindra Ambalal Mehta,
 - (5) Kantilal Ambalal Malaa, Laxmi Estate, Nr. Kalpna, Colony, Rambag Road, Maninagar, A' bad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ghadkhol—S. No. 96 (Paiki) duly registered in May, 1981.

G. C. GARG.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 5th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. 1393 Acq. 23-11/81-82 --Whereas, I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 198 situated at Ghadkhol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. (1) Bhagvanbhai Gopalbhai Patel,
 - (2) Vanmalibhai Morarbhai Patel,
 - (3) Dahyabhai Chhaganbhai Patel,
 - (4) Balubhai Chhaganbhai Patel,f
 - (5) Jagmalbhai Chhaganbhai Patel,
 - (6) Khushalbhai Chhaganbhai Patel,
 - (7) Taraben Chhaganbhai Patel,
 - (8) Hasuben Chhaganbhai Patel, P.A. Holder of S. No. 7 & 8, Khushalbhai Chhaganbhai, Bai Mala Wd/ o Chhaganbhai Ksurbhai, Ghadkhol, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

- (1) Chamaklal Parasmal Raka, 102, Ashirdvar Builders 1st Floor, Khatvadi, Bombay-4.
 - (2) Hukamram Girdharilal Raka, Grant Road, Bharat-, nagar, Dr. Quarters, 1st Floor, Bombay-7.
 - (3) Jasraj Verimal fRaka; Grant Rd. Bharatnagar, E-Building, Bombay-7.
 - (4) Rameshkumar Chhaganlal Raka, Baiculla-Opp. Jain Temple, Shetranjaya Darshan, 3rd Floor, Bombay-8.
 - (5) Sitaram Shanker Patel, Paradise Metal; 8-10, Biji Suthargali, Bombay-4,
- (6) Khemrajji Radmalji Mehta, Do.
- (7) Bhavarlal Radmalji Mehta; Do.
- (8) Babulalji Radmalji Mehta; Do.
- (9) Urmilaben Bhagvatlal, Visa Falia, Ankleshwar.
- (10) Laxman Juhar Malji Tailor, 65, Saifudin Building, Room No. 7, Parrel, Ambedkar Road, Bombay-12.
- (11) Pukhraj U. Chauhan, 1-1 Mervanji Street, Block, Nirambanivas, Room No. 100, Parrel, Bombay-12.
- (12) Zaverchand Hazarimal Jain, 111/113, Vardhman Metal Corporation, J.M. Compound, Tisara Bhoivada, Bombay-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ghadkhol S. No. 198, duly registered in May 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmodabad

Date: 5-1-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION FRANCE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No 1394 Acq 23-11/81-82--Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

R. S. No. 163, Paiki land situated at Dungari

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excends the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Laxmi Organizer, Budhadev Market, Broach.

(Transferor)

(2) Laxminagor Coop, Housing Society, Budhadey Market, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No 163 (Paiki) duly registered in May, 1981

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ah :115 ad

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AHMFDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1395 Acq. 23-H/81-82 - Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 22, 23 situated at Maktampur, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Jayantibhai Chhitabhai Solanki, Zadeshyar, Broach.

(Transferor)

(2) Partner of Muktanand Builders, Bhupendra Ravjibhai Patel, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Maktampur--S. No. 2323 duly registered in May, 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tae
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE, II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1396 Ac. 23-11/81--2- Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1 & 4 Mozampur /Kasak situated at Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
30—466GI/81

(1) Vali Suleman Beges, Ibrahim Suleman Bagas, Ismail Suleman Bagas, Bibiben Suleman Bagas, Ayashaben Suleman Bagas, Kasak, Broach.

(Transferor)

- (2) (1) Ibrahim Adam Mitha,
 - (2) Tushar Rampiklal Shah,
 - (3) Vinodehandra Bhanuprasad Pandya, Broach.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFEANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mazampur at Kasak—S. No. 1 and 4 resectively duly registered in May, 1981

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, II Ahmedabad.

Date: 5-1-81982

PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. N. 1397 Acq. 23-II/81-82-Whereas, G.C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 132 situated at Vojalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalues of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons: namely;—

 On behalf of Jagu Enterprises Partners, Shri Vinodehandra Bhikkhabhai, Veajlpur, Zanda Chock, Broach.

(Transferor)

(2) Mantri of Vasantnagar Coop Hosg. Society, Shri Ramanlal Chhaganlal Shelat, Vejalpur, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 132, Vejalpur, duly registered in May, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 5-1-1982 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1398 Ac. 23-II/81-82 -Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Block No. 125, at Chavaj situated at Broach '-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ambaben Varghabhai, Village: Charvaj, Broach.

(Transferor)

 Chairman of Relief Coop. Housing Society, Jagdish Bhaishanker Pandya, Chavaj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Block No. 125, Chavaj, duly registered in May, 1981

G.C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II, Aymedabad.

Date: 5th January, 1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1399 Acq. 23-II/81-82-- Whereas, I G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 11/2, Kanabivaga situated at Broach.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ambølal Lallubhai Patel,
 Punit Society, Broach.
 Jagdishbhai Mohanbhai Patel,
 Station Road, Chanvela Chawl, Broach.

(Transferor)

(2) Naginbhai Hathibhai Patel, Jalaram Coop, Housing Society, 71, Patel Society, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 11/2 (Paiki), Kanabivaga duly registered in May, 1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 5th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1400 Acq. 23-II/81-82--Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 72 situated at Bholay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Broach on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Imamudin Badrudin Saiyed, Broach.

(Transferor)

 Shri Kirtibhai Laxmichand Sarvariya, Priyanl Sarvaiya Beneficiaries Trust, Pritam Society, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 27, Bholav duly registered in May, 1981

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 5-1-1982.

FURM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 8th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1401 Acq. 23-II/81-82—Whereas, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B.T. No. 1/8 situated at Kharchikarwada, Raopura area, Baroda City

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sharatchandra Bhalchandra Kharchikar, Kharchikarwada, Raopura, Baroda

(Transferor)

(2) Kumudrai Chimanlal Shah, Lohripura New Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing B.T. No. 1/8 situated in wharchikarwada in the Raopura area of Baroda City and as fully described as per sale-deed bearing Regn. No. 2349 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of May. 1981.

G. C. GARG,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 8th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedahad, the 8th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1401 Acq. 23-11/81-82--Whereas, 1 G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2267, 2268, 2270 & 2271 situaled at Sidhwai Mata Road, Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Baroda in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

į.,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Manoramadevi B. Dafale; Sidhwai Mata Road, Baroda.

(Transferor)

 Kalındiben U. Gandhi, Makarpura Road, Nr. Hajira, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated on the Sidhwai Mata Road, bearing S. No. 2268, 2267, 2270 and 2271 and as fully described as per sche duled bearing Regn. No. 2805 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of May. 1981.

G.C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 8-1-1982.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 8th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1403 Ac. 23-II/81-82--Whereas, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 811 situated a Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda on 4-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the ludian income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kashinath Narayan Kulakarni, Kanbivivali, Bomby.

(Transferor)

(2) Vinayak G. Kolhatkar, Rajmahal Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and an old building the reon bearing C.S. No. 811 and as fully described in the sale deed bearing Regn. No. 2224 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 4-5-1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 8-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th January 1982

Ref. No. P.R. No. 1404 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I C.G. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 264/1, Near Railway Station situated at Kalol (N. Guj.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalo¹ on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

31-466GI/81

- (1) Patel Chimanlal Samabhai,
- (2) Patel Rameshchandra Chimanlal,
- (3) Patel Popatlal Chimanlal,
- (4) Patel Keshavlal Sanabhai,
- (5) Patel Sumanchandra Keshavlal,
- (6) Patel Ashokkumar Keshavlal,
- (7) Patel Kamalben B.,
- (8) Patel Natverlal B.,
- (9) Patel Kanaiyalal, B.
- (10) Patel Ghansham B.,
- (11) Patel Kamlaben B. on behalf of Rajendra, All staying at Mukhino Vado, Kalol (N. Guj.)

(Transferor)

 Naranarayan Coop, Housing Society Ltd., Near Railway Station, Kalol (N. Guj.)
 (Through: Kantibhai Kachrabhai Patel, 46, Narnarayan Society, Nr. Rly. Station Kalol (N.G.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 264/1, situated near Railway Station, Kalol and as fully described as per sale deed bearing Regn. No. 425 registered in the office of Sub-registrar, Kalol (N. Guj.) on 7-5-1981.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dage 11-1-1982. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 30th December 1981

Ref. No. P. R. No. 556 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. F. P. No. 721/2 situated at Near Perimal Coop. H. Socy. Tulsibaug, Ellisbridge, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jashbhai Govindbhai Patel, 11, Shantisadan, Nr. Perimal Socy. Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kalubhai Sartanbhai Rabari & others; Near Tulsibaug, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 913 sq. yds. bearing TPS. 3, F. P. No. 721/2 situated at Tulsibaug, Ellisbridge, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deep No. 5181/May, 1981 i.e. property as fully described therein,

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30th December, 1981.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1981

Ref. No. P. R. No. 1557, Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 137 Plot No. 13 paiki situated at Bhaynagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 16-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chauhan Tribhovanbhai Harjivanbhai;
 Subhashnagar,
 New Acrodrome Road,
 Ajayawadi Plot-13,
 Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Dholakia Kishorkant Kantilal; Vishalvadi, Gujarat Housing Board, Block No. 17, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and bldg. situated at Bhavnagar bearing S. No. 137, Plot No. 13 paiki adm. 169 '72 sq. mts. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Rega. No. 1075 dated 17-5-1981.

G. C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30th December, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1981

Ref. No. P. R. No. 1558 Acq. 23-I/81-82:--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sheet No. 105 C. S. Ward No. 1, Nondh No. 1273 to 1280 situated at Vadava Talavadi area, Bhavnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 13-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravishanker Dayashanker Joshi; Vadava Talavadi, Nr. Mangal Vihar, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Hirabhai Hanubhai Dangar; Vadavanes Chowk, Pithavalo Khancho, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the esaid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Vadava Talavadi area bearing Sheet No. 105, Nondh No. 1273 to 1280 of C. S. Wd. No. 1 adm. 388-59 sq. yds. as fully described in the sale deed registered with the Sub Registrar, Bhavnagar, vide Regn. No. 1042, dated 13-5-1981.

G, C. GARG Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30th December, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1981

Ref. No. P. R. No. 1559 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. S. No. 433-I paiki, Plot No. 46, situated at Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 25-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inkilate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantaben Jivanlal Joshi, Punit Society, Rajkot.

(Transferor)

- (1) 1. Shri Pravinchandra Mukundrai Gandhi;
 - 2, Vania Vadi,
 - Rajkot.
 - 2. Raxaben Jagdishchandra Mehta;
 - 1, Vania Vadi, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Rajkot bearing S. No. 433-I paiki Plot No. 46, adm. 347 sq. yds. and 354-0-25 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 4206 & 4207 dated-25-5-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30th December, 1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1560 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Rukka No. 66/81, Building situated at Mangrol,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangrol Fon May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Taramani Narsinhdas Dhru:
 - 2. Madhulatta Prabhudas Dhru;
 - 3. Pravinchandra Narsinhdas Dhru;
 - 4. Dilipkumar Narsidas Dhru;
 - Narendrakumar Narsinhdas Dhru;
 All at Mangrol.

(Transferor)

(2) Shri Shah Tulsidas Devidas & others;
 Mangrol Mansion,
 6, Gun Street,
 Bost Street,
 Bombay-1.

(Trasferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land square Gaj 3850 & Ruka No. 66/81 & Sq. mts. 922-26-70 situated at Baharkot, Sati's Deri, Mangrol, duly registered by Sub-Registrar, Mangrol vide sale deed No. 440/May, 1981, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, AHMEADABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1561 Acq. 23-I/81-82:--Whereas, I. E. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 2027, situated at Wadhawan, Dist. Surendranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhawan on 7-5-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Hematsing Sursang Parmar;
 - 2. Shri Banesing Sursang Parmar; Both at Wadhawan City, Dist. Surendranagar.

(Transferor)

- 1. Shri Shah Balchand Kasalchand & others; of Surendranagar.
 - Shri Shah Rasiklal Kasalchand of Dharangadhara. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDUJE

Agricultural land bearing S. No. 2027-Adm. 4A-10 Gun, situated at Wadhawan sim, Wadhawan, duly registered by Sub-Registrar, Wadhawan vide sale-deed No. 2026/81/7-5-81 i.e., property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmeadabad.

Date: 1st January, 1982.

1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1562 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 649, 650, 656, 722, 642, 643 & 645/1 situated at Dharangadhara, Disst. Surendranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhrangadhara on May, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

 Shri Kaikhushru Hormasji Palia & another; Govt. Hospital Road, Dhrangadhara,
 Dist. Surendranagar.

(Transferor)

(2) Shri Raskiklal/Muljibhai Sompura; (Hariniwas', Mahatma Gandhi Road, Puna-2,/Dhrangadhara, Dist. Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land bearing S. No. 649, 650, 656, 722, 642, 643 & 645/1, adm. 10A 30 Gun., 3A-19 Gun, 10A-15 Gun, 4A-39 Gun., 1A-29 Gun. & 8A-16 Gun. situated at Dhrangadhara, duly registered by Sub-Registrar, Dhrangadhara vide sale deed No. 1212/30-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1563, Acq. 23-I/81-82:—W hercas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 514—S. No. 515-& S. No. 516 situated at Verawal, Dist. Junagadh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Verawal on 8-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
32—466GI/81

 Goswami Shri Goverdhanshji, Shri Girdharlal ji Maharaj, Ramchhodji's Haveli, Kedreshwar Road, Porbander.

(Transferor)

Shri Girdharlal Narbheram Joshi & others;
 Behind Swaminarayan Temple,
 Verawal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Adm. 1A—05 Gun. on S. No. 514, 2A—28 Gun. on S. No. 515 & 3A—28 Gun. on S. No. 516, situated at Verawal duly registered by Sub-Registrar, Verawal vide sale-deed No. 1783/8-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 1st January, 1982,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITIO6 RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1564 Acq. 23-I/81-82:-Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5. No. 218/2 situated at, Village Shapur, Dist. Junagadh, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Manavadar on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Naran Jina Bajania-Kumbhar-Village Shapur (Sorath), Dist. Junagadh.

- (2) 1. Patel Kantilal Gordhandas of Junagadh.
 - Patel Jamnadas Dudabhai of Luvarsar, Dist. Junagadh.
 - 3. Patel Gopalbhai Kanjibhai of Dhoraji, Dist. Rajkot.,
 - 4. Patel Arhakkumar Jerambhai of Village Tarsai, Dist. Junagadh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 218/2 adm. A8-0 Gun. situated at village Shapur Dist. Junagadh duly registered by Sub-Registrar, Manavadar vide sale-deed No. 1028/14-5-81, i.e. property as fully described therein.

> G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1982

Ref. No. P. R. No. 1565 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 156, 157 & 158 paiki TP S. 17, FP No. 6A, Sub-P. No. 5 situated at Dariapur, Kazipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad, on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s. Namrata Investors;
 Office: Camp Road,
 Shahibaug,
 Ahmedabad.

Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shahibaug Namrata Coop. H. Socy. (Proposed) Laxminarayan Society, Camp Road, Shahibaug.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 1944-68 sq. mts. bearing S. No. 156, 157 & 158 paiki—situated at Dariapur—Kazipur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 9331/80/May, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1566 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 381, Sub-Plot No. 1A, TPS. 2 (Varied) situated at Mithakhali, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jyotindra Natwarlal Mehta; Kalyan Society, Ellisbridge Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sri Rang Apartment Association; through: Chairman: Shri Rasiklal Shantilal Shah; Triveni Apartment, Mithakhali, Near Six Roads Ellisbridge Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with plinth—Adm. 895 sq. yds. paiki bearing FP No. 381, Sub-Plot No. 1-A, TPS. 2 (Varied) situated at Mithakhali, Ellisbridge, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 4372/14-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. G ARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1567 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 211-1 to 4, 243-P situated at Narol, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhailalbhai Ashabhai Patel & others; Kalyan Society, Mithakhafi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Sardarpatel Industrial Estate & Warehousing Estate Owners Association; President: Shri Bipinkumar Mulshankar Rawac, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on land bearing S. No. 211—1 to 4, 244—1 to 4 and 243-P, situated at Narol, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5911/25-5-1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1568 Acq. 23-J/81-82--Whereas, J. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 86, 87, 98, 89 paiki 217 Sub-Plot No. 47 TPS. 1

at Ahmedabad on 8-5-1981

F. P. No. 204, situated at Memnagar, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent so such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Puspaben Pramodhbhai—through P. A. Holder— Shri Jagmohandas Girdharlal Vakharia;
 Dadabhai Navrojji Road,
 Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Muktajivan Apartment owners Association; through: Chairman: Shri Kantilal Harjivandas; Mistry, Sudarshan Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 191.34 sq. mts. + 191.34 sq. mts. + 191.34 sq. mts. situated at Memnagar, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5330, 5331, 5332/8-5-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Date: 1st January, 1982. Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st January 1982

Ref. No. P. R. No. 1569 Acq. 23-I/81-82 - Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent. Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 149, 150-1-2, 151 paiki TPS. 19 FP. 209, paiki Sub-Plot No. 39, paiki situated at Sheikhpur Knapur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kantaben Amratlal Gandhi;
 Uchi Sheri,
 Dholka,
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Púspakant Apartments Owners Association; (Proposed), Promoter— Shri Dipakkumar Haribhai Gandani, 164, New Cloth Market, Raipur.
Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 427 sq. yds. situated at Sheikhpur-Khanpur, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5297, 5294 & 5293/27-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date; 1st January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-30009, the 1st January 1982

Ref. No. P. R. No. 1570 Acq. 23-J/81-82--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 1003 paiki situated at Vejalpur, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 30-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Chanchalben Parshottamdas Patel;
 Rachana Society,
 Suredra Mangaldas Road,
 Ambawadi,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Upendrasinhji Vijaysinhji Khasgiwalla;'Udhayan',S. M. Road,

Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lad adm. 6897 sq. yds. bearing S. No. 1003, situated at Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 6256/30-5-81, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dato: 1st January, 1982.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1981

Ref. No. P. R. No. 1571 Acq. 23-I/81-82-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 325/1 paiki, situated at Vejalpur, Ahmedabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—466GI/81

 Amrutji Manaji Thakore, Village Vejalpu, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rameshwar Vihar Coop. Housing Society Ltd., Chairman: Shri Govindbhai Ambalal Patel; 2/1, Kameshwar Apartments, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 937.75 sq. yds. bearing S. No. 325/1 paiki situated at Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5113/5-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December, 1981

Ref. P. R. No. 1572 Acq. 23-I/81-82--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 325/1, paiki situated at Vejalpur, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pasiben adaughter of Manaji Gagaji;
 Village Vejalpur,
 Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rameshwar Vihar Coop. Housing Society Ltd., Chairman; Shri Govindbhai Ambalal Patel; 2/1, Kameshwar Apartments, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm, 937.75 sq. yds. bearing S. No. 325/1 paiki situated at Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5114/5-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30th December, 1981.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th December 1981

Ref. P.R. No. 1573 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 325/1, paiki, situated at Vejalpur, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gandaji Manaji Thakore, Village: Vejalpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rameshwar Vihar Coop. Housing Society, Ltd., Chairman; Shri Govindbhai Ambalal Patal; 2/1, Kameshwar Apartments, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 937 ·75 sq. yds. bearing S. No. 325/1 palki situated at Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5115/5-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 30th December, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January 1982

Ref. P. R. No. 1574 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 154 paiki TPS. 6, FP 350, Sub-Plot No. 27 situated at Paldi. Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Manoramaben Chandrakantbhai; Chimanlal Kapadia, 27, Vasant Kunj, New Sharda Mandir Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Uday Apartments Owners Association; Secretary, S. G. Parekh, 27, Vasantkunj, New Sharda Mandir Road, Paldi, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 818 sq. yds. situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad, vide sale-deed No. 4997/2-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6th January, 1982.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. P. R. No. 1575 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F. No. 755-1-1, 755-A, TPS, 2 (Varied) paiki situated at Chhadavad, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Ahmedabad on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- I. Smt. Kalavati ben Navinchandra Mehta; Mandvi's Pole, Lalbhai's Pole, Ahmedabad.
 - Shri Ghanshyambhai Ratilal Rawal (HUF), & others, Vidhyanand Hospital, Opp. Hotel, Narol, Ahmedabad.
 - Shri Vinubhai Ratilal Rawal (HUF), Opp. "Parag" Bungalow, Sukhipura, Ahmedabad.
 - Shri Rameshbhai Ratilal Rawal (HUF), Ambawadi, Ellisbridge, Ahmedabad.
 - Shri Jagdishbhai Ratilal Rawal (HUF), Sukhipura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Trivedi Terrace Apartments Owners Association; Organiser: Shri Omprakash Syam Sunder, Agarwal, A-2-2, Elite Apartments, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 727 situated at Chhadawad, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5629, 5591, 5592, 5588 & 5589/15-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmeda bad

Date: 6th January, 1982,

 Shri Surendrabhai Dinkerrao Champnerker; "Sai Krupa", Shahpur Mill Compd., Ahmedabad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Vilasben Trikamlal Vadesar; A-2-80, Raghu Kul Society, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1576 Acq. 23-1/81-82 — Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4248/3, 4248/4, Shahpur, Wd. 2, situated at Shahpur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt-shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land 74.69.72 & 76.64.52 situated at Shahpur, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5163/May, 1981 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authrolty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. P. R. No. 1577 Acaq. 23-I/81-82--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. S. No. 280 & 282-2, Sub-Plot No. 1-F, FP 92, TPS. 29 situated at Hissa No. A-225 paiki situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Ahmedabad on 22-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transmer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Taragauri Natverlal Shah, 633, Naiwada, Raipur, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Miraben Chandraprasad Pathak;
 45, Shantinagar Society,
 Wadaj,
 Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 335 sq. yds. situated at Wadal, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 3077/22-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6th January, 1982.

2314

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. P. R. No. 1578 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 280 & 282-2, Sub-Plot No. 1-F, TPS. 29 FP 92 Hissa No. B-335, situated at Wadaj, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Smt. Taragauri Natwerlal Shah;
 633, Naiwada,
 Raipur,

Ahmedabad.

(Transferor)

Shri Rajendra Chandraprasad Pathak;
 Shantinagar, Society,
 Wadaj,
 Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 335 sq. yds.—situated at Wadaj. Ahmedabad registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 3620-21/22-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. 1579 Acg. 23-I/81-82- Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3218/5 situated at Paradise Talkies, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbander on 25-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

34-466GI/81

(1) Shri Girjashanker Mulji Thanki, Vadi Plot, Porbander.

(Transferor)

(2) Smt. Jiviben Samat Karavadara; Zundala, Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immow able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 3218/5 paiki adm. 453-3, situated near Paradisc Cinema, Porbander, duly registered by Sub-Registrar Porbander, vide sale-deed No. 1932/25-5-81 i.e. property, fully described there in,

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 7th January, 1982

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1580 Acq. 23-1/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 3218/b paiki situated at Near Paradise Cinema, Porbander,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Porbander on 25-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesqid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rampiklal M. Thanki, Vadi Plot, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Dul Samat Karavadar;Zundala,Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 3218/6 paiki adm. 453 · 3 sq. yds. situated near Paradisc Cinema, Porbander, duly registered by Sub-Registrar, Porbander, vide sale-deed No. 1930/25-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1581 Acq. 23-1/81-82 -Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2263, Sheet No. 142, C. S. N. 2 situated at Bhojeshwar Plot, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sakarben Achan Singodiya;
 - Jayantilal Achan Singodiya; through P. A. Holder: Shri Parshottam Goker, Village Vadala, Tal. Porbander, Dist. Junagadh.

(Transferor)

1. Achan Arsı,
 1. Kishore Arsi;
 Memanwada,
 Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 346-0-5 sq. yds. bearing C.S.W. No. 2, S. No. 2213, & Sheet No. 142, situated at Bhojeshwar Plot, Porbander, duly registered by Sub-Registrar, Porbander, vide sale-deed No. 1795/14-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th January, 1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1582 Acq. 23-I/81-82:1—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 209, 209-1 & 209-2, TPS. 14, FP 269-A sub-plot No. 3 situated at Shahibaug, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thanfitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Jayantilal Joitaram Patel; Shyamaldas's Khadki, Village Kanij, Tal. Mehmadabad, Dist. Kaira

(Transferor)

(2) Smt. Bhagirathidevi Bisomberlal & others; No. 16, Uttar Gujarat Patel Society, No. 2, Asarva, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 652—Eastern side—situated at Shahibag Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 5019/2-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date:6th January, 1982. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1583 Acq., 23-I/81-82: -Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ks. 25,000% and bearing

No. S. No. 209, 209-1, & 299-2, TPS, 14, FP 269-A, Sub-Plot No. 3 situated at Shahibaug, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 2-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Jashwantlal Ramdas Patel, Shyamaldas's Khadki, Village: Kanij, Tal. Mehmadabad, Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagirathidevi Bisamberlal & others; No. 16, Uttar Gujarat Patel Society, No. 2, Asarwa, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 652 Western side-situated at Shahibag, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide saledeed No. 5020/2-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 369D(1) (43 OF 1961) TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1584 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G.C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C. S. No. 2930 & 2932-Khadia-II, Mun. C. No. 1998 to 1998-3 situated at Dhal's Pole, Ashapuri Mata's Lane, Astodia, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajnikant Mulchanddas Mistry, Ashapuri Mata's Khancha, Dhal's Pole, Astodia, Ahmedabad.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Pramod Chandulal Bhavsar; Ashapuri Mata's Khancha, Dhal's Pole, Astodia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. standing on land adm. 72 sq. yds. situated at Dhal's Pole, Astodia, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale deed No. 5594/14-5-81 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1585 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 8 & 9 situated at Vithal Apartments, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vithal Construction Co. Partner Shri Pranlal Vithaldas Rajdev & others; Race Course, Rajkot.

(Transferor)

Shri Patel Lavjibhai Bhavanbhai;
 C/o. Patel Ice Cream,
 Nr. Race Course,
 Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 and 9 in Vithal Apartments adm. 1169 sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3220 dated 6-5-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahemdabad.

Date: 7th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1586 Acq. 23-1/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22/33 situated at Jagnath Plot, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Anjal Construction Co., Partner: Bhanumati Kanayalal & others; 15, Sardar Nagar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Rasiklal Chunilal Shah;22/33, Jagnath Plot,Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on third floor situated at Jagnath Plot in Anjal Apartment bearing No. 22/33, as fully described in the Sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Rajkot vide Regn. No. 3541 of May, 1981.

G. C. GARG

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

_ Dato: 7th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1587 Acq. 23-I/81-82:-Whereas, J, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

- situated at Morbi, Dist. Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morbi on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—466GI/81

(1) Smt. Kasturben Devraj Kathrani; Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Ramji Jashraj Miravi; Morvi, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bldg, situated at Morvi, adm. 4200 sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Morvi, Dist Rajkot vide Regn. No. 1197 of May, 1981.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th January, 1982.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1588 Acq., 23-I/81-82:--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 1-4-4 paiki Plot No. 2, Plot No. 1 paiki situated at Near Guru Datfatraya Mandir, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 5-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Adityakumar sinhji Indravijyasinhji Jadeja; Devabha-ni-Chowk, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Parshvanath Apartment Coop. Hsg. Society Ltd. Meta Chamber, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Jamnagar bearing No. 1-G-4, paiki, Plan No. 2, Plot No. 1 paiki adm. 7000 sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar, vide Regn. No. 1608 dated 5-5-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1589 Acq. 23-1/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G-4-1, paiki Plan No. 6, Plot No. 15, situated at Jampuri Estate, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamangar on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kamalaben Mansukhlal Desai;
 Smt. Taraben Ramaniklal Desai;
 P. A. Holder: Niranjan Navalchand Vasa;
 Kadiawad,
 Jamnagar.

(Transferor)

(2) Mahendra Shashikant Patel; P. A. Holder; of Satyavati Mansukhlal Rehmatpura Guardian of Minor Manoj Mansukhlal & minor Jaykumar Mansukhlal, Near Hansbai Masjid, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

Land situated at Jampuri Estate, Jamnagar bearing S. No. 1-G-4 paiki Plan No. 6, Plot No. 15, adm. 8400 sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1497 of May, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: '7th January, 1982.

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMÍS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1590 Acq. 23-I/81-82;—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Rev. S. No. 3/1, 4/1 paiki Plot No. 8 satuated at Shanker Takeri, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Januagar, on 16-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby mutiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Legal Heirs of Govindbhai Punja;
 - 1. Gangaben Govindbhai;
 - Rameshchandra Govindbhai;
 19, Digvijya Plot,
 Jamnagar.
 - Nirmalaben Narsidas Patel;
 C/34, Indradeep Society,
 and others;
 Jamnagar,

(Transferor)

Shri Dineshehandra Karasandas Patel;
 Opp. Johly Bungalow,
 Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated Nr. Shanker Tekari, Jamnagar bearing Rev. S. No. 3/1 -4/1 Plots paiki Plot No. 8 adm. 434:70 sq. mts. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1763 dt. 16-5-81.

G. C. GARG,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 7th January, 1982.

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AH MEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1591 Acq. 23-1/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

——— situated at Jamnagar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar, on 16-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijyasinh Madhavdas; Digvijya Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Hamırbhai Laxamanbhai Ahir; Shri Anilkumar Laxmanbhai Ahir; Navagam Ghed Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1765 dated 16-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7th January 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1592 Acq. 23-I/8(-82:--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 29-61-2 paiki situated at Jamnagar,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamnagar, on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Mohanlal Harilal Dave;
 Yashodhara Mohanlal Dave (Dccd),
 L. F. Mohanlal Harilal Dave;
 - (2) Shashikant Mohanlal Dave & others; Near Mangalbang, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Dineshchandra Manilal Ruparalia; Shri Jayendra Manilal Ruparalia; Shri Jayesh Manilal Ruparalia; Mahalaxmi Chowk, Jamnagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C. S. No. 29-61-2 paiki adm, 1096.5 sq. ft. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1937 dated 28-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 7th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1593 Acq. 23-1/81-82: - Whereas, J. G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 322/1 situated at Mahuva,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahuva on 30-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kharak Mavjibhai Shivabhai & others; Mahuva.

(Transferor)

 Shri Gayatri Nagar Coop, Hsc. Socy, Ltd. President; Padhiar Ramsinhbhai Manubhai; Mahuya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mahuva bearing S. No. 322/1 paiki adm. A 4 Gun. 5 as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Mahuva, vide Regn. No. 998 dated 30-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedahad.

Date: 11th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1594 Acq. 23-J/81-82:—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 516-A-B/3 & 516-A. B/4 situated at C. S. Ward-5, Bhavnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 14-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Champaben Popatial, Bhavnagar.
 At Present; Village: Akru, Tal. Dhandhuka.

(Transferor)

(2) Shri Ranchhod das Gordhandas; Bhavnagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Shishuvihar Area Bhavnagar bearing Plot No. 516-A-B/3 & 516 AB/4 C. S. Ward No. 5, adm. 470.5 sq. mts. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 1047 dated 14-5-1981.

G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 11th January, 1982.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabdd-380009, the 12th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1595 Acq. 23-I/81-82:—Whereas, J, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 94/1 paiki situated at Village Navagadh sim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at etpur on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-466G1/81

Gomiben Govind;
 Village: Navagadh,
 Tal' Jetpur,
 Dist. Rajkot.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Maganlal Gordhandas Patel; Kanakia Plot, Jetnur
 - Shri Vasantkumar Kurjibhai Patel; Patel Society, Jamnagar.
 - Shri Ashokkumar Jamanadas Patel; Patel Society, Jamnagar.
 - Shri Jamanadas Kurjibhai Patel; Patel Society, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Navagadh sim Tal. Jetpur, bearing S. No. 94/I paiki adm. A-I-00 to each transfered as fully described in the sale-deeds duly registered with the Sub-Registrar Jetpur vide Regn. No. 658, 659, 660, 661, 662 dated 28-5-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ahmedabad

Date: 12th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1987

Ref. No. P. R. No. 1596 Acq. 23-1/81-82:-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sheet No. 207, Plot No. 99-A-2, Ward No. 7 situated at Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhaynagar on 7-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Nirmalaben Prataprai Chandarana; Menglor, Balchatta, New Road, Karnatak State.

(Transferor)

(2) Shri Gurukrupa Coop. H. Society, Ltd., President : Maheshkumar Jayantilal Badani; Takhteshwar Talati, Kalanala, Plot No. 99-A-2, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated Kala Nala, Bhavnager, bearing Plot No. 99-A-2, Sheet No. 207, Ward No. 7, Adm. 963 .55 sq. mts. as fully described in the sale-deed duly registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No. 997 dated 7-5-1981.

> G. C. GARG. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1597 Acq. 23-I/81-82:-- Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 544 palki situated at Kuvadava, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 15-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Govindbhai Amarabhai;
 Shri Ranchhodbhai Govindbhai;
 Shri Mahendra Govindbhai;
 Kuvadava,
 Rajkot.

(Transferor)

(2) Managing Director. M/s. Robins Biscuits Pvt. Ltd. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at village Kuvadava bearing S. No. 544, paiki adm. A. 8-17 as fully described in the sale deed duly registered with Sub-registrar, Rajkot vide Regn. No. 3064 dated 15-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12th January, 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1598 Acq. 23-I/81-82:- Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-G-4, Plan No. 5, paiki Plot No. 6 situated at Jamnagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jamnagar on 6-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——\

Dr. Amratlal Prabhashanker Shukla;
 Smt. Rajshree Amratlal Shukla;
 Opp. Motor House,
 Bedi Bunder Road,
 Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Champaklal Ravajibhai Mankadia; Shri Harsukhlal Ravajibhai Mankadia; Jayant Society, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg. situated on Bedeshwar Road, bearing S. No. 1, Sheet No. 4, Main Part G, Plan No. 5, palki Plot No. 6 adm. 334 45 (approx.) as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar, vide Regn. No. 1624 dated 6-5-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12th January, 1982.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 14th January, 1982

Ref. No. P. R. No. 1599 Acq. 23-I/81-82: -Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 11-2, C. S. No. 11-5-7 situated at Jamnagar.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 11-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the georesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Shamaldas Vashram Mamtora;
 Shri Rashiklal Shamaldas Mamtora;
 Shri Maheshkumar Shamaldas Mamtora;
 Near Solerium,
 Jamoagar.

(Transferor)

(2) Shree Arihant Apartment; Coop. Housing Society Ltd., C/o. Mahavir Medical Stores; Rajendra Road, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Jamnagar Near Girdhari Mandir, bearing C. S. No. 11-E/7 palki S. No. 11/2, adm. 4620 sq. ft. as fully described in the sale deed duly registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1692 dated 11-5-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Abmedabad

Date: 14th January, 1982.

(1) Mitra Banerjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Ajit Kr. Mukherjee & Smt. Aloka Mukherjee (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA _

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, dated the 6th January, 1982

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 997/Acq. R-III/81-82—Whereas, I, M. AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,200/- and bearing No. 69/1 situated at Purnadas Road, Calcutta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided 1/7th share of house property being premises No. 69/1, purnadas Road, Calcutta, containing an area of 7K ICH 42 sft.

M. AHMED

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 6-1-1982.

(1) Smt. Radha Rani Banoriee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, dated the 6th January, 1982

Ref. No. 998/Acq. R-III/81-82—Whereas, I, M. AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 69/1 situated at Purnadas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 11-5-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sri Ajit Kr. Mukherjee & Sm. Aloka Mukherjee.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided 1/7th share of the house property being premises No. 69/1. Purnadas Road, Calcutta, containing an area of 7 K ICH 42 aft.

M. AHEMD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: .6-1-1982.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFRICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, dated the 13th January, 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Haveli, II/May 81/562/81-82--Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CTS No. 1281-A, F. P. No. 665 situated at Shivaji Nagar, Pune 5.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Haveli-II on May 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri
- (1) 1. Yashwant Bhikaji Joshi.
 - 2. Smt. Yashoda Yashvant Joshi.
 - 3. Anant Yashvant Joshi.
 - 4. Smt. Nisha Yashvant Joshi.
 - 5. Smt. Aruna Arun Deshpande, 1281, Shivaji Nagar, Pune 5.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chandrakant Baburao Tolage,
 - 2. Shri Babasaheb Baburao Tolage. 1416, Kasaba Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 1281-A, F. P. No. 665, situated at Shivaji Nagar, Pune-5.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3127 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II in May 1981).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune.

Tate: 13-1-1982,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1982

Ref. No. AC-75/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Barakar, Dist. Burdwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 21-5-81

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—37—466GI/81

 Smt, Sncha Sheola Chandra Pramatha Nath Chandra NIRSA, Dhanbad, Behar.

(Transferor)

(2) Sri Dulal Chandra Paul Ramnagar, P. O. Barakar, Dist, Burdwan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land—1 bigha-11 cottah. Address—Mauza-Barakar, P.S. Kulti, Dist. Burdwan. Deed No. 2326 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range No. IV Calcutta-700 016-

Date: 1-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, dated the 1st January 1982

Ref. No. AC-76/Acq. R-IV/Cal/81-82---Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing *,

No. 44, situated at Dingsaipara Road Dist. Howrah. (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 12-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

M/S. T. P. Show Sons (P) Ltd. 44, 'A' Road, Bamungachi, Lilluah, Dist Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Gopal Chandra Show S/O, Sri Tarapada Show, 44, Dingsaipara Road, Bally, Dis . Howrah.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land

: 6kt,11ch, 23sft, with building.

Address

: 44, Dingsalpara Road, P.S. Bally Dist.

Howrah.

Deed No.

: 2479 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta-16.

Date: 1-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1982

Ref. No. AC-77/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

43, situated at Dingsaipara Road, Bally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 12-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. T. P. Shou & Sons (P) Ltd.,
 44-A, Road, Bamungachi, Liluah, Howrah.

(Transferor)

(2) Sri Bishnu Charan Shou 43, Singsai para Road, Bally, Howrah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:

2k. 14ch, 35cft. with building.

Address:

43, Dingsaipara Road, P.S. Bally,

Dist. Howrah.

Deed No. :

2530 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Date: 1-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGF-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January, 1981

Ref. No. AC-78/Acq. R-IV/Cal/81-82— Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 119, situated at Andul Road, Dist. Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Tridio Ranjan Bose P-8, Babu Hakak Lane Calcutta-17.

(Transferor)

(2) Shri Ashoke Kumar Thirani 2/6 Sarat Bose Road, Calcutta-700020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land

: 16k. 10ch, 29sft. with building. : 119, Andul Road, Dist. Howrah.

Address Deed No.

: 4345 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 1-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January, 1982

Ref. No. AC-79/Acq. R-IV/Cal/81-82- Whereas, I K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

119, situated at Andul Road, Dist. Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chitra Rao P-8, Babu Hakak Lane, Calcutta-700017.

(Transferor)

(2) Sri Punam Chand Thirani 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta-700020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 16k. 10ch. 29sft. with building. Address : 119, Andul Road, Dist. Howrah.

Deed No. : 4346 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 1-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st January 1982

Ref. No. AC-80/ACQ. R-IV/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

119, situated at Andul Road, Dist. Howrah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amai Prova Bose P-8, Babu Hakak Lane, Calcutta-700017.

(2) Sri Narendra Kumar Thirani 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta-700020, (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land

: 16kt. 10ch. 29sft. with building

Address

: 11 9, Andul Road, Dist. Howrah.

Deed No. : 4347 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 1-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st January, 1982

Ref. No. AC-81/ACQ. R-IV/Cal/81-82—Wheres, IK. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. situated at Bhadra Pally

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Burdwan on 28-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of in

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or many moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Hemanta Kumr Sen Bhadra Pally, Kalnagate, Dist. Burdwan.

(Transferor)

(2) Sri Monoranjan Kumar Khanpukur, Bhadrapally, Kalnagate, P. O. & Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land

: 5k. 3ch. with building.

Address

: Khanpukur, Bhadrapally, Kalnagate,

Dist. Burdwan.

Deed No.

: 2027

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 1-1-1982

Ceal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, dated the 31st December 1981

Ref. No. AC-73/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas, SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Ashoke Pally, Asansol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 15-5-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Kamala Chatterjee,
 3-Albert Street, Calcutta-16

(Transferor)

(2) Sri Niranjan Roy,
 C/o. Dr. Ashoka Roy,
 J. J. & S. Hospital,
 P. O. Burnpur,
 Dist. Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 6K. 5; Chattaks. Address—Ashoke Pally, P.S. Asansol, Dist. Burdawan. Deed No. 3112 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Date: 31-12-81.

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Kamala Chatterjee, 3. Albert Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- 1
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Dr. Ashoke Roy of J. J. & S. Hospital, P. O. Burnpur, Dist. Burdwan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31 December 1981

Ref. No. AC-74/Acq. R-IV/Cal/81-82-Whereas, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Ashokepally, Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Asansol on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the ,said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—466GJ/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a-period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land

: 5K. 13 Chattaks.

Address

: Ashokepally, P.S. Asansol,

Dist. Burdwan,

Deed No. 3140 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Date: 31-12-81.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,-3 CHANDERPURI

Amritsar, the 19th December, 1981

Ref. No. Asr/81-82/310—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building? No. B-XII/900-901 and situated at B-X/105 (Part III) at Old Mall Mandi, Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Punjab Rice Mills, Batala through Chhaju Ram s/o Wadhawa Ram 3/15 share and others.
 - (Transferor)
- (2) Shrimati Brij Rani Wd/o Roshan Lal and others of Batala through Hari Saran.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any, Panjab Electricity Board, Batala.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of building No. B-XII-900-901 (Part III) situated at Batala as mentioned in the sale deed No. 1415 dated 26-5-81 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH IRS, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,-3 Chanderpuri,
Taylor Road, Amritsar.

Date: 19-12-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDERPURI FAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, dated the 19th December, 1981

Ref. No. BTL/81-81/3J1--Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One building at Batala, situated at Batala
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Batala, on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Punjab Rice Mills Batala, through Chhaju Ram s/o Wadhawa Ram 3/15 share and others.

(Transferor)

(2) Shri Pushpa Wati w/o Hari Sharan of Batala.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. Punjab State Electricity Board, Batala.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of one building No. BXII-900-901 (Part III) at Batala situated at Batala as mentioned in the sale deed No. 1423 dated 27-5-81 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3-Chanderpuri,
Taylor Road, Amritsar.

Date: 19-12-81

IRS

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE; 3-CHANDERPURI TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 19th December, 1981 Ref. No. ASR/81-82/312—Whereas, I ANAND SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 5215/15 at Sultanwind situated at road, Gobind-Nagar, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar, on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh s/o Sulakhan Singh R/o Gobind Nagar, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Daulat Ram s/o Sant Ram R/o Gali No. 1 House No. 5215/15 Gobind Nagar, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5215/15 at situated at Sultanwind Road, Gobind Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4294 dated 20-5-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3-Chanderputi
Taylor Road, Amritsar.

Date: 19-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-3, CHANDERPURI

Chanderpuri, dated the 19th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/313 - Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Vacant plot on Faizpura situated at road, Batala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala, on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and f have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harsa Singh s/o Lanka Singh, R/o Village Faizpura, Batala.

(Transferor)

 M/s J. K. Mechanical Works, Faizpura Road, Batala.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any,
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot measuring 1287 sq. yds. situated on Faizpura road, Batala off the G.T. Road, Batala as mentioned in the sale deed No. 1574 dated 29-5-81 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritsar,

Date: 19-12-81

[PART III—SEC. I

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-3, CHANDERPURI

Chanderpuri, the 28th December, 1981

Rcf. No. ASR/81-82314—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One kothi Albert Road, Amritsar. situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramesh Nagpal Advocate
 s/o Sh. Baldev Dass Nagpal
 r/o 6/73 Panjabi Bagh Dolhi now Police Lines,
 Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh s/o Shri Amar Singh & Smt. Manjit Kaur W/o Sh. Randhir Singh r/o 21 Albert Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property n: y be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in Kothi No. 21 Albert Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2858/dated 13-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-3, Chanderpuri.

Amritsar.

Date: 28-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-3, CHANDERPURI Chanderpuri, the 28th December, 1981

Rcf. No. ASR/81-82/315---Whereas, I ANAND SING H IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One kothi No. 21 Albert Rd. Amritsar situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrl Ramesh Nagpal Advocate s/o Sh. Baldev Dass Nagpal r/o 6/73-Panjabi Bagh, New Delhi now Police Lines Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Mohinder Singh s/o Amar Singh & Smt. Jatinder Kaur w/o Mohinder Singh r/o 21-Albert Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf tenant(s) if any.
- (4) Any other

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share in kothi No. 21 Albert Road Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4727/dated 20-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-3, Chanderpuri
Amritsar.

Date: 28-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDERPUR, T\YLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th December, 1981

Ref. No. ASR/81-82/316—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R3, 25,000/- and bearing

No. Godown at Sarhali Road, Taran Taran, Distt. Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Hardeep Singh
 S/o Santokh Singh
 r/o Thathian Mahautan & Village Shakri,
 Ich. Tarn Taran.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Tractors,Sarhali Road,Tarn Taran.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
Punjab State Warehousing Corporation.

(Person in occupation of the property

(4) Any other.

(Person whom the undersigner knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Godown (area 2K 3M) situated on Sarhali Road, Tarn Taran, Amritsar as mention-1 in the sale deed No. 918, dated 15-5-81 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th Dcember, 1981

Ref. No. ASR/81-82/317—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One godown at Sarbali Rd. situated at Tarn Taran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Tarn Taran on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39—466GI/81

 Shrimati Kamla Rani w/o Karnail Singh r/o Tarn Taran.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Tractors Sarhali Road, Tarn Taran.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. Panjab State Warehousing Corporation.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd Share in Godown (area 2K 3M) situated on Sarhali Road, Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 1061 Dated 21-5-81 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-12-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 28th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/318—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land situated

No. Godown at Sarhali Road, situated at Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuing of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Rani w/o Sardari Lal r/o Tarn Taran.

(Transferor)

(2) M/s. Deep Tractors Sarhali Road, Tarn Taran.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 a bove and tenant(s) if any. Panjab State Warehousing Corporation.

(Person in occupation of the property

(4) Any other.

(Person whom the undersignen knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LEXITANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Godown (area 2 K 3M) situated on Sarhali Road, Tarn Taranas mentioned in the sale deed No. 2491 dated 27-6-81 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR Amritsar, the 28th December 1981

Ref. No. ASR/81-82/319—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land in Vill. Panwan situated at Teh. Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Batala, on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftee nper cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hari Singh s/o Hardit Singh r/o Panwan, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) Shri Gurbachan Singh, Sukhdev Singh,
 Satnam Singh ss/o Sh. Darshan Singh r/o Panwan, Tch. Batala.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 14K 19M situated in village Panwan, Teh. Batala, as mentioned in the sale deed No. 1203 dated 20-5-81 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH I.R.S.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-12-81

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2358

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 26th December, 1981

Ref. No. ASR/81-82/320-Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House in Sunder Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Smt. Prem Wati
 Wd/o Madan Lal
 r/o House No. 93, Gali No. 1,
 Sundernagar, Amritsar.

(Transferor)

[PART III-SEC.1

- (2) Smt. Sunite Bhatia w/o Sh. Parshotam Lal r/o Kucha mirzan Opposite State Bank Amritsar Now (H. No. 93 Gali No. 1, Sundernagar, Amritsar.)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 93 situated in Gali No. 1, Sundernagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4222 dated 19-5-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-3, CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 24th December, 1981

Ref. No. ASR/81-82/321 -Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House in chowk Lachhmansar situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Siri Hukam Dai Wd/o Sh. Rum Rattan, Piara Lal, Dev, Raj, Chiman Lal, Sardari Lal 55/0 Sh. Ram Rattan and Raj Kumar s/o Sh. Amir Chand Gupta, Prem Sagar s/o Sh. Kishan Chand r/o Chowk Lachhmansar Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Hukam Chand s/o Sh. Hira Lal & Narinder Kumar s/o Sh. Hukam Chand r/o Chowk Lachhmansar, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s), if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 117 sq. yds. situated in Chowk Lachhmansar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3052/dated 15-5-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 24-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3, CHANDER PURI, TAYLOR, ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 24th December, 1981

Ref. No. ASR/81-82/322—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Kot Harnam Dass, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Kaur w/o Sh. Shiv Singh, r/o Gali No. 9 Kot Harnam Dass, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, Mohinder Singh ss/o Gurcharan Singh r/o Guru Ram Dass Nagar, House No. 3645, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 above and tenant(s), if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the unuersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 173 Kh. No. 2287/1385 min situated in Abadi Kot Harnam Dass, Gali No. 9. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2288/ dated 6-5-81 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 24-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January 1982

Ref. No. A. P. No./2998 - Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Subhash Nagar, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Waryam Chand S/o Biru Ram Mukhtiar-i-am Sh. Chamen Lal S/o Waryam Chand, House No. 3259/15-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dilbagh Singh S/o Sh. Nand Lal and Smt. Nirmala Devi W/o Sh. Dilbagh Singh, R/o No. B-22 MCH 298, Subhash Nagar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 792 of May, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-1-1982.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January 1982

Ref. No. A. P. No/2999 -- Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 61 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Phillaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhram Dutt
 S/o Shri Bhulla Ram
 R/o Near Thanna,
 Phillaur.

(Transferor)

(2) Shri Shashi Raj, Rakesh Kumar SS/o Sh. Bhram Dutt, R/o Near Thanna, Phillaur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 422 of May, 1981 of the Registering Authority, Phillaur.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-1-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 8th January 1982

Ref. No. A. P. No. 3000—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40—466GI/81

 Shrimati Chambeli Devi R/o 68-R-3, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Verinder Lamba W/o
 Sh. Gurbinder Singh
 R/o 71-B,
 Jhoke Road,
 Ferozepur Cantonment.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 829 of May, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. G|RDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range, Julinudur

Date: 8-1-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3001—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur Cantt.

2364

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozepur on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chambeli Devi R/o 68-R-3, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

PART III—SEC. 1

(2) Shri Satish Gupta, S/o Sh. Kundan Lal R/o 71-B(P), Ferozepur Cantt.

(Transferee)

(3) As por Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Regisgeration sale deed No. 859 of May, 1981 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 8-1-1982.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January 1982

Ref. No. A. P. No./3002—Whereas, I.R. GIRDHAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara, on May, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Jagir Kaur W/o Dharam Singh R/o Model Town,
 26-C, 27-C, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Sh. Pritam Singh R/o Vill. Kariha Teh. Nawanshahr.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 384 of May, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-1-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 8th January, 1981

Ref. No. A. P. No./3003—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Model Town, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shrimati Jagir Kaur W/o Dharam Singh R/o Model Town, 26-C, 27-C, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh S/o Pritam Singh R/o Vill: Kariha Teh: Nawanshahr.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 398 May 81 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-1-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSION OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 8th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3004—Whereas, I. R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Phagwara.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Jagir Kaur
 W/o Dharam Singh
 R/o 26-C, 27-C, Model Town,
 Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh S/o Pritam Singh Vill. Kariha Teh. Nawanshahr.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 472 of May, 1981 of the Registering Authority Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 8-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3005 —Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Model Town, Phagwara. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Shrimati Jagir Kaur,
 W/o Dharam Singh
 R/o 26-C, 27-C, Model Town,
 Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Harbhajan Kaur W/o Sh. Pritam Singh Vill. Kariha Teh., Nawanshahr.

(Transferee)

(3) As per sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 490 of May, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-1-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jullundur, the 8th January 1982

Ref. No. A. P. No/3006-Whereas, I, R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at V. Malupota Teh. Banga.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Banga in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Piara Lal, Kashori Lal, Harbans Lal
 SS/o Sh. Lohari Ram R/o Vill. Malupota, Sub Tch. Banga.

(Transferor)

(2) Shri Satnam Singh S/o Sh. Gian Singh R/o V. Dhahan, Sub. Teh. Banga.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 280 of May, 1981 of the Registering Authority, Banga.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 8-1-1982

NOTAGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 8th January, 1982

Ret. No. A. P. No/3007—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jawahar Market, Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Krishna Wanti W/o Gian Chand R/o Shahkot.

(Transferor)

Shrimati Harinder Pal Jit Kaur
 D/o Smt. Bhan Kaur,
 R/o Vill. Dhandowal.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 207 of May, 1981 of the Registering Authority, Shahkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-1-1982.

Part III—Sec. IJ

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullunddr, the 8th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3008—Whereas, 1 R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Jawahar Market, Shahkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shahkot in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71-466GI/81

 Shrimati Krishna Wanti W/o Sh. Gian Chand R/o Shahkot.

(Transferor)

(2) Shri Mandhir Singh S/o
 Sh. Darshan Singh
 V. Dhandowal
 through Smt. Bhan Kaur,
 Dhandowal

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 239 of May, 1981 of the Registering Authority, Shahkot.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 8th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3009 - Whereas, I, R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Malsian Road, Shahkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shahkot in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagat Singh
S/o Budh Singh
R/o Bajwa Kalan,
Sh. Bhajan Singh
S/o Kishan Singh
R/o Ki kar Kalan,

The, Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Gulshan Kumar S/o Sh. Gian Chand R/o Shahkot C/o Shop No. 53, Jawahar Market, Shahkot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 236 of May, 1981 of the Registering Autyority, Shakkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 11th January, 1982

Ref. No. A. P. No/3012—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

 Shrimati Kailash Wati Wd/o Sh. Lajpat Rai
 Roshan Lal S/o Sh. Lajpat Rai, R/o Malout Teh., Muktsar.

(Transferors)

(2) Shrimati Jai Devi Wd/o Sh. Prabhdayal, Ashok Kumar, Ramesh Kumar, Ravi Chander SS/o Sh. Prabhdayal R/o Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1008 of May, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 7th January, 1982

Ref. No. A. P. No/2995—Whereas, I, R. GIRDHAR being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Shri Gurbachan Singh S/O Chanan Singh R/o 67, Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bui Dass S/O Sh. Mathra Dass R/O 67, Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As s. по. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 816 of May, 1981 of the Registering Authority, Jul-lundhur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-1-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juffundur, the 7th January, 1982

Ref. No. A. P. 3996-Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurbachan Singh r/o Chanan Singh r/o 67, Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kailash Wati Wife of Shri Bui Dass r/o 67, Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know s to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 901 of May, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 7-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th January, 1982

Ref. No. A. P. No/2997--Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurbachan Singh s/o Sh. Chanan Singh r/o 67, Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bui Dass s/o Sh. Mathura Dass, r/o 67, Shiv Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other Person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 2480 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January, 1982

Ref. No. A. P.-3010—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, parally

 Shri Teja Singh s/o Sh. Santa Singh r/o V. Manak Tehsil Nakodar, Distt. Jullundur Mukhtiar-Ai-Am of Sh. Charan Singh, Swaran Singh of V. Sidhwan.

(Transferor)

 Shri Swaran Singh s/o Sh. Amrik Singh r/o V. Luharan Partap Pura Teh. Jullundur.

(Transferce)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 724 of May, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-1-1982

FORM I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th January 1982

Ref. No. A. P.-3011-Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) A section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Teja Singh s/o Sh. Santa Singh r/o V. Manak,
 Teh. Nakodar, Distt. Jullundur Mukhtiar-Ai-Am of Sh. Charan Singh Sw.ran Singh of V. Sidhwan,

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh s/o Sh. Suhel Singh r/o V. Luhra Partap Pura, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 838 of May, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GJRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 8-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 11th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3013—Wheres, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 !- and bearing No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaitu in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42 - 155Gt/81

 Shri Harpal Singh s/o Sh. Udham Singh r/o Patti Rasal, Jaitu Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) M/s Lajwanti Cotton Ginning Factory, Jaitu Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per sr. no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 237 of May, 1981 of the registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1982

(1) Shri Mukhtlar Singh s/o Udham Singh r/o V. Patti Rasal, Jaitu Distt, Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1982

Ref. No. A. P. No./3014-Whereas, IR. GIRDHAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaitu on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Lajwanti Cotton Ginning Factory, Jaitu Distt, Faridkot.

(Transferee)

(3) As S, no. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 238 of May, 1981 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-82.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January, 1982

Ref. No. A. P. No./3015-Whereas, I, R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/— and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balkar Singh s/o of Sh. Udham Singh r/o Patti Rasal, Jaitu Distt: Faridkot.

(Transferor)

(2) M/s Lajwanti Cotton Ginning Factory, Jajtu Distt: Faridkot.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 239 of May, 1981 of the Registering Authority.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1982

Ref. No. A. P. No/3016—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gurdip Singh
 S/O Sh. Udham Singh
 r/o Patti Rasal,
 Jaitu Distt; Faridkot.

(Transferor)

(2) M/S Lajwanti Cotton Ginning Factory, Jaitu Distt: Faridkot,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No: 240 of May, 1981 of the Registeration Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 11-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 11th January 1982

Ref. No. A. P. No/3017—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Rajinder Kaur wife of Sh. Gurbax Singh of New Gopal Nagar, Jullundur Mukhtiar-ai-am
 Sh. Om Parkash S/o Lal Chand, R/o Bazar Bansan Wala, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh & Arvinder Pal Singh
 s/o Sh. Kuldip Singh,
 R/o ED-135, Dhan Mohalla,
 Jullundur.

(Transferor)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1296 of May, 1981 of the Registering Authority Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 11th January 1982

Ref. No. A. P. No. 3018-Whereas, I, R. GJRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shtimati Rajinder Kaur
 Wife of Sh. Gurbax Singh of New Gopal Nagar,
 Jullundur
 Mukhtiar-ai-am Shri Om Parkash
 S/o Sh. Lal Chand
 R/o Bazar Bansanwala,
 Jullundur

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh & Arvind Pal Singh Ss/o Sh. Kuldip Singh, R/o ED-135, Dhan Mohalla, Juliundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1501 of June, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 11-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 12th January, 1982

Ref. No. A. P.No. 3019—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Shri Jarnad Singh
 S/o Sh. Bhag Singh
 R/o Mansa Distt, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar S/O Sh. Kundan Lal R/o Water Works Road, Mansa Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 569 of May, 1981 of the Registering Authority, Mansa,

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 12-1-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January, 1982

Ref. L.C. 558/81-82-Whereas, I, T. Z. MANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Sarojini Kesavan
 K. K. Ursula,
 K. K. Rajiv,
 Avittam, Kadavanthara,
 Cochin-20

(Transf ror)

(2) Smt. Sashi Alexander, XXXV/739(i) Illom Block, Paliam Road, Cochin-16

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12.5 cents of land with building No. XXXVI/943, in Sy. No. 700 of Ernakulam village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 13-1-1982

FORM I.T.N.S.----

(1) Sri Ushanath Banerjee & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanaklata Vaish & Ors

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 13th January, 1982

Ref. No. 1000/Acq. R-III/81-82/Cal.—Whereas, I M. AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13 situated at Bakul Bagan Road, Calcutta

Calcutta on 29-5-1981

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—466GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeta;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or percel of land measuring 3 cottahs more or less including a house property being premises No. 13, Bakul Bagan Road, Calcutta.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date # 13-1-1982. Seal: FORM NO. I.T.N.S .--

(1) Smt. Santo Sona Sadhukhan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Banaras Laminaters Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th January 1982

Ref. No. 1001/Acq/Range-III/81-82- -Whereas, I M. AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/4/2/ situated at Canal Circular Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 18 (Eighteen) Cottas and 12 (Twelve) Chittacks lying at and being premises Nos. 11/4/2, Canal Circular Road, Calcutta.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 14-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D₍₁₎ OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January 1982

Ref. No. L.C. 551/81-82--Whereas, I, T. Z. MANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Quilon on 18-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from 'the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. T. Kamalakshmi Amma, House No. 307, Ist. Street, Dwaraka Colony, Anna Nagar, Madras-40

(Transferor)

(2) Sri S. K. Bhaskaran Nair, Karthika, Beach North Ward No. XXII/355, Lakshminads, Quilon-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with a building in Sy. No. 7260 in Valiakada cheri, Quilon village.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 13-1-1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January 1982

Ref. L.C. 552/81-82 -- Whereas, I, T. Z. MAN1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Quilon on 18-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

- (1) Lt. Col. (Miss) K. Maheswari Amma,
 P. N. Mess,
 Command Hospital,
 (Air Force), Bangalore- 7
 - (2) Shri R. Rajasekharan Nair, Muthukat House, East Fort Gate, Tripunithura.

(Transferor)

 Shri S. K. Bhaskaran Nair, Karthika, Beach North Ward, No. XXII/355, Lakshmi Nada, Quilon-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac,t shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with building in Sy. No. 7260/1 in Valiya-kadacheri, Quilon village.

T.Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January, 1982

Ref. L.C. 553/81-82 · Whereas, IT.Z. MAN1 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Ourlon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 19-5-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Suscela K. K. Nair, Staff Nurse, Zenna Hospital, Jaipur. (Agrawal Sadan, F-70, Kantichenda Road, Bani Park, Jaipur.
 - (2) Smt. Sarala Unnikrishnan, No. 307, 1st Street, Dwarka Colony, Anna Nagar, Madras-20

(Trunsferor)

 Shri S. K. Bhaskaran Nair, Karthika, Beach North Ward, No. XXII/355, Lakshminada, Quiton-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with building in Sy. No. 7260/I in valiakada cheri, Quilon village.

T.Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-1-1982 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January, 1982

Ref. L.C. 554/81-82--Whereas I, T.Z. MAN1 being the Completent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Quilor

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quiton on 19-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) 'acil, taking the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in espect of any income arising from the transfer; and/or "b.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed lings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Indira Chandrasckharan, Typist ACME's Office, Loco Works, Southern Railway, Ayyabavaram, Madras-23
 - (2) Shri M. Chandrasekharan for Minors Arunkumar, Mulakat House, East Fort Gate, Tripunithura

(Transferor)

 Shri S. K. Bhaskaran Nair, Karthika, Beach North Ward No. XXII/355, Lakshminada, Quilon-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with building in Sy. No. 7260/1 in Vallya-kada cheri, Quilon village.

T.Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-1-1982

FORM ITNS - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January, 1982

Ref. L.C. 555/81-82 Whereas, IT.Z. MANI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per schedule situated at Quilon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Quilon on 25-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Sm¹ Lalitha Ramakrishnun, Staff Nurse,
 24-Milad Street,
 Pondicherry-i
 - (2) Sri N. Ramakrishnan (or minors R. Narayana Murthy and R. Subramanian, Kulathungara Veedu, Lakhshminada, Ayadicheri, Quilon-5

(Transferor)

 Shri S. K. Bhaskaran Nair, Karthika, Beach North Ward No. XXII/359 Lakshminada, Quilon

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land in Sy. No. 7260/1/with building in Valia kadath cheri Quilon village.

T.Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-1-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th January, 1982

Ref. L.C. 556/81-82—Whereas I, T.Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Quilon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 26-5-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Suseela K. K. Nair,
 Staff Nurse,
 Zenna Hospital, Jaipur and two minors,
 Jaideep Nair (3) Sandeep Nair (by
 Smt. Suseela K. K. Nair)
- (4) Lt. Col. Miss. , Maheswari
- (5) Rajasekharan Nair.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Bhaskaran Nair, Karthika, Beach North Ward No. XXII/355, Lekshminada, Quilon-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE,

13 cents of land with building in Sy. No. 7260/1 in Valiya kada cheri, Quilon village.

T.Z. MANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 13-1-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th January 1982

Rof. No. RAC No 72/81-82 Kakinada Squad - Whereas, I S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

18-1-18 situated at Maharanipeta, Ward, Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44--466GT/81

 Srl Prabala Subba Rao, S/o Late Laxmi Narasimham Pantulu, Advocate, K.G.H. Down, Maharanipeta, Vizag-2.

(Transferor)

(2) Dr. B. Vidya Sagar, S/o
 B. Sriramamurthy,
 D. No. 18-1-18, K.G.H. Don, Maharanipota, Vizag-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Door No. 18-1-18, Maharanipeta Ward-Block No. 10-T.S. No. 185-Visakhapatnam Municipal Corporation was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month May, 1981 vide document no. 2912/81.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitron Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-1-1982

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 20th February 1982

No. F. 2/6/81-EI(B).—A combined competitive examination for recruitment in the Services/posts mentioned in para nation for recruitment in the Services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR, (GAUHATI). HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on 8th August 1982 in accordance with DRUM commencing on 8th August, 1982 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated 20th February 1982.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY. AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Amexure I, para 11). TION (See Annexure I, para 11).

2. Recruitment on the results of this examination will be made to the Services/posts under the following categories-

Category I—Civil Engineering

Category II-Mechanical Engineering

Category III-Electrical Engineering

Category IV-Electronics and Telecommunication Engineering.

The approximate number of vacancies in the various Services/posts under each Category are given below :-

Category I—CIVIL ENGINEERING

Group A Services/posts

50**

- (i) Indian Railway Service of Engineers.
- (ii) Indian Railway Stores Service (Civil Engineering Posts).
- (iii) Central Engineering Service.

34 (includes 5 vacancies reserved for S.C. and 3 reserved for S.T. candidates)

- (iv) Military Engineer Services 24 (includes 4 vacancies (Building and Roads Cadre).
 - reserved for S.C. and 2 reserved for S.T. candidates.
- (v) Central Water Engineering Service (Civil Engineering posts.)
- (vi) Central Engineering Service 7 (includes 1 vacancy reserved S.Ç. (Roads). candidates)

- (vii) Assistant Executive Englneer (Civil) (P & T Civil Engineering Wing).
- (viii) Assistant Executive Engi-6 (includes 1 vacancy neer (Civil) Border Roads reserved for S.C. can-Engineering Service. didates)
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) Civil Engineering Posts.

Group B-Services/Posts

- (x) Assistant Engineer (Civil) P & T Civil Engin Wing.
- (xi) Assistant Engineer (Civil) in the Civil Construction Wing of All India Radio.

Category II—MECHANICAL **ENGINEERING** (Group A—Services/Posts)

- (i) Indian Railway Service of 25 Mechanical Engineer;
- (il) Indian Railway Stores Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iii) Central Water Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (iv) Central Power Engineering Service (Mechanical Engineering Posts);
- (v) Indian Ordnance Factories 10 (includes 2 vacancies Service Branch) (Mechanical Engi- reserved for S.T. candineering) Posts.
 - (Engineering reserved for S.C. and 1 dates).
- (vi) Indian Naval Armament 3 (includes 1 vacancy Service (Mechanical Engi- reserved for S.T. candineering Posts).
- (vii) Mechanical Engineer (Junior) in the Geological Survery of India;
- (vili) Drilling Engineer (Junior) in the Geological Survey of India.
- (ix) Assistant Manager (Facto- 2 (includes 1 vacancy ries) (P & T Telecom. Fac- reserved for . S.T. tories organisation); candidates).
- (x) Assistant Executive Engl- 5 (includes 1 vacancy пеет (Elect.. & Mech.) reserved Mechanical Engineering Posts Border Roads Engineering Service.
- (xi) Workshop Officer (Mecha- 1 nical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.

dates)

for

candidates).

S.C.

candidates).

(a)

reserved

candidates)

S.C. candidates)

for

S.C.

1 vacancy

S.C.

for

- (xiii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Mechanical Engineering Post);
- (xiv) Indian Supply Service (Mechanical Engineering Posts).

Group B-Services/Posts

(xv) Assistant Mechanical Engineer in the Geological Survey of India;

Category III-ELECTRICAL **ENGINEERING**

Group A-Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of 50 Electrical Engineers;
- (ii) Indian Railway Stores Service (Electrical Engineering Posts).
- (iii) Central Electrical and Me- 6 (includes 1 vacancy chanical Engineering serreserved vice (Electrical Engineercandidates). ing Posts).
- (iv) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Branch) (Electrical Engincering Posts);
- (v) Indian Naval Armament 4 (includes Service (Electrical Engineering Posts).
- (vi) Central Power Engineering Service (Electrical Engineering Posts):
- (vii) Assistant Executive Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing);
- (viii) Workshop Officer (Elec- 1 (vacancy reserved for trical) in the Corps of EME, Ministry of Defence.
- (ix) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development (Electrical Engineering Post).
- x) Indian Supply Service (Electrical Engineering Posts)

Group B-Services/Posts

- (xi) Assistant Engineer (Electrical) (P & T Civil Engineering Wing).
- (xii) Assistant Engineer (Electrical) in the Civil Construction Wing of All India Radio;

(xiii) Workshop Officer (Electri- 1 (Vacancy reserved for cal) in the Corps of EME, S.C. candidates). Ministry of Defence.

Category IV—ELECTRONICS AND TELE-COMMUNI-CATION ENGINEERING

Group A—Services/Posts

- (i) Indian Railway Service of 50** Signal Engineers:
- (ii) Indian Railway Stores Service (Tele-communication/ Electronics Engineering Posts):
- (iii) Indian Telecommunication 120** Service.
- (iv) Engineer in Wireless Planning and Co-ordination Wing/Monitoring Organisation Ministry of Communications:
- (v) Deputy Engineer-in-Charge in Overseas Communications Service;
- (vi) Assistant Station Engineer in All India Radio.
- (vii) Technical Officer in Civil Aviation Department;
- (viii) Communication Officer in 6 (includes 1 vacancy Civil Aviation Department;
- (ix) Indian Ordnance Factories Service (Engineering Bran- S.C. candidates). ch) (Electronics Engineering Posts);
- (x) Indian Naval Armament 7 (includes 1 vacancy Service (Electronics Engi- reserved / for S.C. and neering Posts).
- (xi) Central Power Engineering (Telecommunica-Service tion Engineering Posts)
- (xii) Post of Assistant Development Officer (Engineering) in the Directorate General of Technical Development, (Electronics and Telecommunication Engineering Post).

Group B-Services/Posts

- (xili) Assistant Engineer in the All India Radio;
- (xiv) Assistant Engineer in Overseas Communications service:
- (xv) Workshop Officer (Electronics) in the Corps of EME, 1 Ministry of Defence.
- (xvi) Technical Assistant (Group B. Non-Gazetted) in Overseas Communication Service.
- @The total number of vacancies in Indian Railways Stores Service is 20.**

12 (includes 2 vacancies reserved for S.C. and I vacancy for S.T. candidates).

rescryed for candidates).

I (Vacancy reserved for

1 vacancy for S.T candidates).

The vacancies shown against the various Railway Engineering Services (Civil, Mechanical, Electrical and Signal), Indian Railway Stores Service and Indian Ordnance Factories Service (Civil, Mechanical, Electrical and Electronics) are permanent.

The vacancies shown against all other Services and posts are temporary.

The above numbers are liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

Note:—Recruitment to the Services/posts, mentioned above will be made on the basis of the scheme(s) of examination prescribed in Appendix I to the Rules.

- 3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of all or any of the Services/posts mentioned in para 2 above. If a candidate wishes to be admitted for more than one category of Services/posts he need send in only one application. He will be required to pay the fee, mentioned in para 6 of Notice once only and will not be required to pay separate fee for each category of Services/posts for which he applies.
- N.B. 1.—Candidates are required to specify clearly in their applications the Services/posts for which they wish to be considered in the order of preference. They are advised to indicate as many preferences as they wish to so that having regard to their ranks in the order of merit, due consideration can be given to their preferences when making appointments.

They should note that they will be considered for appointment to those services/posts only for which they express their preference and for no other service/post.

N.B. 2.—NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES/POSTS, COVERED BY THE CATEGORY OR "CATEGORIES OF SERVICES/POSTS VIZ. CIVIL ENGINEERING, MECHANICAL ENGINEERING, ELECTRICAL ENGINEERING AND ELECTRONICS AND TELE-COMMUNICATION ENGINEERING (CF. PREAMBLE TO THE RULES) FOR WHICH HE IS COMPETING WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 30 DAYS OF THE DATE OF PUBLICATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION IN THE EMPLOYMENT NEWS. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE MINISTRY OF RAILWAYS WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES IF ANY, FOR THE VARIOUS SERVICES/POSTS AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS.

- N.B. 3.—Candidates should give their preferences only for the Services and posts for which they are eligible in terms of the Rules and for which they are competing. Preferences given for Services and posts for which they are not eligible and for Services and posts in respect of which they are not admitted to the examination will be ignored. Thus candidates admitted to the examination under rule 5(b) will be eligible to compete only for the Services/posts mentioned therein and their preferences for other Services and posts will be ignored. Similarly, preferences of candidates admitted to the examination under the proviso to rule 6 will be considered only for the posts mentioned in the said proviso, and preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.
- 4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service. Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Order/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded

Note.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1982. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ENGINEERING SERVICES EXAMINATION, 1982. WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Sccretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal deligery at the counter on or before the 19th April, 1982 (3rd May, 1982 in the case of candidates residing in Assum, Meghalaya, Arunchal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 19th April, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshaweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura; Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 19th April, 1982.

Note (i):—Cundidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assem, Meghalaya,

Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

- Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or sand it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 80.00 (Rupees eighty only) Rs. 20.00 (Rupees twenty only) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipts with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 54.00 (Rupees fifty four only) Rs. 14.00 (Rupees fourteen only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note 1 below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examintion or selection.

9. If any candidate who took the Engineering Services Examination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to

reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 Examination, his candidature, for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 1st July, 1982.

10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

11. The question papers in General Ability Test and two papers each in Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering and Electronics and Telecommunication Engineering as included in the scheme of examination at Appendix 1 to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Test, including sample questions, reference may be made to Candidates Information Manual at Annexure II.

VINAY JHA, Joint Secretary. Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see it they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desire a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 8th July, 1982, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the

candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in permanent or temporary capacity or as work-charged empolyees other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission. (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/certified copy of Certificate of age.
 - (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational Qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately $11.5~{\rm cms.} \times 27.5~{\rm cms.}$
- (iv) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe

where applicable (See para 4 below).

- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance Sheet (attached with the application from) duly filled.
- NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent alongwith application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and in para 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to sent Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the Strite Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union

Public Service Commission payable at the State Bank of India Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age:

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates-maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- NOTE 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS DECORDED IN
 THE MATRICUL ATLON/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
 AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
 DATE OF STRMISSION OF APPLICATION
 WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND NO SUBSEQUENT RECITEST
 FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
 OR GRANTED.

NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR, AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind-themselves to accept it as sufficient.

In case a candidate is not in possession of the degree prescribed in Rule 6 at the time of submitting his application to the Commission, he should submit a copy of a certificate from the Principal/Registrar/Dean of the College/University concerned certifying that he has passed the qualitying examination and complied with all requirements necessary for the award of the degree in the form prescribed in para 1 of the form of certificate given under Note 1 below.

'Note 1:—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for this examinations, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, in the form prescribed below, as soon as possible and in any case not later than 30th October, 1982.

Certificate showing proof of passing qualifying Examination,

| *1. Certified that Shri/Smt./Km.* |
|--|
| on/daughter* of who has been student in this college has passed the xamination and has become eligible for the award of legree and that he/she" has been placed in livision. |
| *2. Certified that Shri/Smt/Km.* on/daughter* of is expected to appear/ examination conducted examination is likely to be examination is likely to be |
| Signature |
| Designation |
| Name of Institution——— |
| Where citrofed |

*Strike out whichever is not applicable.

Date-

Note 2—A candidate seeking admission to the examination with the qualification mentioned in proviso to Rule 6, must submit an attested/certified copy of a certificate from

the Principal/Dean of the College/Institution/University concerned showing that he has passed/taken the M.Sc. degree examination or its equivalent with one of the special subjects mentioned therein.

- (iv) Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance-Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in lnk on the front by the candidate.
- N. B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv), 3(vi) and (vii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below, from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below of the district in which his parents (or-surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*

son/daughter* of of of of of the State/Union Territory*

Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:

the Constitution (Scheduled Caste) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) order 1951*

las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960 the Puniah Reorganisation Act. 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

| 2. Shri/Shrimati/Kumari* | | and/or* | ' bis/her' |
|--------------------------------|-------------|----------|------------|
| family ordinarily reside(s) in | village/tow | n* | |
| of District/Division' | of the Sta | te/Union | Territory* |
| of | | | |

| | Signature |
|-------|--|
| | **Designation |
| Place | (with seal of office),State/Union Territory* |
| Date | ••• |

*Please delete the words which are not applicable.

Note—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/*Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

| (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar. | (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta. |
|---|--|
| (iv) Sub-Divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides; | (iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Shri Lanka claiming age concession under Rule 5(c)(iv) or 5(c)(v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in |
| (v) Administrator/Secretary to Administrator/Develop- ment Officer, 'Lakshadweep'. | Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ccylon Agreement of October, 1964. |
| 5(i) A Government Servant claiming age concession under rule 5(b) should submit a certificate in Original from the Head of the Department. Office in the following form:— | (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(c)(vi) or 5(c)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested certified copy of the identity certifications used to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who migrated to India on or |
| The torm of certificate to be produced by the candidate. Certified that | after 1st June, 1963 or an attested certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. |
| *(i) Shra Shrimati/Kumari holds a permanent post of in the office/Department of with effect from | (v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(c)(viii) or 5(c)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Re- |
| *(ii) Shri Shrimati Kumari has been continuously in temporary service on a regular basis under the Central Government in the post of in the with effect from, | settlement. Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with an foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof. |
| *Strike out whichever is not applicable. | The form of certificate to be produced by the candidate:— |
| Signatura | Certified that Rank No |
| Signature Designation | while in the Defence Services, in operation during hostilities |
| | with a foreign country in a disturbed area* and was released as a result of such disability. |
| Ministry/Office Office stamp | as we take or provide constitutions. |
| Date | Signature |
| Place | Designation |
| • | Date |

- (if) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5(c)(iii) or 5(c)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice, should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona side displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakarnya Project or of Relief Camps in various States.
 - (2) District Magistrate of the Areas in which he may, for the time being be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge. 45-466GT/81

(a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment

in Army Mayy/Air Force and he fulfils ONE of the follow-

- Rank

(vi) Ex-servicemen and Commissioned Officers including FCOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(c)(xiv) or 5(c)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.

(A) Applicable for Released/Retired Personnel.

Name - - - whose date of birth is -

It is certified that No. -

has rendered service from -

ing conditions:---

*Strike out whichever is not applicable.

otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.

(b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment

Station

Date

Name and Designation of the Competent Authority

SEAL.

(B). Applicable for serving personnel.

| It is certified that No. — Rank — |
|---|
| Name — whose date of birth is — |
| is serving in the Army/Navy/Air Force from ——. |
| 2. He is due for release/retirement w.e.f. ———— |
| is likely to complete his assignment of five years by |
| , |

3. No disciplinary case is pending against him.

Station

Date

Name and Designation of the Competent Authority SEAL

Authorities who are competent to issue certificates are as follows:—

- (a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.
 - Army—Directorate of Personnel Services, Army Hqrs. New Delhi.
 - Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hgrs. New Delhi.
 - Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs., New Delhi.
- (b) In case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force-Air Force Records, New Delhi.

- (vii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Victnam claiming age concession under Rule 5(c)(x) or 5 (c) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a hona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (viii) A candidate who has migrated, from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(c)(xii) or 5(c)(xiii) should produce and attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(ii), (iii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Minsitry of Railways/Works and Housing/Defence/Energy/Agriculture and Irrigation/Communication/Supply and Rehabilitation/Steel and Mines/Shipping and Transport/Information and Broadcasting/Tourism and Civil Aviation.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such document or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, Ipso-facto mean that the

application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But, if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan New Delhi-110001 and (iii) The Govt, of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.
 - (i) NAME OF EXAMINATION.
 - (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - (iji) APPLICATION REGISTRATION NO/ROLL NO. OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HEID AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION

AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE JI

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

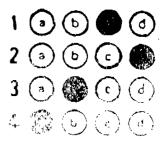
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-I.E.T. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Bookelet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

1. You should bring and use only good quality pencil(s) for answering the items.

- 2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before, the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No, and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your scat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Frantination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure
- 2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far
- 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart ·
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing
- 4. (Chemistry)

The anhydride of HaVO, is

- (a) VOa
- (b) VO₄
- (c) V_2O_3
- $^{*}(d)$ $V_{2}O_{3}$
- 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when,

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c)-wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a delectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in tree space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9
- 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite
- 8 (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax

(c)
$$y = ae^x \pm be^{-x}$$

- *(d) y=ae^X -a
- 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400°K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)
- 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 4°
- *(b) 3
- (c) [∞]
- (d) --5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
 - (c) it has excellent forest resources
 - (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of **Buddhism**
- (b) Brahmanism was a high formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrifician fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual

13, (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Buddhism Nyāya, Cārvāka, Mimāmsa
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāke
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvāka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organiza-
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample items (Questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping will the syllabus for this examination.

| | • | |
|--|---|--|
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | |